THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

अमेरिका में फ्लाइट लैंड होते ही भारतीय मूल का पायलट गिरफ्तार

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में भारतीय मूल के एक पायलट को सैन फ्रांसिस्को इंटरनेशनल एअरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया है। 34 साल के रुस्तम भगवागर डेल्टा एअरलाइंस के को-पायलट थे और उन्हें यौन उत्पीड़न के एक मामले में रविवार सुबह लगभग 7 बजे फ्लाइट लैंड होने के 10 मिनट बाद गिरफ्तार किया गया। कॉन्ट्रा कोस्टा काउंटी शेरिफ विभाग के अधिकारियों और होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन के एजेंटों ने डेल्टा फ्लाइट 2809, बोइंग 757-300 के मिनियापोलिस से आने के तुरंत बाद ही कॉकपिट पर धावा बोल दिया। यूएसए टुडे के मुताबिक, रुस्तम की गिरफ्तारी उस समय हुई जब यात्री विमान से उतरने की तैयारी कर रहे थे।

वर्ष-30 अंक : 124 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.6 2082 बुधवार, 30 जुलाई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीएम मोदी की दो टूक

दुनिया के किसी भी नेता ने ऑपरेशन सिंदूर रोकने को नहीं कहा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा का जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष और तमाम लोगों को आड़े हाथ लिया। पीएम मोदी ने कहा, 'मैंने कहा था कि यह भारत के विजयोत्सव का एक सत्र है। जब मैं 'विजयोत्सव' की बात कर रहा हूं, तो मैं कहना चाहूंगा- ये 'विजयोत्सव' आतंक के ठिकानों को मिट्टी में मिलाने का है। विजयोत्सव ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का है।'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, '22 अप्रैल को पहलगाम में जो क्रूर घटना घटी, जिस तरह आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों से उनका धर्म पूछकर उन्हें गोली मारी, वह क्रूरता की पराकाष्ठा थी। यह भारत को हिंसा की आग में झोंकने की एक सोची-समझी कोशिश थी। यह भारत में दंगे फैलाने की एक साजिश थी। आज मैं देशवासियों का आभार व्यक्त करता हूं कि देश ने एकजुट होकर उस साजिश को नाकाम कर दिया।' उन्होंने कहा कि मैं इस सदन के समक्ष भारत का पक्ष रखने के लिए यहां खड़ा हूं। जो लोग भारत का पक्ष नहीं देखते, मैं उन्हें आईना दिखाने के लिए यहां खड़ा हूं।'

उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल के बाद मैंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि यह हमारा संकल्प है कि हम आतंकियों को मिट्टी में मिला देंगे। सजा उनके आकाओं को भी मिलेगी और ऐसी सजा मिलेगी जो कल्पना से भी बड़ी होगी। 22 अप्रैल को मैं विदेश में था। वहां से लौटने के तुरंत बाद मैंने एक बैठक बुलाई। उस बैठक में मैंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आतंकवाद को करारा जवाब देना होगा, और यह हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। सेना को कार्रवाई की खुली छूट दी गई। यह भी कहा गया कि सेना को यह तय करना चाहिए कि कब, कहां, कैसे और किस तरीके से कार्रवाई करनी है। ये सारी बातें उस बैठक में स्पष्ट रूप से कही गईं। हमें गर्व है, आतंकियों को वो सजा दी कि आज भी आतंक के उन आकाओं की नींद उड़ी हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'पहलगाम आतंकवादी हमले के ठीक बाद पाकिस्तानी सेना को यह अंदाजा हो गया था कि भारत वास्तव में कोई बड़ी कार्रवाई करेगा। उन्होंने परमाणु हमले की धमकियां देनी शुरू कर दीं। 6-% मई की मध्यरात्रि को भारत ने ठीक अपने निर्णय के अनुसार कार्रवाई की। पाकिस्तान कुछ नहीं कर सका। हमारे सशस्त्र बलों ने 22 अप्रैल की घटना का बदला 22 मिनट के भीतर सटीक हमलों से ले लिया। सेना दुश्मनों को धुआं-धुआं कर दिया।'

>14

दम है तो पीएम कहें कि ट्रम्प झूठे : राहुल

प्रियंका बोलीं- लोग सरकार भरोसे कश्मीर गए, सरकार ने उन्हें भगवान भरोसे छोड़ा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर दूसरे दिन बहस में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाषण दिया। राहुल ने कहा- ट्रम्प ने 29 बार कहा है कि हमने युद्ध रुकवाया। अगर दम है तो प्रधानमंत्री यहां सदन में यह बोल दें कि वह झूठ बोल रहे हैं।

राहुल ने कहा- आपने यह बता दिया कि आपके पास लड़ने की इच्छाशक्ति नहीं है। सरकार ने पायलट्स के हाथ-पांव बांध दिए। अगर पीएम में इंदिरा गांधी की तरह 50 प्रतिशत भी दम है तो कहें कि ट्रम्प ने भारत-पाकिस्तान में सीजफायर नहीं कराया। कह दीजिए कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत का एक भी फाइटर जेट नहीं गिरा है।

राहुल से पहले प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- लोग सरकार के भरोसे पहलगाम गए थे, लेकिन सरकार ने उन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया। पहलगाम में जब लोगों को मारा जा रहा था, तब वहां एक भी सुरक्षाकर्मी नहीं दिखा। पीएम ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय लेने आगे आ जाते हैं, जिम्मेदारी लेने क्यों नहीं आते।

प्रियंका गांधी ने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री ने आज पंडित नेहरू और इंदिरा गांधी के कार्यों के बारे में बात की। उन्होंने मेरी मां के आंसुओं के बारे में भी बात की। लेकिन उन्होंने कभी यह नहीं बताया कि सीजफायर की घोषणा क्यों की गई।

प्रियंका गांधी ने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री ने आज मेरी मां के आंसुओं के बारे में बात की। मैं इसका जवाब देना चाहती हूं। मेरी मां के आंसू तब बहे थे जब आतंकवादियों ने मेरे पिता को मार डाला था। आज, जब मैं उन 26 लोगों (पहलगाम हमले के पीड़ितों) के बारे में बात करती हूं, तो ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं उनका दर्द समझती हूं। उन्होंने कहा, "यह सरकार हमेशा सवालों से बचने की कोशिश करती है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- कानूनी सलाह देने वाले वकीलों को एजेंसियों द्वारा समन नहीं किया जाना चाहिए

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि अगर कोई व्यक्ति केवल वकील के तौर पर काम कर रहा है, तो उसे मुवक्किल को कानूनी सलाह देने के लिए जांच एजेंसियों द्वारा समन नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि कोई वकील अपराध में मुवक्किल की मदद कर रहा है तो उसे तलब किया जा सकता है।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने यह टिप्पणी जांच के दौरान मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व करने या कानूनी सलाह देने के लिए जांच एजेंसियों द्वारा वकीलों को समन किए जाने को लेकर लिए स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान की। पीठ ने इस मुद्दे पर बार संगठनों, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) और सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए) की दलीलें सुनीं।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि अगर वकीलों को सिर्फ सलाह देने के लिए नियमित रूप से तलब किया जाने लगा, तो कोई भी संवेदनशील आपराधिक मामलों में सलाह देने की हिम्मत नहीं करेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि इस पर नियंत्रण के लिए उसी तरह की सावधानियां अपनाई जानी चाहिए जैसी कि सीबीआई अपनाती है।

उन्होंने प्रस्ताव रखा कि किसी वकील को तलब करने के लिए पहले जिला स्तर पर पुलिस अधीक्षक की अनुमति ली जाए और फिर न्यायिक मजिस्ट्रेट की अनुमति के बाद ही समन जारी हो। पीठ ने संकेत दिया कि न्यायिक निगरानी जांच के अतिक्रमण पर एक महत्वपूर्ण जाँच के रूप में काम कर सकती है।

प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता इस मूल आधार से सहमत थे कि वकीलों को केवल कानूनी सलाह देने के लिए नहीं बुलाया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक वकील और मुवक्किल के बीच संवाद के विशेषाधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए।

'विश्वगुरु' ने देश के लोगों को निराश किया : कनिमोझी

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान डीएमके सांसद कनिमोझी ने पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि "विश्वगुरु' ने अपने ही देश के लोगों को निराश किया है। यदि भारत वास्तव में विश्वगुरु है तो आतंकवादी हमले क्यों होते रहते हैं। उन्होंने कहा कि पहली बार भाजपा ने विपक्ष पर कुछ भरोसा दिखाया है और हमें देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए नेताओं या प्रतिनिधिमंडलों के हिस्से के रूप में भेजा है। मैं सरकार को धन्यवाद देना चाहती हूं, लेकिन मैं यह भी कहना चाहूंगी कि अगर इन प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने का अवसर नहीं मिला होता तो हम अधिक खुश और आभारी होते। कनिमोझी ने कहा कि इन प्रतिनिधिमंडलों को क्यों जाना पड़ा, हमले क्यों हुए? कुछ अवसर जश्न मनाने के नहीं बल्कि शोक मनाने के होते हैं। ये अवसर इसलिए आए क्योंकि शांति नहीं हो पाई और यह गहरे दर्द से उपजा है। आज यह आरोप-प्रत्यारोप का खेल बन गया है। आज भी गृह मंत्री ने अपने भाषण में केवल विपक्ष पर दोष मढ़ने पर ध्यान दिया।

शाह बोले- सहकारिता बनी भारत की नई ताकत

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संयुक्त राष्ट्र में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में वीडियो संदेश के माध्यम से सहकारिता को भारत की नई ताकत बताया। उन्होंने कहा कि भारत में सहकारी समितियां अब सिर्फ पारंपरिक क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रहीं, बल्कि डिजिटल सेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा, जैविक कृषि और वित्तीय समावेशन जैसे नए क्षेत्रों में "नवाचार' और आत्मनिर्भरता का माध्यम भी बन गई हैं। बता दें कि अमित शाह ने यह बात संयुक्त राष्ट्र में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में वीडियो संदेश के जरिए कही। कार्यक्रम का विषय था सहकारिता और सतत विकास।

वीडियो संदेश में शाह ने कहा कि भारत में 2025 तक 8.4 लाख से अधिक सहकारी समितियों से जुड़े 32 करोड़ सदस्य सक्रिय हैं। समितियों ने किसानों को सीधे वैश्विक बाजारों से जोड़ा है, ब्रांडिंग, मार्केटिंग और निर्यात लाभ देती हैं, जिससे उत्पादक स्थानीय से ग्लोबल स्तर तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल नवाचार जैसे एआई, एम-स्ट्राइप्स आदि ने सहकारी समितियों को और समावेशी बनाया है। त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय सहकारी नीति 2025-45 जैसे कदम इस आंदोलन को पारदर्शी, उत्तरदायी और भविष्यउन्मुख बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। शाह ने कहा कि भारत में सहकारिता सेवा, रोजगार और नवाचार का आधार बन रही है और यही मॉडल समावेशी विकास को वैश्विक पहचान दिला रहा है।

अमित शाह ने यह भी कहा कि भारत की दुनिया की सबसे बड़ी अनाज संग्रहण योजना भी सहकारी समितियों के माध्यम से संचालित की जा रही है।

'जासूसी वाला चश्मा' पहन पुरी के जगन्नाथ मंदिर में पहुंचा युवक, जवानों ने पकड़ा

भुवनेश्वर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर में एक युवक को स्पाई कैमरा डिवाइस के साथ पकड़ने की घटना ने मंदिर की सुरक्षा और पवित्रता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला मंगलवार अल सुबह सामने आया जब युवक मंदिर परिसर में चश्मे पर लगे एक विशेष स्पाई कैमरे के साथ घुसा। सूत्रों के अनुसार, युवक ने अपने चश्मे पर एक छोटा सा स्पाई कैमरा लगाया था. यह कैमरा तस्वीरें और वीडियो सीधे उसके मोबाइल फोन पर रियल टाइम में भेजने की क्षमता रखता था। युवक मंदिर में सामान्य श्रद्धालु की तरह प्रवेश कर गया, लेकिन उसकी हरकतें सुरक्षा कर्मियों को संदिग्ध लगीं. मंदिर के द्वार के पास तैनात सुरक्षाकर्मियों ने युवक की गतिविधियों पर नजर रखी और उसे रोक लिया। जांच करने पर चश्मे में लगा कैमरा डिवाइस बरामद हुआ। तुरंत ही मंदिर की सशस्त्र सुरक्षा बल ने युवक को हिरासत में लेकर सिंहद्वार पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया. पकड़े गए युवक की पहचान गजपति नगर के अभिषित कर के रूप में हुई है। पुलिस यह जांच कर रही है कि क्या युवक ने मंदिर के अंदर कोई फोटो या वीडियो रिकॉर्ड कर लिया था या नहीं. फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि युवक का उद्देश्य क्या था और क्या इस घटना में और लोग भी शामिल हैं। पुलिस ने युवक से पूछताछ शुरू कर दी है और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की तकनीकी जांच भी की जा रही है।

मल्लिकार्जुन खरगे और जेपी नड्डा के बीच तू तू मैं मैं

फिर केंद्रीय मंत्री ने मांगी माफी

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर पर राज्यसभा में चर्चा के दौरान सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। सरकार की आलोचना करते हुए खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए आपत्तिजनक शब्द का इस इस्तेमाल किया। इस पर सदन के नेता जेपी नड्डा भड़क गए और खरगे के लिए भी आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया। दोनों नेताओं के बीच सदन में तू-तू-मैं-मैं देखने को मिला।

राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा द्वारा उन पर की गई टिप्पणी को वापस लेने पर सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इस सदन में कुछ नेता हैं जिनके प्रति मेरे मन में अपार सम्मान है। नड्डा भी उनमें से एक हैं। राजनाथ सिंह और वह ऐसे मंत्री हैं जो बिना अपना संतुलन खोए बोलते हैं। वह आज मुझे बता रहे हैं। यह शर्म की बात है। उन्हें माफी मांगनी चाहिए, मैं इसे ऐसे ही नहीं छोड़ने वाला।

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि हम बैठक (सर्वदलीय) में शामिल हुए लेकिन आप चुनाव प्रचार के लिए बिहार गए। क्या यही आपकी देशभक्ति है? उन्हें आज सदन में होना चाहिए था और हमारी बात सुननी चाहिए थी। अगर आपमें सुनने की क्षमता नहीं है, तो आप उस पद पर रहने के लायक नहीं हैं। खरगे ने पीएम मोदी को लेकर आपत्तिजनक शब्द का भी इस्तेमाल किया। जिसका बीजेपी के सदस्यों ने जमकर विरोध किया।

जेपी नड्डा ने खरगे को दिया ये जवाब

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे बहुत वरिष्ठ नेता हैं लेकिन जिस तरह से उन्होंने प्रधानमंत्री पर टिप्पणी की मैं उनकी तकलीफ समझ सकता हूं। वह (प्रधानमंत्री मोदी) 11 साल से वहां हैं। वह दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। नड्डा ने कहा कि खरगे अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। इस बयान के बाद कांग्रेस के सदस्यों ने जमकर हंगामा किया।

'निसार मिशन से दुनिया के सामने दिखेगी भारत की अंतरिक्ष तकनीक की ताकत'

श्रीहरिकोटा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। निसार मिशन भारतीय अंतरिक्ष तकनीक की ताकत को पूरी दुनिया के सामने दिखाएगा। यह इसरो और नासा का एक संयुक्त प्रयास है। यह बात मंगलवार को निसार के पूर्व परियोजना प्रबंधन राधाकृष्ण कवलुरु ने कही।

कवलुरु ने बताया कि नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (निसार) एक वैश्विक मिशन है। इसका डाटा पूरी दुनिया के लिए डाउनलोड के लिए उपलब्ध रहेगा। इसरो इसे 30 जुलाई को शाम 5:40 बजे श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एमके II रॉकेट के जरिए लॉन्च करेगा। यह जीएसएलवी-एफ16 की 18वीं उड़ान और स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन के साथ 9वीं ऑपरेशनल उड़ान होगी।

विधानसभा से पास बिल को राष्ट्रपति-राज्यपाल की मंजूरी कब तक

19 अगस्त से सुनवाई

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राष्ट्रपति के उस रेफरेंस पर सुनवाई की तारीखें तय कर दी, जिसमें पूछा गया है कि क्या राज्य विधानसभाओं से पारित विधेयकों पर राष्ट्रपति या राज्यपाल की सहमति के लिए कोई समयसीमा तय की जा सकती है। इस संवैधानिक मुद्दे पर 19 अगस्त से सुनवाई शुरू होगी। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अगुवाई वाली पांच जजों की बेंच ने केंद्र और सभी राज्यों को 12 अगस्त तक लिखित पक्ष जमा करने को कहा है।

बेंच में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल हैं। बेंच ने कहा कि 19 अगस्त को केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों की प्रारंभिक आपत्तियों पर एक घंटे की सुनवाई होगी, जिन्होंने इस राष्ट्रपति के रेफरेंस की वैधता पर सवाल उठाया है। कोर्ट ने कहा, 19, 20, 21 और 26 अगस्त को केंद्र और रेफरेंस का समर्थन करने वाले राज्यों की दलीलें सुनी जाएंगी। वहीं, 28 अगस्त और 2, 3 और 9 सितंबर को विरोध करने वाले राज्यों की सुनवाई होगी। जवाबी दलीलें 10 सितंबर को सुनी जाएंगी।

मंडी में फिर फटा बादल

देर रात भारी बारिश ने मचाई तबाही

मंडी, 29 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल के मंडी जिले में एक बार फिर बादल फटने का मामला सामने आया है। यहां बादल फटने के बाद से नदी-नाले उफान पर है। वहीं पानी के सैलाब से हर ओर तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है। भारी बारिश के चलते मंडी में 3 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 2 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। लापता लोगों की तलाश की जा रही है। जानकारी के मुताबिक सुबह 4 बजे भारी बारिश के बाद सैलाब आ गया। भारी बारिश की वजह से नाले में आए ऊफान से कई गाड़ियां बह गईं।

वहीं सैलाब की चपेट में आने से कई घर भी टूट गए। दरअसल, देर रात मंडी में बादल फटने से कई इलाकों में मलबा आ गया। पूरे इलाके में बाढ़ जैसे हालात बन गए। वहीं इसमें 3 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पानी का बहाव इतना तेज था कि कई गाड़ियां इसकी चपेट में आ गईं। सड़कों पर मलबा भर गया है, जिससे शहर के रास्ते बंद हो गए हैं। घरों से लेकर दुकानों तक में मलबा घुस गया है। इस सैलाब में दो लोग लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

कमरे में सो रही महिला पर गुलदार ने किया हमला

रुद्रप्रयाग, 29 जुलाई (एजेंसियां)। रुद्रप्रयाग जिले के अगस्त्यमुनि क्षेत्र में गुलदार का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बीती रात एक गुलदार ने कमरे में सो रही महिला पर हमला कर दरवाजा तोड़कर उसे बाहर खींच लिया। घायल महिला को गंभीर अवस्था में अगस्त्यमुनि अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अगस्त्यमुनि ब्लाक के धान्यों गांव में सोमवार देर रात्रि करीब 3।30 बजे कुशला देवी अपने घर में सोई थीं। इसी दौरान गुलदार ने दरवाजा तोड़कर महिला पर झपटा मारा और खिंचने का प्रयास किया। महिला के पति ने गुलदार पर लाठी से वार कर भगाया। महिला के नाक और माथे पर गुलदार ने नाखून से हमला किया है। घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पिछले एक सप्ताह में यह दूसरी घटना है, इससे पहले एक महिला को गुलदार ने गौशाला में घायल किया था। ग्रामीणों ने वन विभाग से त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने 2 मोबाइल स्नैचर्स को पकड़ा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने उत्तर दिल्ली में मोबाइल छीनने की वारदातों को अंजाम देने वाले 2 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ के दौरान एक चौंकाने वाली बात ये पता चली कि मोबाइल स्नैचिंग की इन घटनाओं को किराए की मोटरसाइकिल के जरिए अंजाम दिया जाता था। पुलिस के मुताबिक, ये बदमाश हर रात 5000 रुपये में मोटरसाइकिल किराए पर लेकर वारदात किया करते थे। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों के नाम जफर और अफजल हैं, और दोनों दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके के रहने वाले हैं।

ट्री हाउस में संगठन चलाने वाले सौरभ के खातों में मिला लाखों का लेनदेन

इंदौर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। देवास जिले के शुक्रवासा ग्रामीण क्षेत्र में ट्री हाउस में हाउल क्लब चलाने वाला सौरभ बैनर्जी फिलहाल पुलिस गिरफ्त में है। देवास पुलिस ने उससे पूछताछ की और उनकी जन्मकुंडली खंगाली। उसके बैंक खातों की भी जांच की जा रही है। पुलिस को पता चला है कि सौरभ खुद को बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का रिश्तेदार बताता है और ग्रामीणों और आदिवासियों पर प्रभाव जमाता है। सौरभ के चार बैंकों में अकाउंट की जानकारी मिली है। पंजाब नेशनल बैंक के खाते में जून 2024 से जुलाई 2025 तक प्रतिमाह एक से डेढ़ लाख रुपये आने की जानकारी भी मिली है। आदिवासी दिवस के पूर्व 8 अगस्त लगभग ढाई लाख रुपये इसके अकाउंट में क्रेडिट हुए है। सौरभ, इंदौर में दो मकानों का किराया भी देता है। उसकी पत्नी इंदौर में रहती है और दो बच्चे भी है। दूसरे मकान में मां अलग रहती है। सौरभ उनसे अलग रहता है। सौरभ के संगठन में शामिल एक युवती के परिजनों ने आरोप लगया कि वह ट्री हाउस में एक अन्य युवती के साथ लिव इन में रहता है।

तमिलनाडु में पुलिस ने किशोर को गोली मारी

चेन्नई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दरअसल यहां पुलिसकर्मियों ने एक 17 साल के किशोर को गोली मार दी। किशोर पर एक पुलिस अधिकारी पर जानलेवा हमले का आरोप है। गोली लगने से किशोर घायल हुआ है और पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। घटना की जांच की जा रही है। फिलहाल घायल पुलिस अधिकारी और आरोपी किशोर, दोनों अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस ने बताया कि तिरुनेलवेली जिले के पाप्पाकुडी में 28 जुलाई की रात 17 साल के किशोर ने पुलिस सब इंस्पेक्टर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। झगड़े की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची थी। इसी दौरान किशोर ने पुलिस अधिकारी पर हमला कर दिया।

दिल्ली में सुबह की बारिश से बिगड़ा ट्रैफिक सिस्टम

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में आज सुबह से तेज बारिश का सिलसिला जारी है। सड़कों पर जल जमाव है जिसने राजधानी की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। आईटीओ, धौला कुआं, पटेल नगर और रोहिणी जैसे कई हिस्सों में जलभराव से यातायात बाधित है। सुबह के व्यस्त समय में यह बारिश लोगों के लिए मुसीबत बन गई। उधर, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर अक्षरधाम सेतु के पास भीषण जाम लग गया है। जाम लगने से वाहन रेंगते हुए आगे बढ़ रहे हैं। बीते दिन भी भारी बारिश के कारण दिल्ली की सड़कों पर जगह-जगह पानी भर गया, जिससे ऑफिस और स्कूल जाने वालों को खासा दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश के बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन्हीं में से एक वीडियो को दिल्ली की पूर्व सीएम और आप नेता आतिशी ने भी एक्स पर शेयर किया। वीडियो में कमला नगर मार्केट की सड़कों पर भरा पानी साफ नजर आ रहा है। इस पर टिप्पणी करते हुए आतिशी ने लिखा, 10 मिनट की बरसात के बाद कमला नगर का ये हाल! ये है 4 इंजन की सरकार का कमाल! उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पीडब्ल्यूडी मंत्री परवेश वर्मा को टैग करते हुए सवाल उठाया- कहां हैं मुख्यमंत्री जी, कहां है पीडब्ल्यूडी मंत्री जी?

लोकायुक्त ने पांच सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर की छापेमारी

बंगलूरू, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक लोकायुक्त की टीम ने मंगलवार को पांच सरकारी अधिकारियों के खिलाफ संपत्ति जांच के लिए कई जगह छापेमारी की। इन अधिकारियों पर अपनी कमाई से बहुत ज्यादा और गैरकानूनी तरीके से संपत्ति जमा करने का आरोप है। टीम ने छापे हासन, चिक्काबल्लापुर, चित्रदुर्ग और बंगलूरू के अलग-अलग इलाकों में मारे। अब बात अगर लोकायुक्त की छापेमारी की सूची में सामिल अधिकारियों की करें तो।

इसमें हासन में एनएचएआई विभाग में कार्यकारी अभियंता जयन्ना आर, चिक्काबल्लापुर के ग्रामीण पेयजल और स्वच्छता विभाग में जूनियर इंजीनियर अंजनैया मूर्ति एम, चित्रदुर्ग के हिरियूर तालुका के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ। वेंकटेश, बंगलूरू के बीबीएमपी दशरहली उप-प्रभाग के राजस्व अधिकारी एन वेंकटेश और बंगलूरू के बीडीए मुख्यालय के वरिष्ठ सहायक बागवानी निदेशक के ओम प्रकाश का नाम शामिल है।

जानकारी के अनुसार लोकायुक्त की टीम ने बंगलूरू में बीबीएमपी के राजस्व अधिकारी वेंकटेश के एक बड़े और आलीशान बंगले की भी जांच की। अधिकारियों का मानना है कि इन अधिकारियों की संपत्ति उनकी आधिकारिक आय से कहीं ज्यादा है, इसलिए उनकी कमाई और खर्चों की जांच जरूरी है। गौरतलब है कि लोकायुक्त की तरफ से की गई कार्रवाई का मकसद भ्रष्टाचार को रोकना और सरकारी अधिकारियों को जवाबदेह बनाना बताया गया है। जांच अभी जारी है और आगे और जानकारी मिलने पर प्रशासन कदम उठाएगा।

ईडी की महाराष्ट्र के 12 लोकेशन पर छापेमारी

म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन कमिश्नर भी रडार पर

मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महाराष्ट्र के अलग-अलग हिस्सों में मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने वसई, नासिक और पुणे में कुल 12 ठिकानों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई वसई इलाके में हुए कथित अवैध निर्माण से जुड़े मामले में की जा रही है। वसई विरार नगर निगम (वीवीएमसी) के कमिश्नर भी ईडी की जांच के दायरे में हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह छापेमारी अवैध निर्माण से जुड़े मामलों के चलते की गई है। वसई-विरार नगर आयुक्त का कार्यभार मनोज कुमार सूर्यवंशी को सौंपा गया था, और कुछ ही घंटों बाद यह कार्रवाई सामने आई।

प्रवर्तन निदेशालय ने आज सुबह वसई-विरार नगर निगम के पूर्व आयुक्त अनिल कुमार पवार के आवास और आधिकारिक परिसरों की तलाशी ली। यह कर्रवाई सीवेज ट्रीटमेंट और डंपिंग ग्राउंड के लिए आरक्षित 60 एकड़ भूमि पर 41 इमारतों के अनधिकृत निर्माण से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के संबंध में की गई। कल ही वसई विरार के म्यूनिसिपल कमिश्नर अनिल पवार का फेयरवेल हुआ था। उन्होंने वसई-विरार शहर नगर निगम के आयुक्त का कार्यभार मनोज कुमार सूर्यवंशी को सौंप दिया था, और आज ईडी ने वसई विरार मेंअवैध कंस्ट्रक्शन मामले में उनकी संपत्ती पर छापे मारे। प्रवर्तन निदेशालय को संदेह है कि वसई-विरार क्षेत्र में अवैध निर्माणों को लेकर बड़े पैमाने पर घोटाला हुआ है। इससे पहले इसी मामले को लेकर ईडी ने 13 ठिकानों पर छापे मारे थे, और करीब 9 करोड़ रुपये की संपत्ति को जब्त किया था। इस मामले में पहले ईडी ने वसई-विरार क्षेत्र के एक बिल्डर, आर्किटेक्ट और नगर निगम के अधिकारी वाई।एस। रेड्डी के ठिकानों पर भी छापा मारा था।

अभी ईडी की टीम अनिल कुमार पवार के निवास स्थान पर दस्तावेजों की जांच कर रही है। ईडी की यह कार्रवाई भ्रष्टाचार और अवैध निर्माण के खिलाफ केंद्र सरकार की सख्ती का हिस्सा मानी जा रही है।

पाक के अटैक में मारे गए लोगों के 22 बच्चों की जिम्मेदारी उठाएंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इस हमले के बाद भारतीय सेना ने बदला लेने के लिए ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की थी। भारत ने पाकिस्तान में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। इसके बाद लगभग 4 दिनों तक दोनों देशों के बीच संघर्ष देखने को मिला था। इस संघर्ष के दौरान कई लोगों की मौत हुई थी। 22 ऐसे बच्चे थे जिन्होंने या तो अपने परिजनों को खोया या फिर परिवार के एकमात्र सदस्य को खो दिया। अब इन बच्चों को राहुल गांधी ने गोद लेने का फैसला किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर कांग्रेस अध्यक्ष तारिक हमीद करा ने बताया कि राहुल गांधी इन 22 बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का पूरा खर्च उठाएंगे। ये ऐसे बच्चे हैं जिनके परिवार में अब कोई कमाने वाला नहीं बचा है। बच्चों को बुधवार को राहुल गांधी की तरफ से पहली किस्त दी जाएगी। कांग्रेस नेता की मानें तो ये हेल्फ तक तक जारी रहेगी जब तक कि बच्चे ग्रेजुएशन पूरा नहीं कर लेते हैं। ऑपरेशन सिंदूर और भारत पाकिस्तान संघर्ष के बाद राहुल गांधी पुंछ दौरे पर गए थे। यहां उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ मुलाकात की थी। पार्टी नेताओं ने बताया कि सर्वे और सरकारी रिकॉर्ड की जांच के बाद बच्चों के नाम तय किए गए हैं।

राहुल गांधी ने मई में क्राइस्ट पब्लिक स्कूल का भी दौरा किया था, जहां 12 साल के जुड़वां बच्चे उरबा फातिमा और जैन अली भी हताहत हुए थे। राहुल ने बच्चों से कहा, "मुझे तुम पर बहुत गर्व है। तुम्हें अपने नन्हे दोस्तों की याद आती है। मुझे इस बात का बहुत दुख है। अब, तुम्हें थोड़ा खतरा महसूस हो रहा है, थोड़ा डर लग रहा है, लेकिन चिंता मत करो, सब कुछ सामान्य हो जाएगा। इसका जवाब देने का तुम्हारा तरीका यह होना चाहिए कि तुम खूब पढ़ाई करो, खूब खेलो और स्कूल में ढेर सारे दोस्त बनाओ।" भारत-पाकिस्तान संघर्ष का असर सबसे ज्यादा पुंछ जिले पर ही देखने को मिला था। यहां कई जगहों पर अटैक किए गए थे। इसके साथ ही कई लोगों की मौत भी हुई थी। भारत की तरफ से 7 मई की तड़के सुबह शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के बीच संघर्ष शुरू हुआ था। इस संघर्ष में पाकिस्तान की तरफ से मिसाइल के साथ-साथ ड्रोन अटैक किए गए थे। पुंछ सीमा के पास होने के कारण सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ था। 4 दिनों तक चले संघर्ष के बाद 10 मई को सीजफायर का ऐलान किया गया था।

एमपी हाईकोर्ट में जल्द 11 जजों की होगी नियुक्ति

केंद्रीय कानून मंत्री ने दी जानकारी

जबलपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट को 11 नए न्यायाधीश मिले हैं। राष्ट्रपति द्वारा इनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी गई है, जिसकी जानकारी केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर साझा की। जल्द ही नवनियुक्त जजों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। इन नियुक्तियों के बाद हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 45 हो गई है, जबकि स्वीकृत पदों की कुल संख्या 53 है। फिलहाल कोर्ट में 34 जज कार्यरत हैं। नई नियुक्तियों से लंबित मामलों के तेजी से निपटारे में मदद मिलने की उम्मीद है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पिछले महीने न्यायिक सेवा अधिकारियों को पदोन्नत करने और वरिष्ठ अधिवक्ताओं को न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की थी। राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद केंद्रीय कानून मंत्रालय ने नियुक्ति से संबंधित अधिसूचना जारी कर दी। हालांकि इन नियुक्तियों के बाद भी मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में नौ न्यायाधीशों के पद खाली रहेंगे।

मां की किडनी से बेटे को मिला नया जीवनः डिस्चार्ज पर आंखें हुईं नम

इंदौर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। देवास के 25 वर्षीय सिविल इंजीनियर सचिन वैष्णव को तीन साल से किडनी की गंभीर बीमारी थी। देवास, इंदौर, अहमदाबाद, दिल्ली के कई प्राइवेट अस्पतालों के इलाज और 10 लाख रुपए से ज्यादा खर्च के बावजूद हालात बिगड़ते गए। बीते दो साल से डायलिसिस पर निर्भर सचिन को आखिरकार इंदौर के सरकारी सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल में जिंदगी की नई उम्मीद मिली। यहां उसकी मां ललिता वैष्णव ने एक किडनी दान की और अस्पताल में हुआ सफल ट्रांसप्लांट सचिन के लिए संजीवनी साबित हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर पर बीजेपी की तारीफ तो लाडली बहना योजना पर दिखाए तेवर

24 घंटे में सुप्रिया सुले के दिखे दो रूप

मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा हुई। इस दौरान पक्ष और विपक्ष की ओर से कई सांसदों ने हिस्सा लिया। कई सांसदों ने ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार की तारीफ भी की। इसमें शशि थरूर से लेकर सुप्रिया सुले जैसी नेता भी शामिल रहीं। वही सुप्रिया ने आज बीजेपी की अगुवाई वाली महाराष्ट्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना में करोड़ों रुपये का घोटाला हुआ है। सुप्रिया ने कहा कि लाडली बहना योजना में 4800 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। इस योजना के सॉफ्टवेयर बनाने में भी घोटाला हुआ है। उन्होंने कहा कि घोटाले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया जाना चाहिए। एनसीपी सांसद ने कहा कि महिलाओं का पैसा पुरुषों के खाते में कैसे गया? इस घोटाले में सिर्फ अदिति तटकरे ही नहीं पूरा मंत्रिमंडल भी जवाबदेह है। अगर राज्य सरकार ने इस मुद्दे पर कोई कदम नहीं उठाया तो मैं इस मुद्दे को संसद में उठाऊंगी। पुरुषों के फॉर्म क्यों नहीं रिजेक्ट किए गए। उन्होंने कहा कि लाडली बहना योजना का यह घोटाला पहले चरण का है।

एनसीपी एसपी की सांसद सुप्रिया सुले ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि पीएम मोदी ने विदेश जाने वाले प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने के लिए विपक्षी नेताओं पर भी विश्वास दिखाया जोकि उनके बड़प्पन को दिखाता है। सुप्रिया ने कहा कि जब देश की बात आती है तो पहले देश आता है, फिर राज्य और उसके बाद पार्टी फिर परिवार। जब हमें किरेन रिजिजू का फोन आया तो उन्होंने कहा कि सुप्रिया आपको देश के लिए 10 दिन देने होंगे। यह पीएम की महानता थी कि उन्होंने प्रतिनिधिमंडलों के लिए विपक्षी नेताओं को विदेश भेजा। वहीं आज उन्होंने महाराष्ट्र की एनडीए सरकार पर जमकर निशाना साधा है।

अजित पवार ने अपने इस मंत्री को लगाई फटकार

क्या लेंगे इस्तीफा?

मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजित पवार से मुलाकात के लिए मंत्रालय स्थित उनके अंटी-चेंबर में पहुंचे। कोकाटे के अजित पवार के कक्ष में दाखिल होने के बाद दोनों के बीच लगभग 15 मिनट से ज्यादा समय तक चर्चा चली। इस दौरान अजित पवार ने माणिकराव कोकाटे पर नाराजगी जताते हुए कहा कि बोलते वक्त संयम रखना चाहिए और उन्होंने कोकाटे की कड़ी फटकार लगाई।

दरअसल, हाल ही में विधानसभा सत्र के दौरान कोकाटे का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वे सदन के भीतर मोबाइल पर रम्मी गेम खेलते नजर आए थे। इसके अलावा, उन्होंने सरकार को लेकर "सरकार भिखारी है" ऐसा विवादित बयान भी दिया था। इन्हीं घटनाओं के चलते माणिकराव कोकाटे विवादों के घेरे में आ गए हैं और विपक्ष की ओर से उनके इस्तीफे की मांग लगातार की जा रही है। इससे सरकार की स्थिति भी असहज होती दिखाई दे रही है। हालांकि इन सब के बीच सूत्रों ने बताया कि कोकाटे ने अजित पवार से मुलाकात की और अजित पवार ने उन्हें स्पष्ट शब्दों में समझाया और फटकार लगाई।

इस मुलाकात के बाद कोकाटे के इस्तीफे की चर्चाएं फिर से तेज हो गई हैं। कोकाटे ने अजित पवार को आश्वस्त किया कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं दोबारा नहीं होंगी। उन्होंने खेद व्यक्त किया। माणिकराव कोकाटे के संबंध में अंतिम निर्णय अजित पवार स्वयं सार्वजनिक रूप से घोषित करेंगे।

' तो हम देख लेंगे', बिहार एसआईआर मामले में सुनवाई के दौरान बोला एससी

याचिकाओं पर 8 अगस्त तक मांगा जवाब

पटना, 29 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बिहार में चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विचार करने के लिए समय सीमा तय की। कोर्ट ने कहा कि इस मुद्दे पर 12 और 13 अगस्त को सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं से 8 अगस्त तक अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने को कहा। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने एक बार फिर आरोप लगाया कि 1 अगस्त को चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित की जाने वाली मसौदा सूची से लोगों को बाहर रखा जा रहा है और वे अपना महत्वपूर्ण मतदान का अधिकार खो देंगे। पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसे कानून का पालन करना होता है और अगर कोई अनियमितता है, तो याचिकाकर्ता इसे अदालत के संज्ञान में ला सकते हैं।

पीठ ने सिब्बल और भूषण से कहा, आप ऐसे 15 लोगों को सामने लाएं जिनके बारे में उनका दावा है कि वे मृत हैं, लेकिन वे जीवित हैं, हम इस पर विचार करेंगे। पीठ ने याचिकाकर्ता पक्ष और चुनाव आयोग पक्ष की ओर से लिखित प्रस्तुतियां/संकलन दाखिल करने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए। आधार और मतदाता पहचान पत्रों की वास्तविकता की धारणा पर जोर देते हुए, सोमवार को शीर्ष अदालत ने चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के मसौदे के प्रकाशन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया और कहा कि वह चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं पर एक बार और हमेशा के लिए फैसला सुनाएगी। उसने चुनाव आयोग से अपने आदेश के अनुपालन में बिहार में एसआईआर प्रक्रिया के लिए आधार और मतदाता पहचान पत्र स्वीकार करना जारी रखने को कहा और कहा कि दोनों दस्तावेजों की वास्तविकता की धारणा है। पीठ ने कहा, जहां तक राशन कार्डों का सवाल है, हम कह सकते हैं कि उन्हें आसानी से जाली बनाया जा सकता है, लेकिन आधार और मतदाता पहचान पत्र की कुछ पवित्रता है और उनके असली होने की एक धारणा है। आप इन दस्तावेजों को स्वीकार करना जारी रखें।

नर्सिंग ऑफिसर पर यौन उत्पीड़न का आरोप

पीड़िता बोली- आरोपी को सजा मिलनी चाहिए

भुवनेश्वर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। एम्स भुवनेश्वर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां एक महिला अटेंडेंट ने नर्सिंग ऑफिसर पर यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार आरोपी नर्सिंग ऑफिसर नानू राम चौधरी को शिकायत के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि रविवार देर रात करीब एक बजे आरोपी ने उसे एक डॉक्टर के कमरे में बुलाया। वहां उसके साथ अभद्रता की। इसके बाद किसी तरह वह वहां से भागकर अस्पताल के कंट्रोल रूम पहुंची और घटना की जानकारी दी।

वहीं पीड़िता ने मीडिया से कहा कि हमें अस्पताल में सुरक्षा चाहिए, आरोपी को सजा मिलनी चाहिए। मामले में एफआईआर दर्ज होते ही अस्पताल में काम कर रहे महिला अटेंडेंट के साथ आउटसोर्सिंग एजेंसियों के सभी कर्मचारी अस्पताल के मुख्य गेट के बाहर प्रदर्शन पर बैठ गए। साथ ही आरोपी नर्सिंग ऑफिसर नानू राम चौधरी की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। हालांकि मामले में पुलिस की तरफ से गिरफ्तारी के बाद उन्होंने अपना विरोध प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

3,600 एकड़ जंगल की जमीन से हटाया जा रहा अवैध कब्जा

गोलाघाट, 29 जुलाई (एजेंसियां)। असम सरकार ने गोलाघाट जिले में एक जंगल की सैकड़ों एकड़ जमीन से अवैध कब्जा हटाने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया है। ये अभियान गोलाघाट जिले में रेंगमा रिजर्व फॉरेस्ट की लगभग 3,600 एकड़ जमीन से कथित अवैध कब्जा हटाने के लिए शुरू किया गया है। यह जमीन उरियमघाट क्षेत्र में असम-नागालैंड सीमा पर स्थित है। मामले में जिला प्रशासन और वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस इलाके में करीब 11,000 बीघा जमीन पर अवैध रूप से लगभग 2,000 परिवारों ने कब्जा कर रखा था।

इनमें से लगभग 1,500 परिवारों को नोटिस दिया गया था। बाकी के परिवारों के पास फॉरेस्ट राइट्स कमेटी (एफआरसी) से प्रमाणपत्र हैं और वे कानूनी रूप से जंगल क्षेत्र में रह रहे हैं। दूसरी ओर मामले में स्थानीय लोगों के अनुसार, जिन परिवारों के घर तोड़े जा रहे हैं वे मुस्लिम समुदाय से हैं, जबकि जिनके पास वैध प्रमाणपत्र हैं, वे बोडो, नेपाली और अन्य समुदायों से आते हैं।

गुरुग्राम में लोहे के पाइप पर उल्टा लटकाकर पीटा

गुरुग्राम, 29 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम में एक बिल्डिंग कॉन्ट्रेक्टर की दबंगई सामने आई है। उसने एक मजदूर को बिल्डिंग के बेसमेंट में ही पैरों में रस्सी बांधकर लोहे के पाइप पर उल्टा लटका दिया। इसके बाद उसे डंडों से पीटा गया। इस दौरान मजदूर हाथ जोड़कर रहम की भीख मांगता रहा, लेकिन उन्हें तरस नहीं आया। इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ, जब किसी ने इसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। इसमें दावा किया जा रहा है कि जिस कॉन्ट्रेक्टर पर आरोप लग रहे हैं, वह एक मंत्री का करीबी है।

इस वजह से पहले जब मजदूर ने पुलिस को शिकायत दी तो उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। हालांकि, वीडियो वायरल होने के बाद गुरुग्राम पुलिस ने इसका संज्ञान लेते हुए सेक्टर-10 थाने में केस दर्ज कर लिया। इसके बाद वीडियो में दिख रहे 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें एक मध्य प्रदेश, एक पंजाब और दो हरियाणा के रहने वाले है पुलिस के मुताबिक, पीड़ित व्यक्ति राजस्थान का निवासी है, जो एक निर्माणाधीन साइट पर जेसीबी ड्राइवर था। बिजली के तार चोरी करने का उस पर आरोप लगा था, जिसकी वजह से उसका टॉर्चर किया गया।

नगर निगम ने तोड़े दो जर्जर मकान

इंदौर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। नगर निगम की टीम ने मंगलवार को दो अलग-अलग जगह रिमूवल की कार्रवाई की। टीम ने दो जर्जर मकानों को जमींदोज किया। बता दें कि नगर निगम द्वारा बारिश को देखते हुए जर्जर मकानों को तोड़ने की कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आज जेल रोड इलाके और सदर बाजार में ये कार्रवाई की गई। नगर निगम रिमूवल टीम जेल रोड क्षेत्र में पहुंची। यहां हेमंत चिंतामण पाठक के जर्जर मकान को तोड़ा गया। अमले ने मकान तोड़ने से पहले क्षेत्र में आवाजाही पूरी तरह बंद करा दी। इसके बाद पोकलेन मशीन से जर्जर मकान को ढहाया गया। इस कार्रवाई के दौरान भवन अधिकारी अश्विनी जनवदे, सहायक रिमूवल अधिकारी बबलू कल्याणे सहित नगर निगम की टीम व पुलिस का अमला मौजूद रहा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 30 जुलाई, 2025 3

सुविचार

आप कितने भी बड़े बन जाएं अगर आपके अंदर इंसानियत नहीं है तो सब बेकार है।

उपमुख्यमंत्री ने बचपन के दोस्त के घर पहुंचकर सबको चौंकाया

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह दोस्ती को सबसे ज़्यादा महत्व देते हैं। विकाराबाद ज़िले के तांडूर विधानसभा क्षेत्र के अपने दौरे के दौरान, मंगलवार को उपमुख्यमंत्री यलाल मंडल के जुंटुपल्ली गाँव में अपने बचपन के दोस्त डॉ. रविंदर रेड्डी के घर पर विशेष रूप से रुके।

अपने साथ आए विधायकों और विधान पार्षदों को दरकिनार करते हुए, भट्टी विक्रमार्क ने अपने पुराने दोस्त के परिवार के सदस्यों के साथ कुछ सुकून भरे पल बिताए।

उन्होंने परिवार के प्रत्येक सदस्य का हालचाल पूछा और बचपन की मीठी यादें ताज़ा कीं। उपमुख्यमंत्री के पद तक पहुँचने के बावजूद, उन्होंने न केवल अपने बचपन के बंधन को याद किया, बल्कि अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर परिवार का हालचाल जानने के लिए उनके घर भी गए। इस भावुक क्षण ने डॉ. रविंदर रेड्डी के परिवार के सदस्यों की आँखों में खुशी के आँसू ला दिए। इस दौरान, भट्टी विक्रमार्क ने घर के हर कमरे का जायज़ा लिया और वहाँ पढ़ाई के दिनों की यादें ताज़ा कीं।

जब परिवार ने स्थानीय सीताराम चंद्र स्वामी मंदिर, जिसका रखरखाव वे कर रहे हैं, के लिए ज़रूरी विकास कार्यों के बारे में बताया, तो भट्टी विक्रमार्क ने तुरंत संबंधित अधिकारियों को काम शुरू करने के निर्देश दिए।

नामपल्ली में 2 अगस्त को मेगा जॉब मेला

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार, 2 अगस्त को सुबह 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक रेड रोज पैलेस फंक्शन हॉल, नामपल्ली, पब्लिक गार्डन के सामने एक मेगा जॉब मेला आयोजित किया जा रहा है। एक प्रेस विज्ञप्ति में, आयोजक मन्नान खान इंजीनियर ने बताया कि इस रोज़गार मेले में कई कंपनियाँ भाग लेंगी और फार्मा, स्वास्थ्य, आईटी और आईटीईएस फर्मों, शिक्षा, बैंकों आदि क्षेत्रों में विभिन्न पदों पर नौकरियों की पेशकश करेंगी। कुछ कंपनियाँ घर से काम करने की सुविधा भी प्रदान करेंगी। अभ्यर्थियों की योग्यता एसएससी से ऊपर होनी चाहिए तथा प्रारंभिक साक्षात्कार स्थल पर ही आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क है। इच्छुक नौकरी चाहने वाले अधिक जानकारी के लिए 8374315052 पर संपर्क कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने हैदराबाद में प्रदूषण की समीक्षा की

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आज शहर के कमांड कंट्रोल सेंटर में एमएयूडी विभाग के अधिकारियों के साथ राज्य की राजधानी में प्रदूषण की समीक्षा की।

बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, राज्य सरकार के प्रधान सचिव जयेश रंजन, सचिव माणिक राज, एमए एंड यूडी (एचएमडीए क्षेत्र) सचिव इलमबर्थी, एचएमडीए आयुक्त सरफराज अहमद, जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन, हाइड्रा आयुक्त रंगनाथ, एफसीडीए आयुक्त के. शशांक, एचएमडब्ल्यूएसएसबी के एमडी अशोक रेड्डी, कार्यकारी निदेशक मयंक मित्तल, एमआरडीसीएल के एमडी ईवी नरसिम्हा रेड्डी, जेएमडी गौतमी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद शहर को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए आवश्यक सुधार लाए जाने चाहिए और कहा कि अगले 25 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं तैयार की जानी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि शहर में भूमिगत जल निकासी और भूमिगत विद्युत केबलिंग प्रणाली प्रदान करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए और कहा कि मुख्य शहरी क्षेत्र में प्रदूषण नियंत्रण के लिए एक स्थायी समाधान दिखाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली, बैंगलोर और चेन्नई जैसे शहरों में समस्याओं का अध्ययन करके समाधान खोजा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, "हैदराबाद को प्रदूषण की समस्या से बचाने के लिए समाधान तैयार किए जाने चाहिए। बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।"

पानी की बाल्टी में गिरने से बच्चे की मौत

पेद्दापल्ली, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जुलापल्ली मंडल के पेड्डापुर गांव में 19 महीने की बच्ची सान्वी की अपने घर में पानी की बाल्टी में दुर्घटनावश गिरने से दुखद मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, बच्ची बाल्टी के पास खेल रही थी, तभी वह गलती से उसमें गिर गई। उसकी आवाज सुनकर, उसके पिता के बड़े भाई नरेश मौके पर पहुंचे और उसे तुरंत प्रथिमा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, करीमनगर ले गए। तमाम कोशिशों के बावजूद, डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। इस अचानक हुए नुकसान से उसके माता-पिता, सतीश और रावली, गमगीन हो गए।

एनएचआरसी ने डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में अपने दो दिवसीय शिविर के अंतर्गत, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने आज हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में तेलंगाना सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय आधिकारिक बैठक आयोजित की। इसका उद्देश्य प्रमुख मानवाधिकार मुद्दों की समीक्षा करना और संस्थागत तंत्रों एवं कल्याणकारी हस्तक्षेपों के माध्यम से प्रणालीगत चुनौतियों का समाधान करने में राज्य के प्रयासों का आकलन करना था। इस बैठक की अध्यक्षता एनएचआरसी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यम ने की और इसमें सदस्य न्यायमूर्ति विद्युत रंजन सारंगी और विजया भारती सयानी ने भाग लिया। तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति डॉ. शमीम अख्तर ने भी इसमें भाग लिया। एनएचआरसी के वरिष्ठ अधिकारियों में महासचिव भरत लाल, महानिदेशक (जांच) आर.पी. मीणा, उप रजिस्ट्रार (विधि) इंद्रजीत, डॉ. मुकेश और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (जांच) इलक्किया करुणागरन शामिल थे। मुख्य सचिव रामकृष्ण रावौ ने राज्य प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जिसमें गृह, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, वन, कृषि, वित्त, अनुसूचित जाति विकास और पुलिस सहित प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। विचार-विमर्श महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराध, कुपोषण, मानव-पशु संघर्ष, शिक्षा अंतराल, अनुसूचित जाति कल्याण, किसानों की समस्या और एलजीबीटीक्यूआई+ अधिकारों पर केंद्रित था।रवि गुप्ता, आईपीएस, विशेष मुख्य सचिव (गृह) ने अंतर्विभागीय सूचनाओं का समन्वय किया और कानून के शासन, संस्थागत पारदर्शिता और मानवाधिकार प्रवर्तन में निरंतर प्रशासनिक सुधार के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता दोहराई। चारु सिन्हा, आईपीएस, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (महिला सुरक्षा एवं सीआईडी) ने महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने और एलजीबीटीक्यूआई+ अधिकारों की रक्षा के लिए किए गए उपायों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने शी टीमों के विस्तार, भरोसा केंद्रों के संचालन और प्रत्येक जिले में प्रशिक्षित कर्मचारियों के साथ ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए समर्पित स्वास्थ्य सुविधाओं - मैत्री क्लीनिकों की स्थापना पर प्रकाश डाला। उन्होंने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को यातायात सहायकों के रूप में नियुक्त करने के प्रयासों और तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण क्लीनिकों के माध्यम से कानूनी सहायता प्रदान करने के बारे में भी जानकारी दी।

साइबर अपराध पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोप में तीन लोगों को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम टीम ने एक परिष्कृत निवेश घोटाले में शामिल तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने हैदराबाद निवासी से 44 लाख रुपये से अधिक की ठगी की। आरोपियों ने कथित तौर पर एक फर्जी फर्म के ट्रेडिंग सलाहकार के रूप में खुद को पेश किया और जाली डिजिटल दस्तावेजों के माध्यम से निवेश पर उच्च रिटर्न का वादा किया। गिरफ्तार संदिग्धों में मिलिंद मनोहर नारकर (34), एक निजी कर्मचारी, रानक जगदीश पटेल (31), एक व्यापारी और सालिक इम्तियाज अहमद सिद्दीकी (25), एक निजी कर्मचारी शामिल हैं, सभी महाराष्ट्र से हैं।

पुलिस के अनुसार, जून 2025 में शिकायतकर्ता जाल में फँस गया जब धोखेबाजों ने एक प्रतिष्ठित ट्रेडिंग कंपनी के प्रतिनिधि बनकर उससे संपर्क किया। उन्होंने उसे बड़े मुनाफे का वादा करके पैसा निवेश करने के लिए राजी किया। घोटाले के तहत पीड़ित को बताया गया कि उसे अपनी कमाई निकालने के लिए 20 प्रतिशत सेवा शुल्क का भुगतान करना होगा, जिससे उसे अंततः 44 लाख रुपये का नुकसान हुआ। जाँच में यह भी पता चला कि मिलिंद नारकर दुबई स्थित एक साइबर धोखेबाज़ के साथ मिलकर काम कर रहा था। एक साइबर अपराध अधिकारी ने बताया, 'उसने चुराए गए धन को क्रिप्टोकरेंसी में बदलने में मदद की, धोखाधड़ी वाले बैंक खातों तक पहुँच प्रदान की और मुंबई भर के होटलों में खाताधारकों के लिए ठहरने की व्यवस्था की। उसका कारोबार सात भारतीय राज्यों में फैला हुआ था।'

तीनों संदिग्ध कमीशन पर काम कर रहे थे और विभिन्न खातों के माध्यम से धन के प्रवाह को सक्षम करने में सहायक थे। पीड़िता की शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

कोत्तूर में फोन कॉल को लेकर हुए झगड़े के बाद भाई ने कर दी बहन की हत्या

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के कोत्तूर में सोमवार शाम एक युवती की उसके भाई ने कथित तौर पर झगड़े के बाद हत्या कर दी, जब वह अपने प्रेमी से फोन पर बात कर रही थी। पीड़िता, जिसकी पहचान डी रुचिता (21) के रूप में हुई है, अपनी डिग्री पूरी कर चुकी थी और एमबीए कोर्स में दाखिला लेने का इंतज़ार कर रही थी। वह कोत्तूर मंडल के पेंजरला गाँव में अपने माता-पिता राघवेंद्र, सुनीता और दो भाई-बहनों के साथ रह रही थी। पुलिस के मुताबिक, रुचिता उसी गांव के एक युवक से प्यार करती थी। हालाँकि, उसके माता-पिता उनके रिश्ते के खिलाफ थे, लेकिन दोनों प्रेमी-प्रेमिका फोन पर एक-दूसरे से बात करते रहे।

इससे पहले, दोनों पक्षों के परिवार के सदस्यों ने बुजुर्गों की मौजूदगी में समझौता कर लिया और युवाओं को एक-दूसरे से बात न करने की चेतावनी दी, जिस पर वे सहमत हो गए। हालाँकि, हाल ही में उनके बीच फिर से फोन पर बातचीत शुरू हो गई थी। रुचिता का छोटा भाई रोहित (20), जो इसके खिलाफ था, उसे डाँटता रहता था। सोमवार को जब उनके माता-पिता काम पर गए थे, तो घर पर सिर्फ़ रुचिता और रोहित ही थे। इसी दौरान रोहित ने कथित तौर पर रुचिता को अपने प्रेमी से फ़ोन पर बात करते हुए देख लिया और उससे झगड़ा शुरू कर दिया। गरमागरम बहस के बाद उसने गुस्से में तार से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। शाम को जब उनके माता-पिता लौटे, तो उसने बताया कि रुचिता बेहोश हो गई है। उन्होंने समझा कि उसकी हत्या कर दी गई है और पुलिस को सूचना दी। कोत्तूर पुलिस जांच कर रही है।

पोन्नम ने जुबली हिल्स का टिकट स्थानीय उम्मीदवार के लिए आरक्षित घोषित किया

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने घोषणा की है कि कांग्रेस पार्टी जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में आगामी उपचुनाव के लिए बाहरी उम्मीदवारों के बजाय विशेष रूप से स्थानीय उम्मीदवार को टिकट देगी।

मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, पोन्नम प्रभाकर, जो हैदराबाद के प्रभारी मंत्री भी हैं, ने बताया कि हालाँकि निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न संभागों से टिकट के दावेदार हैं, लेकिन पार्टी उपचुनाव के लिए विशेष रूप से कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के परिणामों के आधार पर टिकट आवंटित करेगी।

उन्होंने कहा, "उम्मीदवार चाहे कोई भी हों, सभी का सहयोग ज़रूरी है। टिकट का फ़ैसला पार्टी करेगी। एक सर्वेक्षण में उम्मीदवारों का मूल्यांकन किया जाएगा और बेहतर प्रदर्शन करने वालों को मौका मिलेगा। सर्वेक्षण के नतीजों के आधार पर टिकट दिया जाएगा।

मुझे पूरा विश्वास है कि जुबली हिल्स में कांग्रेस का परचम लहराएगा। मंत्री ने घोषणा की कि राज्य सरकार हैदराबाद पर विशेष ध्यान देते हुए कई फ़्लाईओवर, अंडरपास, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, पार्क और जल निकासी व्यवस्था का निर्माण कर रही है। "तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से, हैदराबाद को कोई अतिरिक्त पानी की आपूर्ति नहीं की गई है। कांग्रेस शासन के दौरान उपलब्ध कराए गए पानी के अलावा, पिछली बीआरएस सरकार ने शहर में पानी की कोई सुविधा नहीं दी। वर्तमान में, हम गोदावरी चरण 2 पहल के माध्यम से 15 टीएमसी पानी लाने की प्रक्रिया में हैं।," मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि हैदराबाद में तेज़ी से विकास हो रहा है, इसलिए राज्य सरकार भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वर्षा जल संचयन गड्ढों के निर्माण को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है और हैदराबाद को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए प्रयासरत है।

"हमने रिंग रोड पर केवल इलेक्ट्रिक वाहनों, सीएनजी और एलपीजी ऑटो को ही चलने की अनुमति दी है।

इसके अलावा, हम आरटीसी बसों को इलेक्ट्रिक मॉडल में बदलने की प्रक्रिया में हैं।" कांग्रेस नेता अज़हरुद्दीन और नवीन यादव भी मौजूद थे।

सरकारी भूमि के अवैध पंजीकरण के लिए गंगाधारा उप-रजिस्ट्रार को किया निलंबित

करीमनगर, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तापल्ली हवेली में अवैध रूप से सरकारी जमीन की रजिस्ट्री करने के आरोप में गंगाधारा मंडल के उप-रजिस्ट्रार नूर अफजल खान को निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, सर्वेक्षण संख्या 272/14 में 20 गुंटा सरकारी भूमि दिसंबर 2024 में गंगाधारा उप-पंजीयक कार्यालय में आठ व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत की गई थी। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, ज़िला अधिकारियों ने जांच की और अवैध पंजीकरण की पुष्टि की। स्टाम्प एवं पंजीकरण महानिरीक्षक रविंदर ने सोमवार को नूर अफ़ज़ल खान के ख़िलाफ़ निलंबन आदेश जारी किए। जिला उप-पंजीयक कार्यालय के वरिष्ठ सहायक सदाशिव रामकृष्ण को गंगाधार का नया उप-पंजीयक नियुक्त किया गया है। गौरतलब हो कि राजस्व संभागीय अधिकारी महेश्वर ने हाल ही में कोत्तापल्ली राजस्व सीमा के अंतर्गत सर्वेक्षण संख्या 175, 197 और 198 के तहत सीलिंग भूमि में अवैध रूप से पंजीकृत 476 भूखंडों को रद्द कर दिया था।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.CAT-PnU-00051

Seq.No.AA/1 : लॉट नं./वर्ग : PnU-WAT-VSKP-Toi-34-24-1 (पे एंड यूज टॉइलेट्स), विवरण : विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन स्थित प्लेटफॉर्म नं.1 में स्लीपर क्लास प्रतीक्षा हॉल।

Seq.No.AA/2 : लॉट नं./वर्ग : PnU-WAT-VSKP-Toi-4-25-1(पे एंड यूज टॉइलेट्स), विवरण : विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन स्थित प्लेटफॉर्म नं.8 में पे एंड यूज टॉइलेट्स।

दर यूनिट : वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क (दोनों Seq.No. के लिए), टिप/दिवस : 1096 (Seq.No.AA/1 के लिए) एवं 365 (Seq.No.AA/2 के लिए), लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय : दिनांक : 05.08.2025 को 1100 बजे (दोनों Seq. No. के लिए), लॉट समाप्ति की तिथि व समय : दिनांक : 05.08.2025 को 1130 बजे (Seq. No.AA/1 हेतु) एवं दिनांक : 05.08.2025 को 1140 बजे (Seq. No.AA/2 हेतु), न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2 (दोनों Seq. No के लिए), लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया (दोनों Seq. No के लिए)।

दृष्टव्य : संपूर्ण सूचनावली वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, वाल्टियर

PR-407/Q/25-26

एक और बाघ क्षेत्र की तलाश में

मंचेरियल, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के एक नर बाघ ने मंचेरियल के जंगलों को अपना नया घर बना लिया है, जिससे वन अधिकारियों और वन्यजीव प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। वन अधिकारियों के अनुसार, यह वयस्क बाघ महाराष्ट्र के ताडोबा अंधारी टाइगर रिज़र्व से अपने क्षेत्र की तलाश में पलायन कर गया था और अब सात महीने से ज़्यादा समय से मंचेरियल के जंगलों में रह रहा है। एक अधिकारी ने बताया, 'यह लक्सेटीपेट रेंज में प्रवेश करने से पहले, कवाल टाइगर रिज़र्व (केटीआर) के मध्य में स्थित जन्नारम वन क्षेत्र में कुछ समय तक रहा। यह वर्तमान में लक्सेटीपेट रेंज में ही है।' एस12 नाम से पहचाने जाने वाले इस बाघ को पहली बार नवंबर में मंदामरी और लक्सेटीपेट रेंज के बीच घूमते हुए देखा गया था, जहाँ वह उपयुक्त क्षेत्र की तलाश में था। ऐसा प्रतीत होता है कि अनुकूल आवास और शिकार की उपलब्धता के कारण यह लक्सेटीपेट रेंज में बस गया है।

हालाँकि हाल ही में इसके पैरों के कोई नए निशान नहीं मिले हैं, लेकिन अधिकारियों का मानना है कि यह चट्टानी इलाकों से होकर गुज़र रहा है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, SAYARA SHAUKATBHAI VIRANI D/o. SHAUKATBHAI VIRANI, R/o. Flat No. 155, C-Block, Karimabad Colony, Chirag Ali Lane, Abids, Hyderabad, Telangana - 500001. My Incorrect Name SAYARA DOSANI and my Correct Name is SAYARA SHAUKATBHAI VIRANI for all future purpose

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सीएमडी एन बलराम ने एससीसीएल में 20,000 पौधे लगाकर बनाया रिकॉर्ड

पेद्दापल्ली, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन बलराम ने व्यक्तिगत रूप से 20,000 पौधे लगाकर एक रिकार्ड बनाया है। अपने जन्मदिन के अवसर पर, बलराम ने मंगलवार को कोठागुडेम क्षेत्र में जी.के. ओपनकास्ट कोयला खदान के ओवरबर्डन डंप पर 225 पौधे लगाए, जिससे आधिकारिक तौर पर इनकी संख्या 20,000 के आंकड़े को पार कर गई।

बलराम कथित तौर पर देश के पहले सिविल सेवा अधिकारी हैं जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से वृक्षारोपण के प्रयासों में यह उपलब्धि हासिल की है। पर्यावरण प्रेमी होने के नाते, उन्होंने 5 जून, 2019 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण अभियान शुरू किया था। तब से, उन्होंने एससीसीएल के 53 स्थानों पर 20,000 पौधे लगाए हैं। 'तेलंगाना ट्री मैन' के नाम से लोकप्रिय बलराम ने हरित पहल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से कई लोगों को प्रेरित किया है, जिसमें इस वर्ष 6 जुलाई को रामागुंडम-1 क्षेत्र में एक ही दिन में 500 पौधे लगाना भी शामिल है। उनके प्रयासों को श्रमिकों, अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों से समान रूप से सराहना मिली है। इस बीच, एससीसीएल में चल रहे वन महोत्सव का बड़े पैमाने पर आयोजन किया जा रहा है। कंपनी, जिसने अब तक 14,000 हेक्टेयर में 7 करोड़ से ज़्यादा पौधे लगाए हैं, ने इस साल 40,000 और पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है।

चलती गाड़ियों पर गिरा इमली का पेड़, दो घायल

सिद्दीपेट, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को रामायमपेट मंडल के अक्कन्नापेट गांव के पास मेदक-सिद्दीपेट रोड पर यात्रा करते समय एक विशाल इमली का पेड़ उन पर गिर गया, जिससे एक ऑटो-रिक्शा चालक और एक मोटरसाइकिल चालक बाल-बाल बच गए। इस घटना में ऑटो-रिक्शा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। ऑटो चालक के सिर से खून बहने लगा, जबकि बाइक सवार को चोटें आईं। पेड़ गिरने से व्यस्त सड़क के दोनों ओर भारी यातायात जाम लग गया। पुलिस ने पेड़ को हटाने और यातायात बहाल करने के लिए कर्मियों को तैनात किया और जेसीबी मंगवाईं।

फोटो जर्नलिस्ट पर चाकू से किया हमला

पुलिस ने बदमाश को किया गिरफ्तार

नोएडा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। फोटो जर्नलिस्ट पर चाकू से हमला करने के मामले में नोएडा पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। दरअसल सेक्टर थाना 113 पुलिस और चाकू से हमला करने वाले बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ में बदमाश घायल हो गया और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार बदमाश की पहचान दीपक के रूप में हुई है। दीपक फोटो जर्नलिस्ट पर चाकू से हमला करने का आरोप है। आरोपी के पास से पुलिस ने अवैध हथियार, कारतूस और चाकू बरामद किया है। दीपक ने पत्रकार प्रमोद पर जानलेवा हमला किया था। उसके खिलाफ थाना 113 में केस दर्ज है। बता दें कि आरोपी पर पहले से ही 10 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस ने इस घटना को लेकर बताया कि दिनांक 29 जुलाई को थाना सेक्टर 113 पुलिस द्वारा नागौरी फार्म हाउस सर्फाबाद के आसपास चेकिंग की जा रही थी। लोकल इंटेलिजेंस के आधार पर मिली सूचना के तहत वांछित अभियुक्त की तलाशी के लिए चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को चेकिंग के लिए रोका गया, जिसके बाद वह पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने लगा। इसके बाद आत्मरक्षा में पुलिस ने कार्रवाई की, जिसमें गोली लगने की वजह से बदमाश घायल हो गया। घायल अभियुक्त की पहचान दीपक पुत्र विनोद शर्मा के रूप में हुई है।

लखनऊ में पुलिसकर्मी की पत्नी ने की आत्महत्या

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बता दें कि एक दूसरे मामले में उत्तर प्रदेश के एक पुलिसकर्मी की पत्नी ने लखनऊ में अपने ससुराल वालों पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए आत्महत्या कर ली थी। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में सौम्या ने कहा कि उसके ससुराल वाले, जिसमें उसका देवर और पति भी शामिल हैं, उसे मारना चाहते हैं ताकि वह वह दोबारा शादी कर सके। पुलिस ने वीडियो बरामद कर लिया है और मामले की व्यापक जांच की जा रही है। इसके लिए बीते दिनों ग्रेटर नोएडा में एक व्यक्ति ने ऑफिस से देर से आने को लेकर पत्नी से झगड़े के बाद आत्महत्या कर ली। घटनास्थल पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। मृतक एक फैक्ट्री में मैनेजर था।

नागिन का कहर

बुजुर्ग को दौड़ा-दौड़ाकर कई बार डसा, हालत गंभीर

रायबरेली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। सावन के महीने में जहां एक ओर शिवभक्त नाग पंचमी और भोलेनाथ की आराधना में लीन हैं, वहीं रायबरेली जनपद के बछरावां थाना क्षेत्र के एक गांव से ऐसी घटना सामने आई है जिसने सबको हैरत में डाल दिया। नंदाखेड़ा गांव में खेत में काम कर रहे एक 60 वर्षीय बुजुर्ग पर काली नागिन ने हमला कर दिया और उसे दौड़ा-दौड़ाकर करीब आधा दर्जन बार डस लिया। यह भयावह दृश्य वहां मौजूद लोगों ने अपनी आंखों से देखा। घायल बुजुर्ग की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पति को फंसाने के लिए

पत्नी ने भतीजे की ले ली जान बुआ को मिली उम्रकैद

कानपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात में एक महिला को अपने पांच महीने के भतीजे का आपहरण और उसके बाद उसकी हत्या के मामले में दोषी पाया गया है। इस मामले में कानपुर देहात की स्पेशल जज एंटी डकैती कोर्ट ने महिला को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही 45 हजार का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट के फैसले के मुताबिक, अगर महिला ने जुर्माना नहीं भरा तो उसको ढाई साल की सजा और भुगतनी होगी। दोषी महिला मृतक की बुआ है। उसने अपने पति को फंसाने के लिए इस वारदात को अंजाम दिया था। कानपुर देहात के बिल्हौर कोतवाली इलाके के लालूपूरा गांव के रहने वाले रिंकू का पांच महीने का बेटा सुशील 14 नवंबर साल 2022 को घर के बाहर से लापता हो गया था। इसके बाद उसके पिता ने उन्नाव के बांगरमऊ के रसूलपुर निवासी अपने बहनोई देशराज और बहन सीता पर शक जताया था और थाने में केस दर्ज कराया था। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच करते हुए सीता को संदिग्ध मानकर हिरासत में लिया था। फिर पुलिस को 18 नवंबर साल 2022 को सुशील का शव ईशान नदी से मिला था। शव को बरामद करने के बाद पुलिस ने मृतक की बुआ सीता को सलाखों के पीछे भेज दिया था।

'चुनाव के बाद नीतीश बिहार के मुख्यमंत्री होंगे'

पटना, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

चिराग पासवान ने अचानक बदल लिए सुर

केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) पार्टी के अध्यक्ष चिराग पासवान ने बीते कुछ दिनों से बिहार के सीएम नीतीश कुमार की नेतृत्व वाली सरकार पर जमकर निशाना साधा है। हाल ही में चिराग ने इस बात पर दुख जाहिर कर दिया था कि उन्हें दुख है कि वह ऐसी सरकार का समर्थन कर रहे हैं जहां पर अपराध बेकाबू हो गया है। हालांकि, अब चिराग पासवान के सुर अचानक से बदल गए हैं।

चिराग पासवान ने अब कहा है कि बिहार में चुनाव के बाद नीतीश कुमार मुख्यमंत्री होंगे।

बिहार के हाजीपुर से सांसद और केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान ने पीएम मोदी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। चिराग ने कहा- ''मैंने कई बार दोहराया है कि मेरी प्रतिबद्धता और प्रेम प्रधानमंत्री के प्रति है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में (बिहार में) चुनाव लड़े जाएंगे। चुनाव परिणामों के बाद, नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। निश्चित रूप से वह मुख्यमंत्री होंगे।''

रीतलाल यादव की पत्नी पर शिकंजा कसने की तैयारी

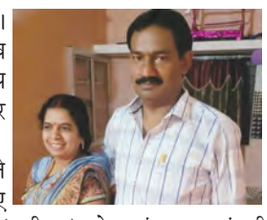

पटना, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दानापुर के विधायक रीतलाल यादव के बाद अब बिहार पुलिस मुख्यालय ने उनकी पत्नी रिंकू कुमारी के ऊपर कानूनी शिकंजा कसा है।

एडीजी ऑपरेशन कुंदन कृष्णन ने रिंकू कुमारी पर कार्रवाई के लिए मुख्यालय ने उनकी पत्नी के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की है। राजद विधायक रीतलाल यादव से जुड़े एक केस का रिव्यू बिहार एसटीएफ कर रही थी। इसी दरम्यान चौंकाने वाली बात सामने आई कि विजय कंस्ट्रक्शन कंपनी में रिंकू कुमारी 11 नवंबर 2017 से ही पार्टनर हैं। सरकारी नौकरी में रहते हुए वो इस कंस्ट्रक्शन कंपनी के जरिए बिजनेस कर रही हैं। इसी बात को एडीजी ऑपरेशन ने कार्रवाई का आधार बनाया है।

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) को लेटर लिखा है। दरअसल, रीतलाल यादव की पत्नी बिहार सरकार में नियोजित टीचर हैं। साथ ही एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में लंबे वक्त से बिजनेस पार्टनर भी हैं। इसी वजह से बिहार पुलिस

चुनाव से पहले विपक्ष ने चली नई चाल

गरीबों को जमीन देने के साथ इन योजनाओं से जनता को लुभा रही कांग्रेस

पटना, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश कांग्रेस नई-नई घोषणाएं कर अपने मतदाताओं को आकर्षित करने में जुटी है। इसी कड़ी में अब पार्टी ने वादा किया है कि अपनी अन्य घोषणाओं के अलावा वह बिहार में लोगों को रोजगार और स्वास्थ्य सुविधाओं का अधिकार भी देगी। पार्टी ने सोमवार को सदाकत आश्रम में प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु की मौजूदगी में हर घर अधिकार अभियान की शुरुआत की। इसके साथ ही पार्टी ने गारंटी का गुलदस्ता अभियान भी चलाया। राजेश राम ने इस दौरान कहा कि कांग्रेस पार्टी की गारंटी के गुलदस्ते में मुख्य रूप से माई बहन मान योजना, 1500 रुपये की वृद्धावस्था दिव्यांग पेंशन योजना, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, 25 लाख तक मुफ्त चिकित्सा बीमा और भूमिहीन परिवारों को घर बनाने के लिए पांच डिसमिल तक जमीन देने की योजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा स्टार्टअप फंड, लाखों सरकारी नौकरियां, एमएसपी पर फसल खरीद की गारंटी शामिल की गई है। अब कांग्रेस पार्टी रोजगार और चिकित्सा का अधिकार भी देगी। अल्लावरु ने कहा कि जिस तरह कांग्रेस ने आम लोगों को शिक्षा, भोजन और सूचना का अधिकार दिया है, उसी तरह वह बिहार में रोज़गार और स्वास्थ्य सुविधाओं का अधिकार भी देगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि चौपाल, माई बहन मान योजना, हर घर झंडा अभियान पहले की तरह चलते रहेंगे। हर घर अभियान की शुरुआत से पहले विधायकों, विधान पार्षदों, विभाग, प्रकोष्ठ के नेताओं, कार्यकर्ताओं और सभी वरिष्ठ नेताओं की एक अहम बैठक भी हुई। इस दौरान शकील अहमद खान, मदन मोहन, सुशील पासी, अभय दुबे, शाहनवाज़ आलम, देवेंद्र यादव, प्रेमचंद मिश्रा, राजेश राठौर समेत कई अन्य नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ईडी की जांच के घेरे में भवन निर्माण के पूर्व मुख्य अभियंता, इंजीनियर ने किया था घोटाला

पटना, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भवन निर्माण विभाग की तत्कालीन मुख्य अभियंता (योजना निरस्तीकरण) तारिणी दास के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज करने की तैयारी चल रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस संबंध में बिहार सरकार की विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) के एडीजी पंकज दारद को पत्र लिखा है। इस पत्र में ईडी ने तारिणी दास के खिलाफ जांच एजेंसी द्वारा पूर्व में की गई कार्रवाई का ब्योरा दिया है और उनके खिलाफ नई एफआईआर दर्ज करने के लिए लिखा है। इसी साल 27 मार्च को प्रवर्तन निदेशालय ने पटना के फुलवारीशरीफ स्थित पूर्णेंदु नगर स्थित भवन निर्माण विभाग की तत्कालीन मुख्य अभियंता (उत्तर) तारिणी दास के आवास पर छापेमारी की थी। दास के अलावा आधा दर्जन अन्य अधिकारियों के आवासों पर भी छापेमारी की गई थी। अपनी कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय ने 11.64 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी बरामद की। ईडी ने दास के ठिकानों से करीब 8.5 लाख रुपये बरामद किए। ईडी ने यह कार्रवाई सरकारी विभागों में टेंडर समेत अन्य मामलों में भ्रष्टाचार को लेकर की।

इसके बाद ईडी ने तारिणी दास के खिलाफ पीएमएलए एक्ट के तहत एफआईआर भी दर्ज की। प्रवर्तन निदेशालय की इस कार्रवाई के अगले ही दिन भवन निर्माण विभाग ने सेवानिवृत्ति के बाद संविदा पर नियुक्त मुख्य अभियंता तारिणी दास की नियुक्ति रद्द कर दी। सूत्रों की मानें तो ईडी को अब इस मामले में अपनी जांच में कई अहम सुराग मिले हैं। जिसके बाद ईडी ने दास के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज करने के लिए लिखा है।

डॉक्टर पर गोलीबारी करने वाले कुख्यात से पुलिस की मुठभेड़

पटना, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के गया जिले में एक बार फिर पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई है। मंगलवार को शेरघाटी में बिहार पुलिस और बदमाशों के बीच यह एनकाउंटर हुआ। इस दौरान सतीश उर्फ चंदन नामक एक वांछित अपराधी पुलिस की गोली से घायल हो गया। उसे पैर में दो गोलियां लगी हैं और फिलहाल उसे अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मालूम हो कि बीते 19 जुलाई को बाइक सवार बदमाशों ने एक चर्चित चिकित्सक पर अंधाधुंध फायरिंग की थी। इस घटना में डॉक्टर तपेश्वर प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए थे। गोली उनके जबड़े में लगी थी। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया था। यह सनसनीखेज वारदात शेरघाटी अनुमंडल के शेखपुरा मोहल्ले में हुई थी, जब डॉ। तपेश्वर प्रसाद अपने बगीचे से घर लौट रहे थे। तभी अपाचे बाइक पर सवार तीन अज्ञात अपराधियों ने उन पर गोलियां बरसा दीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बदमाशों ने लगातार तीन राउंड फायरिंग की, जिसमें दो गोलियां चूक गईं, जबकि एक गोली डॉक्टर के जबड़े में जा लगी थी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में दो गोलियां लगीं।

योगी-बृजभूषण की मुलाकात का असर, डीएम नेहा शर्मा हटीं

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के 23 सीनियर आईएएस अफसरों का तबादला किया गया है। गोरखपुर, गाजियाबाद, प्रयागराज, बहराइच समेत 10 जिलों के जिलाधिकारियों (डीएम) को बदला गया है। अयोध्या के कमिश्नर गौरव दयाल को गृह विभाग के सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गोरखपुर के डीएम कृष्णा करुणेश को नोएडा का अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सूत्रों के अनुसार, पीएसी ट्रेनिंग सेंटर में ट्रेनी महिला सिपाही से जुड़े विवाद के बाद उनका तबादला किया गया है। इसके अलावा, बहराइच की डीएम मोनिका रानी को भी हटा दिया गया है। अब उन्हें बेसिक शिक्षा विभाग में विशेष सचिव नियुक्त किया गया है। मोनिका रानी ने कांवड़ यात्रा को लेकर 27 अधिकारियों का वेतन रोक दिया था, जिसकी शिकायत शासन में की गई थी।

ट्रांसफर लिस्ट में सीएम के अपर मुख्य सचिव एसपी गोयल की पसंद को तरजीह दी गई है। नेहा शर्मा 9 जून 2023 से गोंडा की डीएम थी। प्रशासन के सूत्रों का कहना है कि सीएम योगी और कैसरगंज के पूर्व सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह के रिश्तों में तल्खी के मद्देनजर डीएम नेहा शर्मा बृजभूषण सिंह, उनके सांसद बेटे करण भूषण सिंह और विधायक प्रतीक भूषण सिंह को उतनी तवज्जो नहीं दे रही थीं। बीते दिनों योगी और ब्रजभूषण के रिश्तों में जमी बर्फ पिघली है।

पत्रकारों की बढ़ी हुई पेंशन को नीतीश कैबिनेट से मंजूरी

युवा आयोग में 6 पद, 41 एजेंडों पर लगी मुहर

पटना, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार (29 जुलाई, 2025) को मुख्य सचिवालय के कैबिनेट हॉल में कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में 41 एजेंडों पर मुहर लगी। आज पत्रकारों की पेंशन राशि 6000 से 15000 करने के फैसले पर भी मुहर लग गई। साथ ही बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के गठन की भी स्वीकृति दे दी गई। दूसरी ओर बिहार राज्य युवा आयोग में छह पदों की स्वीकृति दी गई है। चुनावी साल है तो नीतीश कुमार अब हर वर्ग को साधने में लगे हैं। कैबिनेट में लिए गए कई फैसले उसी मास्टर प्लान का हिस्सा है।

सात डॉक्टरों को किया गया बर्खास्त

पटना से एम्स एनएच-98 से दीघा रेल सह सड़क पुल से अशोक राजपथ के अतिरिक्त कनेक्टिविटी के लिए 1368 करोड़ 46 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। सरकारी सेवा से अनुपस्थित रहने के आरोप में कुल सात डॉक्टरों को बर्खास्त किया गया है। बिहार पशु चिकित्सा सेवा (नियुक्ति एवं सेवा शर्त) संशोधन नियमावली 2025 के गठन को मंजूरी मिली है।

राजगीर खेल अकादमी के लिए 1100 करोड़

बिहार अमीन संवर्ग नियमावली 2025 को स्वीकृति मिली है। गन्ना उद्योग विभाग बिहार ईंख सेवा (भर्ती व सेवा शर्त), संशोधन नियमावली 2025 को स्वीकृति मिली है। राजगीर खेल अकादमी के लिए 1100 करोड़ की मंजूरी दी गई है। आंगनबाड़ी एवं पोषण योजना 2.0 को मंजूरी दी गई है। प्राथमिक स्कूलों को बनाए जाने को लेकर 270 करोड़ रुपये की मंजूरी मिली है।

छपरा जिले में फ्लाईओवर के निर्माण के लिए 696 करोड़ 26 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है। पर्यटन विभाग की ओर से सीतामढ़ी के पुनौरा धाम मंदिर के पास पर्यटकीय विकास एवं आधारभूत संरचनाओं के निर्माण के लिए 50.50 एकड़ भूमि अधिग्रहित करने के लिए 120 करोड़ 58 लाख 67 हजार 175 रुपये की राशि को संशोधित कर अब 165 करोड़ 57 लाख 16 हजार 104 रुपये किया गया है।

डिंपल यादव पर मौलाना की टिप्पणी

भड़कीं योगी की मंत्री, बोलीं- सियासी फायदे के लिए पत्नी के अपमान पर मौन अखिलेश

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)। सपा सांसद डिंपल यादव पर मौलाना साजिद की टिप्पणी मामले में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की चुप्पी पर भाजपा ने निशाना साधा है। महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्या ने कहा कि महिला सम्मान के खिलाफ मौलाना की टिप्पणी पर सपा अध्यक्ष की चुप्पी साबित कर रही है कि वोट के लालच में उनकी पार्टी किसी भी हद तक गिर सकती है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि नई दिल्ली की मस्जिद में हुई बैठक के बाद कुछ मुस्लिम धार्मिक नेताओं ने डिंपल यादव को राजनीतिक हिंदू महिला कहकर उनके पहनावे पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। यह एक महिला सांसद ही नहीं बल्कि भारतीय नारी और संस्कृति पर हमला था। वोट की खातिर महिला अस्मिता से समझौता सपा के राजनीतिक स्वार्थ को दर्शाता है। मौर्या ने कहा, हमारी और डिंपल यादव की विचारधारा भले ही अलग हो, लेकिन महिला का अपमान भाजपा को स्वीकार नहीं है।

सपा में भी साहस नहीं है कि वह अपनी सांसद की मर्यादा की रक्षा कर सके। बेबी रानी ने कहा कि यह मुद्दा सिर्फ डिंपल यादव का नहीं बल्कि देश की हर बेटी का है। भाजपा हर बेटी के सम्मान में अडिग है। वहीं, कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि लड़की हूं लड़ सकती हूं का नारा देने वाली प्रियंका गांधी वाड्रा भी अपनी साथी महिला सांसद के अपमान पर मौन हैं। वोट बैंक के लिए राहुल की ज़ुबान पर भी ताले लग जाते हैं।

योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में प्रधानमंत्री मोदी की रैली की तैयारियों का जायजा लिया

वाराणसी, 29 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगामी दो अगस्त के प्रस्तावित वाराणसी दौरे को लेकर जिले में गहमागहमी का दौर है। सेवापुरी में प्रशासनिक अधिकारी लगातार दौरा कर तैयारी को अंतिम रूप देने के लिए सक्रिय हैं। इसी कड़ी में सीएम योगी भी काशी पहुंचे और पूर्वांचल के हाल जानने के साथ ही मोदी की रैली की तैयारियों की जमीनी हकीकत भी परखी। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय काशी दौरे के दूसरे दिन भी काशी में सुबह सक्रिय नजर आए। वह मंगलवार को अपने काशी दौरे के दूसरे दिन सेवापुरी में बनौली ग्राम पहुंचे। वहां पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दो अगस्त को होने वाली जनसभा की तैयारियों को देखा। मुख्यमंत्री सुबह साढे नौ बजे के करीब पुलिस लाइन ग्राउंड से हेलीकाप्टर से सेवापुरी में जनसभा स्थल के लिए रवाना हो गए। वहां पर वह तैयार किए गए हेलीपैड पर उतरे। हेलीपैड से वह प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पंडाल स्थल व आसपास के क्षेत्रों में रैली की तैयारियों को देखने पहुंचे। इस दौरान अधिकारियों से सभा स्थल पर आने वाले मार्ग पार्किंग आदि के संबंध में जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए और मौका मुआयना करने के बाद वह प्रयागराज चले गए। इसके पूर्व सुबह उन्होंने वाराणसी सहित पूर्वांचल के कुछ गणमान्य लोगों के साथ सर्किट हाउस में मुलाकात कर पूर्वांचल के साथ ही वाराणसी में विकास कार्यों का हाल भी जाना।

ऑपरेशन के दौरान प्रेग्नेंट महिला के पेट में कपड़ा छोड़ने का आरोप

गाजियाबाद, 29 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के गाजियाबाद से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक नर्सिंग होम पर गंभीर आरोप लगे हैं। दरअसल गाजियाबाद में रहने वाली एक महिला, दिव्या खुराना ने 6 जून को सिजेरियन सर्जरी से एक बेटे को जन्म दिया। सर्जरी गाजियाबाद के एक निजी नर्सिंग होम में डॉ निशी सिरोही ने की थी। तीन दिन बाद, 9 जून को दिव्या को अस्पताल से छुट्टी मिल गई, लेकिन उनकी तबीयत बिगड़ती चली गई।

उन्हें तेज बुखार, सिरदर्द, सीने में दर्द और पेट में तेज दर्द की शिकायत हुई। एक बार तो वे बेहोश भी हो गईं। दिव्या के पति चिराग कटारिया ने बताया, डॉ। सिरोही ने खून की जांच कराने को कहा। जांच में पता चला कि दिव्या के खून में सफेद रक्त कोशिकाओं की संख्या सामान्य से बहुत ज्यादा थी। इसके बाद अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन से पता चला कि उनके पेट में तौलिये जैसा कपड़ा छूट गया था। चिराग का कहना है कि पैथोलॉजी वालों ने पहले रिपोर्ट देने से मना किया, लेकिन पुलिस बुलाने की धमकी पर रिपोर्ट दी। चिराग ने डॉ। सिरोही से दोबारा सर्जरी की बात की, लेकिन उनकी सुविधाओं पर भरोसा न होने पर उन्होंने दिल्ली के पटपड़गंज में एक अस्पताल में 10 जुलाई को दिव्या को भर्ती कराया। वहां 11 जुलाई को सर्जरी हुई, जिसमें उनके पेट से तौलिये जैसा कपड़ा निकाला गया, जो डेढ़ महीने से उनके शरीर में था। 14 जुलाई को दिव्या को छुट्टी मिल गई।

गाजियाबाद के सीएमओ डॉ अखिलेश मोहन ने बताया कि मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई गई है और नर्सिंग होम को पत्र भेजा गया है। जवाब मिलने पर कार्रवाई होगी। डॉ निशी सिरोही ने कहा कि उन्होंने सीएमओ के पत्र का जवाब दे दिया है और जांच में पूरा सहयोग करेंगी।

तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी का गठबंधन टूटना तय

पटना, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में चुनाव की तारीखों के ऐलान में अभी काफी वक्त है, लेकिन यहां पर प्रेशर पॉलिटिक्स का सिलसिला चल निकला है। हर कोई अपने स्तर पर प्रेशर पॉलिटिक्स का दांव चल रहा है। अगर यह कम नहीं हुआ तो पिछली बार की तरह इस बार भी चुनाव से पहले महागठबंधन टूट जाएगा। महागठंधन में शामिल विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) ने दावा करते हुए कहा कि उनकी पार्टी 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जबकि राष्ट्रीय जनता दल महागठबंधन की अहम साथी कांग्रेस को ही ज्यादा सीटें देने के मूड में नहीं है तो वीआईपी जैसे क्षेत्रीय दल को इतनी सीट दे पाना उसके लिए संभव होगा।

चुनाव से पहले दोनों प्रमुख गठबंधनों (महागठबंधन और एनडीए) में सीट शेयरिंग को लेकर गहन मंथन चल रहा है। दोनों गठबंधनों में शामिल छोटे दल अपने लिए अधिक से अधिक सीटें मांग रही हैं। साल 2020 की तरह चुनाव से पहले मुकेश सहनी की अगुवाई वाली विकासशील इंसान पार्टी महागठबंधन का हिस्सा थी, और अब भी है। लेकिन तब सीट शेयरिंग पर बात नहीं बन पाई थी। अब देखना होगा कि सहनी की भारी-भरकम मांग पर बात बन पाएगी? या फिर पिछली बार की तरह ऐन मौके पर तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी का गठबंधन टूट जाएगा। विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक मुकेश सहनी ने कल सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ऐलान करते हुए कहा कि हमारी पार्टी इस साल 2025 में 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जबकि शेष सभी सीटों पर हमारे सहयोगी दलों के प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे।

उनके इस ऐलान के बाद यह चर्चा होने लगी है कि उन्होंने जिन 60 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात सहनी कर रहे हैं, वो संभव हो पाएगा? विकासशील इंसान पार्टी बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) की अगुवाई वाले महागठबंधन का हिस्सा है। महागठबंधन में आरजेडी और कांग्रेस के अलावा तीनों वाम दल, पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा भी शामिल हैं।

प्रिंसिपल का मोबाइल किया हैक

बांका, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के बांका जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक स्कूल के हेडमास्टर को उन्हीं के स्कूल के 10वीं कक्षा के छात्रों ने साइबर ठगी का शिकार बनाने की कोशिश की। बांका पुलिस ने नालंदा के चार नाबालिग छात्रों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने बांका के प्रधानाध्यापक का मोबाइल हैक कर उनके ई-शिक्षा कोष से सरकारी राशि उड़ाने का प्रयास किया। हालांकि, हेडमास्टर की सूझबूझ से वे अपने मंसूबों में सफल नहीं हो पाए और सरकारी रकम सुरक्षित बच गई। पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा ने बताया कि अमरपुर थाना क्षेत्र के मध्य विद्यालय लौसा के हेडमास्टर संजीव कुमार तिवारी है।

हमारे लिए जन्मदिन का तोहफ़ा कहाँ है ?

इंदौर में दो युवतियों के गुटों में लात-घूंसे चले

इंदौर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर के हीरानगर थाना क्षेत्र के बजरंग नगर में सावन के तीसरे सोमवार को निकली पालकी यात्रा के दौरान दो युवतियों के गुटों में विवाद हो गया। बहस इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर सामने आया हैं। हालांकि, पुलिस को इस संबंध में कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पालकी यात्रा के दौरान दो युवतियों के गुटों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो कुछ ही देर में हाथापाई में बदल गई। दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर लात-घूंसे चलाए।

इसी दौरान एक युवती और उसके साथी को अन्य लड़कियों ने घेरकर पीटा। मौके पर मौजूद रहवासियों और श्रद्धालुओं ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को अलग किया। घटना के दौरान सड़क से गुजर रहे कई वाहन चालक और लोग रुककर मोबाइल से वीडियो बनाने लगे। जो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें लड़कियों के बीच हुई मारपीट साफ नजर आ रही है।

'बारिश में सब बह गया 4000 टन कोयला गायब होने पर मेघालय के मंत्री का अजीबोगरीब दावा

शिलांग, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मेघालय में 4000 टन गायब हुआ कोयला चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं, हाईकोर्ट के आदेश के बाद मेघालय के मंत्री ने कोयला खोने के पीछे की वजह तेज बरसात को बताया है। उनका कहना है कि कोयला शायद तेज बारिश में बह गया होगा। मेघालय हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को कोयला गायब करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया था।

मेघालय सरकार में उत्पाद शुल्क मंत्री किरमेन शायला ने अब इसपर चौंकाने वाला जवाब दिया है। मीडिया से बातचीत के दौरान मेघालय के उत्पाद शुल्क मंत्री किरमेन शायला ने कहा, मेघालय में मूसलाधार बारिश हुई। किसे पता, शायद तेज बरसात में सारा कोयला बह गया हो? इसके आसार काफी अधिक हैं। किरमेन शायला ने आगे कहा, हो सकता है किसी ने रोजी-रोटी के लिए कोयला लिया हो।

क्योंकि कोई भी अपने राज्य को नुकसान पहुंचाने के लिए ऐसा नहीं करेगा। जब सरकार ने साइंटिफिक माइनिंग की बात कही थी सभी बहुत खुश थे। मुझे लगता है हमारे लोग ऐसा नहीं करेंगे। बता दें कि मेघालय के राजाजू और डिएंगन गांव से लगभग 4000 टन कोयला गायब हो गया है।

बाघों की आबादी वाला दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उद्यान बना काजीरंगा

गुवाहाटी, 29 जुलाई (एजेंसियां)। असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अब यह दुनिया में बाघों की तीसरी सबसे ज्यादा आबादी वाला इलाका बन गया है। यह जानकारी काजीरंगा पार्क की नई रिपोर्ट स्टेटस ऑफ टाइगर्स इन काजीरंगा 2024 में दी गई है। रिपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय टाइगर दिवस के मौके पर जारी किया गया है।

अब इस पार्क में हर 100 वर्ग किलोमीटर पर 18 बाघ की होने की पुष्टि की गई है। बता दें कि बाघों की गिनती के लिए दिसंबर 2023 से अप्रैल 2024 तक पूरे रिजर्व में 1,300 वर्ग किमी क्षेत्र

में कैमरा ट्रैप लगाए गए। इन कैमरों की मदद से 148 वयस्क बाघों की पहचान हुई, जिसमें 83 मादा, 55 नर और 10 की पहचान स्पष्ट नहीं हुई। यह सर्वे नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी के गाइडलाइन के अनुसार किया गया।

पार्क की फील्ड डायरेक्टर सोनाली घोष ने इस उपलब्धि को संरक्षण संदेश बताया। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा सिर्फ संख्या नहीं है, यह काजीरंगा की स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र और सफल संरक्षण का प्रतीक है। आगे भी ऐसे प्रयास जारी रखने होंगे ताकि जैव विविधता सुरक्षित रह सके। उन्होंने बताया कि 2022 की तुलना में बाघों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने बताया कि अब यहां कुल 148 बाघ हैं। इसमें बिश्वनाथ वाइल्डलाइफ डिवीजन में पहली बार सर्वे हुआ जिसमें 27 बाघ मिले। ईस्टर्न असम वाइल्डलाइफ डिवीजन में 2022 में 104 बाघ थे जो अब बढ़कर 115 हो गए हैं। नागांव डिवीजन में बाघों की संख्या 6 बनी हुई है।

वहीं बात अगर अब पार्क में बाघों की संख्या में बढ़ोतरी की करें तो इसका मुख्य कारण रिहायशी क्षेत्र का विस्तार रहा। इसके तहत पार्क में 200 वर्ग किमी का नया क्षेत्र शामिल किया गया है, जिसमें 12.82 वर्ग किमी अतिक्रमणमुक्त भूमि भी शामिल है। वहीं पार्क में नई तकनीक के इस्तेमाल पर भी फोकस रहा, जिसके तहत ड्रोन, इंफ्रारेड कैमरा और इलेक्ट्रॉनिक आई जैसी तकनीक से निगरानी को बेहतर बनाया गया है। इसके साथ ही इस बड़ी उपलब्धि में महिला वन रक्षकों ने भी अहम भूमिका निभाई। इसके तहत वन दुर्गा के रूप में प्रशिक्षित 113 महिला कर्मचारी भी इस काम में जुटी हैं।

वहीं काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के इस बड़ी उपलब्धि पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि असम बाघों को सिर्फ बचा नहीं रहा, बल्कि उनका साम्राज्य लौटा रहा है। अब यहां दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाघ की आबादी है।

सपा सांसदों के साथ मस्जिद पहुंचे थे अखिलेश, सीएम रेखा ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। रामपुर के सपा सांसद और संसद की मस्जिद के इमाम मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने गंभीर आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही उन्होंने जमाल सिद्दीकी ने मस्जिद के इमाम को हटाने की मांग दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से की है। उन्होंने इसको लेकर एक पत्र भी दिया है और कार्रवाई की मांग की है। इस पर सीएम रेखा ने जांच के आदेश दिए हैं।

पत्र में सिद्दीकी ने लिखा कि मौलाना नदवी वर्तमान में दिल्ली वक्फ बोर्ड के अधीन संसद मस्जिद में इमाम के रूप में तैनात हैं। इस पद के लिए वे वक्फ बोर्ड से 18 हजार रुपए हर महीने वेतन लेते हैं। बीजेपी नेता की शिकायत के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सपा सांसद की मस्जिद में जाने के मामले में जांच के आदेश दिए हैं। बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी कल सपा सांसद के मस्जिद जाने के मामले को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मिले और शिकायत दी थी।

बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा ने मस्जिद के इमाम को हटाने की भी मांग की है। इसके बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संसद परिसर की मस्जिद में समाजवादी पार्टी के सांसद की हालिया विजिट को लेकर जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को लिखे पत्र में जमाल सिद्दीकी ने लिखा है कि पार्लियामेंट मस्जिद नई दिल्ली के इमाम मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता हैं।

दिल्ली में एयरलाइन्स ने जारी की एडवाइजरी

बारिश से यात्रा होगी प्रभावित, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

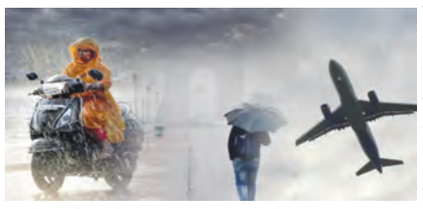

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। देश में मानसून की बारिश से कई पहाड़ी क्षेत्रों में सैलाब आ गया है। वहीं, दिल्ली में भी बारिश से यात्राएं प्रभावित हो रही हैं। आज सुबह से ही राजधानी में बारिश हो रही है। खराब मौसम को देखते हुए स्पाइसजेट, एयर इंडिया और इंडिगो जैसी एयरलाइन्स ने यात्रियों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। इसमें यात्रियों से घर से निकलने से पहले एक बार नया शेड्यूल देखने की बात कही गई है। दिल्ली के कई इलाकों में ह ल की - ह ल की बारिश जारी है। इसी के साथ मौसम विभाग ने भी राजधानी में आज और आने वाले दिनों के मौसम का ताजा अपडेट दिया है। एयर इंडिया ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 'आज सुबह से ही तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। इसके चलते दिल्ली आने-जाने वाली उड़ानों पर असर पड़ने की संभावना है।'

आगे लिखा गया कि अपनी यात्रा शुरू करने से पहले एयरलाइन की ऑफिशियल साइट पर नया शेड्यूल देख सकते हैं। यात्रियों को तय समय से पहले घर से निकलने की सलाह दी गई है। इसके अलावा, स्पाइसजेट ने भी अपने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए लिखा कि 'दिल्ली में तेज हवाओं और बारिश की वजह से फ्लाइट्स का देरी से संचालन संभव है।' इसके लिए यात्रियों को अपनी यात्रा से जुड़े अपडेट लेने की सलाह दी गई है।

पंजाब, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश में घने बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने बताया कि आज सुबह से ही दिल्ली के ऊपर सबसे ज्यादा बारिश देखने को मिल रही है। राजधानी में सबसे ज्यादा बारिश सुबह 9 बजे के लोधी रोड पर दर्ज की गई। प्रगति मैदान में 38.7 मिमी तक बारिश दर्ज की गई। आज पूरा दिन दिल्ली में हल्की और तेज बारिश का सिलसिला देखने को मिलेगा। पूर्वी राजस्थान में रेड अलर्ट जारी किया गया है।

आईटी इंजीनियर ने कंपनी की 7वीं मंजिल से कूदकर दी जान

पुणे, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पुणे के हिंजेवाड़ी आईटी हब में एक 23 वर्षीय आईटी इंजीनियर ने आत्महत्या कर ली। पुलिस के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पीयूष अशोक कवाडे ने ऑफिस मीटिंग के तुरंत बाद एटलस कंपनी की इमारत की सातवीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी।

यह घटना सोमवार की सुबह 10 बजे हुई, जिससे पूरे कार्यालय परिसर में हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, पीयूष सीने में दर्द की शिकायत के बाद मीटिंग बीच में ही छोड़कर चले गए। वह आराम करने की बात कहकर बाहर निकले। कुछ ही मिनटों में पीयूष मृत पाए गए। इस घटना के तुरंत बाद मौके पर पुलिस की टीम पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

क्या पुलिस जब्त कर सकती है आपका ड्राइविंग लाइसेंस? हाई कोर्ट ने सुनाया ये फैसला

कोलकाता, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने अहम फैसला देते हुए स्पष्ट किया है कि ट्रैफिक पुलिस के पास किसी भी नागरिक का ड्राइविंग लाइसेंस जब्त, निलंबित या रद्द करने का अधिकार नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति लापरवाही से गाड़ी चलाता है, तो पुलिस उसके लाइसेंस को ज़ब्त तो कर सकती है लेकिन यह महज एक शुरुआती कार्रवाई होगी।

इसके बाद मामला अदालत को भेजा जाना जरूरी है। अगर अदालत उस व्यक्ति को दोषी ठहराती है तभी आगे की प्रक्रिया जैसे कि लाइसेंस को रद्द करना या फिर उसे निलंबित करना शुरू की जा सकती है। यह काम संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी को भेजा जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति अपना बचाव करने की कोशिश करता है तो पुलिस उसपर जबरदस्ती अपराध करने के लिए दबाव नहीं बना सकती। जस्टिस पार्थ सारथी सेन कहा कि लाइसेंस अधिकारी को मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 206 के अंतर्गत वर्णित किसी भी शर्त की पूर्ति होने पर, उस धारा के तहत ड्राइविंग लाइसेंस जब्त करने का अधिकार प्राप्त है।

हालांकि, चालक द्वारा किए गए कथित अपराध का संज्ञान लेने के लिए उसे यह मामला न्यायालय के पास भेजना आवश्यक होता है। अगर धारा 206 की उप-धारा (4) में उल्लिखित शर्तें पूरी होती हैं, तो फिर ऐसी स्थिती में अधिकारी को अधिनियम की धारा 19 के अंतर्गत लाइसेंस को अयोग्य घोषित करने या उसे निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए लाइसेंस को संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी के पास भेजना आवश्यक होता है।

इसलिए किसी भी लाइसेंस को निलंबित करने, निरस्त करने या फिर जब्त करने का अधिकार पूरी तरह उस लाइसेंसिंग प्राधिकारी के पास होता है जिसने वो लाइसेंस जारी किया है। प्रैक्टिस कर रहे वकील ने यह याचिका दाखिल की थी। इस याचिका के मुताबिक यातायात विभाग में कार्यरत प्रतिवादी संख्या 10 (यातायात हवलदार) की कथित कार्रवाई को चुनौती दी गई है।

प्रीतम लोधी का अजीब बयान

एमएलए बोले-दिग्विजय सिंह के समय सड़कें ओमपुरी जैसी थी, हमने उन्हें श्रीदेवी जैसा बनाया

भोपाल, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा विधायक प्रीतम लोधी एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले लोधी टैक्सी से विधानसभा पहुंचे। मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि रास्ते में पुलिया पर पानी भरा हुआ था और उनकी छोटी गाड़ी वहां से निकल नहीं सकी। उन्होंने कहा कि मैं भ्रष्टाचार नहीं करता, इसलिए मेरे पास बड़ी गाड़ी नहीं है। इसीलिए भोपाल तक किसी और वाहन से आया और फिर टैक्सी लेकर विधानसभा पहुंचा। वहीं, उन्होंने सड़कों की तुलना बॉलीवुड के दिवंगत कलाकारों से कर दी। प्रीतम लोधी ने कहा कि दिग्विजय सिंह के कार्यकाल में राज्य की सड़कें ओमपुरी जैसी थीं, हमने उन्हें श्रीदेवी जैसी बना दिया है।

जब लोधी से पूछा कि क्या एमपी की सड़कें वाकई बेहतर हो गई हैं, तो उन्होंने दोहराया कि हमारे समय में सड़कों की हालत बदल गई है, अब वो श्रीदेवी जैसी दिखती हैं। बस बारिश का पानी लाने की जिम्मेदारी इंद्र भगवान की है। जब उनसे भाजपा विधायकों के पास भी बड़ी गाड़ियों को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि हमारे विधायक ईमानदार हैं, भाजपा में भ्रष्टाचार नहीं होता। कांग्रेस के नेता ही भ्रष्टाचार करते हैं, इसलिए उनके पास महंगी गाड़ियां हैं।

भोपाल में लगातार बारिश से कई जगह जल भराव की स्थिति

कलियासोत डैम में गेट खोलने की हुई टेस्टिंग

भोपाल, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भोपाल में कल से रुक-रुक कर तेज बारिश का दौर जारी है, जिससे शहर के निचले इलाकों में जल भराव की स्थिति है। कोलांस नदी के एक फीट ऊपर बहने से बड़ा तालाब में पानी का लेवल बढ़ रहा है। मंगलवार दोपहर 12 बजे कलियासोत डैम के गेटों को खोलने की टेस्टिंग की गई। तेज बारिश के चलते हाफ डे में ही कई स्कूलों की छुट्टी कर दी गई।

रात से सुबह तक शहर में 2 इंच बारिश हो गई। इस वजह से कुछ इलाकों में जलभराव हो गया। महापौर मालती राय ने कहा कि फिलहाल गंभीर हालात कहीं भी नहीं है। कंट्रोल रूम से नजर रखी जा रही है। महापौर राय ने नगर निगम के कंट्रोल रूम का जायजा भी लिया। उन्होंने प्राप्त शिकायतों के बारे में जाना। इनका निराकरण कैसे किया गया, यह भी पता लगाया।

इधर भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 6 के बाहर स्थित मुख्य सड़क बारिश से जलमग्न हो गई। हमीदिया रोड से लेकर भोपाल टॉकीज तक हर जगह जलभराव की स्थिति देखी गई। मंगलवार को कुल 34 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। भोपाल, नर्मदापुरम, रायसेन, विदिशा, राजगढ़ और सीहोर में अलग-अलग स्थानों पर 4.5 से 8 इंच तक भारी बारिश होने का अनुमान है।

दोस्तों के साथ मिलकर पत्नी से गैंगरेप हथोड़े से मारा फिर नदी में फेंक दिया!

सूरत, 29 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। सूरत के कापोद्रा क्षेत्र में कानून और व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक अत्यंत चौंकाने वाली वारदात हुई। कापोद्रा के कुख्यात अपराधी गणेश राजपूत पर पत्नी से गैंग रेप और उसकी हत्या के प्रयास का केस दर्ज हुआ है। पत्नी का आरोप है कि गणेश राजपूत ने अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर उसका रेप किया और हथौड़े से उसपर हमला कर जान लेने की कोशिश की। इस घटना ने पूरे शहर में हड़कंप मचा दिया है और पुलिस प्रशासन भी हरकत में आ गया है। पुलिस ने गणेश राजपूत सहित चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है। अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक, कापोद्रा थाना इलाके में रहने वाली एक महिला ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की थी कि उसके पति गणेश राजपूत ने उस पर शारीरिक अत्याचार किया था। इतना ही नहीं, आरोपी गणेश राजपूत ने अपने दोस्त को भी अपनी पत्नी से रेप करने के लिए प्रेरित किया था। इस हृदयविदारक घटना के बाद भी आरोपी गणेश राजपूत की हैवानियत का अंत नहीं हुआ था। उसने अपनी पत्नी को बेरहमी से पीटा और मरने की हालत में तापी नदी में फेंक दिया। सौभाग्य से, गंभीर रूप से घायल महिला को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी जान बच गई। अस्पताल से स्वस्थ होने के बाद महिला ने हिम्मत दिखाते हुए कापोद्रा पुलिस स्टेशन में खुद पर हुए अमानवीय अत्याचार और हत्या के प्रयास के बारे में शिकायत दर्ज कराई।

कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे ने ऑपरेशन सिंदूर को बताया 'तमाशा', पहले भी रह चुकी हैं सुर्खियों में

मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की गई। इस दौरान कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे ने इसे तमाशा बताते हु एक नए विवाद को जन्म दे दिया। उन्होंने इस ऑपरेशन को लेकर कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर सफल मिशन से कहीं ज्यादा एक मीडिया शो था। इस दौरान उन्होंने पूछा कि इस मामले में कितने आतंकवादी पकड़े गए? साथ ही सरकार से इस पर जवाब मांगे। इसी बीच कल पहलगाम हमले में शामिल तीन आतंकियों का एनकाउंटर कर दिया गया। कल से ही ऑपरेशन सिंदूर और प्रणीति शिंदे का बयान सुर्खियों में है। प्रणीति शिंदे का जन्म 9 दिसंबर 1980 को हुआ था। यह सुशील कुमार शिंदे (पूर्व गृह मंत्री) की बेटी हैं। प्रणीति सुशील कुमार शिंदे महाराष्ट्र कांग्रेस की एक्टिव नेताओं में से हैं।

जो लोगों की मदद के लिए मशहूर हैं। प्रणीति सोलापुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से संसद सदस्य होने के साथ तीन बार सोलापुर सिटी सेंट्रल निर्वाचन क्षेत्र से महाराष्ट्र विधान सभा की सदस्य भी चुनी जा चुकी हैं। 2021 में वह महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बनीं।

पढ़ाई की बात की जाए, तो प्रणीति ने मुंबई से ही ग्रेजुएशन किया है। इसके अलावा वह एक एनजीओ भी चला रही हैं, जिसके जरिए जरूरतमंद लोगों की मदद होती है। वर्तमान में प्रणीति ने सोलापुर से 2024 में लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज की है। हाल ही में प्रणीति ऑपरेशन सिंदूर को लेकर की गई टिप्पणी के चलते चर्चा में हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सरकार का एक तमाशा था, जो मीडिया में दिखाया गया। प्रणीति शिंदे अक्सर सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं । इसके पहले भी वो राहुल गांधी के साथ नाम जुड़ने के बाद काफी सुर्खियों में आई थीं।

सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उनकी राहुल गांधी के साथ कुछ पुरानी तस्वीरें वायरल की थीं। इसके बाद यह खबरें सामने आईं कि वह जल्द ही राहुल गांधी से शादी करने वाली हैं। हालांकि, यह सब खबरें महज अफवाह साबित हुईं।

राजनाथ सिंह के बयान पर संजय राउत का पलटवार, 'बीजेपी पाकिस्तान से लड़ाई नहीं चाहती '

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में दिए गए बयान ने सोमवार को सियासी हलकों में नई बहस छेड़ दी है। सिंह ने स्पष्ट किया कि इस अभियान का उद्देश्य पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर कब्जा करना नहीं था, बल्कि आतंकवाद की जड़ों को खत्म करना था। इस पर राज्यसभा सांसद और शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता संजय राउत ने बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह बयान बताता है कि बीजेपी अब पीओके को भारत में शामिल करने के अपने वादे से पीछे हट रही है।

संजय राउत ने कहा कि राजनाथ सिंह ने कहा है कल संसद में कि पाकिस्तान में घुस कर पीओके पर कब्जा लेने का हमारा इरादा नहीं था, ये बहुत गंभीर बात है। एएनआई के अनुसार, उन्होंने आगे कहा, बीजेपी बार बार बोल रही थी, कि अगर प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) दूसरी बार प्रधानमंत्री बनें तो पीओके को भारत का हिस्सा बनाएंगे, ये बात योगी आदित्य नाथ भी बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकसभा में अमित शाह बोल रहे थे कि पीओके के लिए हम बलिदान देंगे,

थरूर के बाद अब मनीष तिवारी भी कांग्रेस से नाराज

डिबेट में नाम न होने पर लिखा- भारत की बात सुनाता हूं

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के लिए वक्ताओं की सूची से खुद को और अपने साथी सांसद शशि थरूर को बाहर रखे जाने के बाद अपनी पार्टी (कांग्रेस) पर निशाना साधा है। आनंदपुर साहिब से सांसद मनीष तिवारी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में एक रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया है। इसमें उन्हें वक्ताओं की लिस्ट से उन्हें बाहर रखे जाने की बात कही गई थी।

इसके साथ ही मनीष तिवारी ने 1970 की फिल्म पूरब और पश्चिम के प्रसिद्ध देशभक्ति गीत है प्रीत जहां की रीत सदा के बोल भी लिखे हैं। कांग्रेस सांसद ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, है प्रीत जहां की रीत सदा, मैं गीत वहां के गाता हूं, भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं। जय हिंद। यहां बता दें कि कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी और शशि थरूर, ऑपरेशन सिंदूर के बाद कई देशों का दौरा करने वाले सरकार के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। इन प्रतिनिधिमंडलों को एक एकजुट राजनीतिक मोर्चा बनाने और सीमा पार आतंकवाद को पाकिस्तान के निरंतर समर्थन को उजागर करने का काम सौंपा गया था।

मनीष तिवारी ने पार्टी को बहस के दौरान बोलने का अनुरोध भेजा था। थरूर ने स्पष्ट रूप से अनिच्छा व्यक्त की क्योंकि प्रतिनिधिमंडल की विदेश यात्रा के दौरान उनका रुख पाकिस्तान और पीओके में लक्षित बुनियादी ढांचे पर हमला करने के सैन्य अभियान से संबंधित पहलुओं पर सरकार के खिलाफ पार्टी के कड़े रुख से अलग होगा। थरूर ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना करने वाली लोकसभा बहस में भाग लेने के पार्टी नेतृत्व के अनुरोध को ठुकरा दिया है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व ने ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा बहस में भाग लेने के लिए शशि थरूर से संपर्क किया था।

हालांकि, थरूर ने कथित तौर पर यह कहते हुए इनकार कर दिया कि वह ऑपरेशन को लेकर सरकार की आलोचना करने की पार्टी लाइन का पालन नहीं कर सकते। थरूर ने स्पष्ट किया कि वह ऑपरेशन सिंदूर को एक सफलता मानते हैं और इस मामले पर उनका रुख अपरिवर्तित है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें सदन में बोलने का मौका मिला, तो वे इस बात को दोहराएंगे। जब पत्रकारों ने इस बारे में उनसे सवाल किया, तो थरूर ने जवाब में कहा, मौनव्रत, मौनव्रत।

पति को शराब पिलाकर नहर में फेंका, प्रेमी के लिए कातिल बनी पत्नी

चन्नगिरी, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के दावणगेरे के चन्नगिरी से हत्या का मामला सामने आया। यहां एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। फिर बाद में केरल चली गई। हालांकि चन्नगिरी पुलिस ने आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी दोनों को ही गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही पुलिस ने आरोपी प्रेमी के एक दोस्त की भी गिरफ्तारी की है। मृतक पति की पहचान चन्नगिरी तालुका के अन्नापुरा गांव के रहने वाले निंगप्पा

के रूप में हुई है। आरोपी पत्नी का नाम लक्ष्मी (38) है। उसके प्रेमी का नाम तिपेश नाइक (42) है। इस मामले में तीसरे आरोपी का नाम संतोष (40) है। दावणगेरे जिले के होन्नाली तालुका के त्यागदकट्टे की रहने वाली लक्ष्मी और निंगप्पा की शादी को आठ साल हो चुके थे। शादी के आठ साल बाद भी, दंपति को कोई संतान नहीं थी। ऐसा कोई मंदिर या अस्पताल नहीं था, जहां लक्ष्मी संतान प्राप्ति के लिए नहीं जाती थी। आखिरकार, एक दिन उसे पता चला कि निंगप्पा में संतान प्राप्ति की क्षमता नहीं है। निंगप्पा सुपारी का काम करता था। तिपेश नाइक और संतोष से उसकी दोस्ती थी। दोनों उसके यहां मजदूरी करने आते थे। इसी दौरान तिपेश नाइक की मुलाकात लक्ष्मी से हुई। फिर दोनों में जान-पहचान हुई। धीरे-धीरे जान-पहचान प्यार में बदल गई। यही नहीं इसके बाद दोनों ने अवैध संबंध बनाए। नतीजतन लक्ष्मी गर्भवती हो गई। वहां लक्ष्मी और तिपेश ने निंगप्पा को जमकर शराब पिलाई। फिर उन्होंने शराब के नशे में धुत निंगप्पा को भद्रा नहर में फेंक दिया।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार,30 जुलाई - 2025

कमजोर कड़ी साबित हुए चीनी उपकरण

बहुप्रतीक्षित पहलगाम हमले के आतंकियों को जिस तरह से ट्रैक करने में चाइनीज कम्युनिकेशन डिवाइस से मदद मिली, वह अभूतपूर्व है। ये आतंकी 'अल्ट्रा सेट' नामक चीनी डिवाइस का इस्तेमाल कर रहे थे, जिसकी वजह से उन्हें ठिकाने लगाने में भारतीय सुरक्षा बल का मदद मिली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में जब इस बात की पुष्टि भी कर दी कि ऑपरेशन महादेव के तहत सोमवार को सुरक्षा बलों ने जिन तीनों पाकिस्तानी आतंकियों को ढेर किया,वे तीनों पहलगाम आतंकी हमले के गुनहगार थे, तब विपक्ष के खेमे में सन्नाटा छा गया। सोमवार को श्रीनगर में भारतीय सेना के विशिष्ट पैरा कमांडो ने एक साझा अभियान में यह कामयाबी हासिल की। इस ऑपरेशन में अंजाम देने में सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस शामिल थी। सवाल है कि तीन महीनों से ज्यादा समय तक सुरक्षा बलों को चकमा देने वाले 26 बेगुनाहों के हत्या के जिम्मेदार आतंकियों को सुरक्षा बलों ने आखिर कैसे ट्रैक किया? खबरों के अनुसार सोमवार को श्रीनगर के पास लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े जिन तीन आतंकियों को ढेर किया गया, उनमें सुलेमान उर्फ आसिफ भी है। यही वही आतंकी है जो 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड था। इसके अलावा यासिर और अबू हमजा भी मारे गए। ये तीनों ही पाकिस्तानी थे। सामने आई रिपोर्ट के अनुसार दो दिन पहले ही चाइनीज कम्युनिकेश डिवाइस ऑन किए गए थे, जिससे भारतीय सुरक्षा बलों को श्रीनगर के पास दाचीगाम के जंगलों में छिपे आतंकियों को ट्रैक करने में मदद मिली। बता दें कि भारत ने 2020 के जून में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी पीपुल्स लिब्रिशेन आर्मी के साथ भारतीय सेना के हिंसक संघर्ष के बाद चाइनीज एनक्रिप्टेड ऐप्स पर प्रतिबंध लगा दिया था। सुरक्षा बलों के इस अभियान की शुरुआत 14 दिन पहले इंटेलिजेंस इनपुट से हुई थी, जिसमें सबसे पहले 11 जुलाई को पहलगाम के बैसरन घाटी इलाके में एक चाइनीज सैटेलाइट फोन का पता लगा था। सुरक्षा बलों को तभी भनक लगी कि चाइनीज अल्ट्रा रेडियो कम्युनिकेशन एक्टिव है। आतंकवादियों ने 'अल्ट्रा सेट' नाम के एक अत्यधिक एनक्रिप्टेड चीनी कम्युनिकेशन डिवाइस का इस्तेमाल किया था। ये खास चाइनीज हैंडसेट चीनी कंपनियों ने विशेष रूप से पाकिस्तानी सेना के लिए तैयार किए हैं। ये चाइनीज संचार उपकरण संवाद के लिए रेडियो वेव्स का इस्तेमाल करते हैं। प्रत्येक 'अल्ट्रा सेट'सीमा पार मौजूद एक कंट्रोल सिस्टम से जुड़ा होता है। ऐसा कहा जाता है कि दो 'अल्ट्रा सेट' आपस में संवाद नहीं कर सकते। अल्ट्रा सेट हैंडसेट में सेल-फोन की क्षमताओं को विशेष रेडियो उपकरणों के साथ जोड़ा जाता है, जो ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल (जीएसएम) या कोड-डिवीजन मल्टीपल एक्सेस (सीडीएमए) जैसी पारंपरिक मोबाइल प्रौद्योगिकियों पर निर्भर नहीं रहता है। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 लोगों से उनका धर्म पूछकर मारा था।

लाडकी बहिण योजना का भाईचारा बेमिसाल

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

जब सरकारें योजना बनाती हैं, तो जनता लाभ उठाती है। लेकिन जब योजना बहनों के लिए हो और लाभ भाइयों को मिल जाए, तो समझिए कि हम प्रगति की उस सीढ़ी पर चढ़ चुके हैं जहाँ लिंगभेद का पूर्ण अंत हो चुका है – कम से कम बैंक खाते में।

महाराष्ट्र में 'लाडकी बहीण योजना' एक नेक उद्देश्य के साथ शुरू हुई थी कि समाज की बेटियों को आर्थिक संबल मिले, उनके विकास में रुकावट न आए, और माता-पिता बेटी होने पर दुखी न हों। योजना चल निकली। मंत्री जी ने घोषणा की, अब हर लाडकी को मिलेगा सशक्तिकरण का चैक !₹ लेकिन शायद मंत्री जी यह भूल गए कि भारत की जनता योजना की लाडली नहीं, चतुर बहन है।

कुछ समझदार पुरुषों ने योजना का उद्देश्य तो पूरी श्रद्धा से समझा - लाडकी बहनों के लिए पैसा - पर उस उद्देश्य को अपने लाभ के चश्मे से देखा। कहते हैं, भावना को समझने के लिए हृदय चाहिए, लेकिन लाभ समझने के लिए आधार कार्ड, बैंक खाता और एक अदद जुगाड़ काफी होता है। और जुगाड़ की तो क्या कहें! किसी ने खुद को भावनात्मक रूप से महिला घोषित कर दिया, किसी ने कहा हमारा नाम लाडकू नहीं, लाडकी है-आधार पर टाइपो है, और किसी ने गाँव की सबसे बुज़ुर्ग महिला को गोद ले लिया – सिर्फ इसलिए कि उसका खाता पहले से योजना में शामिल था। अब जब मंत्री जी ने खुद स्वीकार कर लिया है कि पुरुषों के खातों में पैसा गया है, तो इससे यह स्पष्ट होता है कि योजना सिर्फ लाडकी बहीण नहीं, लाडका भाऊ के लिए भी उतनी ही संवेदनशील थी। आखिर समता और समरसता की मिसाल इसी को तो कहते हैं! एक गाँव में जब बैंक अधिकारी ने किसी रमेश भाऊ से पूछा, तुम योजना के लिए पात्र कैसे हो सकते हो? तो उन्होंने सीना चौड़ा कर कहा, हमारे घर में दो बहनें हैं, उनकी चिंता में हम बीमार रहते हैं, तो ये पैसा हमारी चिंता की दवा है! अधिकारी कुछ नहीं बोले, शायद वह भी योजना के 'लाभार्थी' थे। सरकारें अक्सर कहती हैं कि योजना की निगरानी के लिए पुख़्ता इंतज़ाम हैं। और वह इंतज़ाम भी इतने पुख़्ता हैं कि जब तक जनता खुद सोशल मीडिया पर रील नहीं बनाती या टीवी डिबेट में मुंह से नहीं कहती — हां भैय्या, पैसा मेरे खाते में आया, तब तक किसी को भनक तक नहीं लगती। और रही बात नाम की, तो इसमें भी जनता ने कमाल कर दिखाया। एक महाशय ने अपनी बेटी का नाम रखा लाडकीबाई और योजना में दो बार आवेदन किया - एक बार खुद के नाम से और दूसरी बार बेटी के नाम से। जब अधिकारी ने पूछा, दोनों के नाम एक जैसे क्यों हैं?, उन्होंने जवाब दिया, ₹हम परंपरा के अनुसार नाम रखते हैं, और परंपरा दो बार भी आ सकती है! ऐसा नहीं है कि यह सब बिना साजिश के हो गया। यह तो भारतीय प्रतिभा की वह झलक है, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'जुगाड़' नाम से जाना जाता है और जिसे सरकारें योजनाओं में कभी रोक नहीं पाई हैं।

इस पूरी गड़बड़ी के बाद जब एक पत्रकार ने मंत्री से पूछा कि अब क्या कार्रवाई होगी?, तो मंत्री जी बोले – हमने जाँच समिति बना दी है, और जल्द ही दोषियों के खिलाफ सख़्त कदम उठाए जाएंगे। यह सुनते ही जनता मुस्कुरा दी -क्योंकि भारत में 'जाँच समिति' बनना, ठीक वैसा ही है जैसे घर में छत टपकने पर 'फोटो खींचकर' छत को मरम्मत के लिए प्रेरित करना।अब जब योजना का लाभ पुरुषों को भी मिल गया है, तो कुछ उत्साही संगठनों ने सरकार से अनुरोध किया है कि इसका नाम बदलकर लाडकी-लाडका समता योजना कर दिया जाए, ताकि सबको लगे कि भारत वाकई एक समभाव वाला राष्ट्र बन चुका है। तो अगली बार जब कोई योजना आए, तो आप तैयार रहिए – क्योंकि उद्देश्य चाहे जो भी हो, असली खेल तो खाता नंबर और आधार लिंकिंग का है।

धार्मिक स्थलों में भगदड़ का जिम्मेदार कौन?

अशोक भाटिया

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और भीड़-भाड़ के बीच भगदड़ एक सामान्य घटना बनती जा रही है। कभी धार्मिक सभाओं के आयोजन, रेल में चढ़ते वक्त, तो कभी मंदिरों में भगदड़ से लोगों की जान जा रही है। मगर, चिंता की बात है कि इन घटनाओं से कहीं कोई सबक नहीं लिया जाता। हर बार गहन जांच, सख्त कार्रवाई और भविष्य में एहतियाती उपाय करने के दावे तो किए जाते हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही रहता है। उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर क्षेत्र में रविवार को भगदड़ में आठ श्रद्धालुओं की मौत इसी लापरवाही का नतीजा है। हैरत की बात है कि इससे अगले ही दिन उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के अवसानेश्वर मंदिर में भी ऐसी ही घटना में दो लोगों की मौत हो गई। ऐसा लगता है कि भगदड़ का एक सिलसिला शुरू हो गया है और व्यवस्थागत खामियों की सिलवटें हैं कि ठीक होने का नाम ही नहीं ले रही हैं।

पिछले दिनों महाकुंभ में भगदड़ मचने से अनेक लोग मारे गए। इसके बाद बंगलुरु में आरसीबी की जीत के जश्न में आयोजित समारोह में भगदड़ से कई लोगों की जान चली गई। इससे पहले हाथरस के एक आश्रम में हुई भगदड़ की घटना को भी नहीं भूलाया जा सकता। सवाल है कि आखिर ऐसी कितनी घटनाओं के बाद शासन और प्रशासन चेतेगा? मनसा देवी मंदिर में भगदड़ का कारण करंट फैलने की अफवाह को बताया जा रहा है। मगर, क्या इस तरह की अफवाह को हादसे में तब्दील होने से रोका नहीं जा सकता था? प्रशासनिक अमला इस तरह की आशंकाओं का अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है?ऐसी घटनाएँ देश भर में धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक समारोहों में घातक भगदड़ की श्रृंखला में नवीनतम है।मंदिरों, रेलवे स्टेशनों और महाकुंभ जैसे बड़े स्थानों पर हुई त्रासदियों में इस साल अब तक 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। गौरतलब है कि हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में सावन के पवित्र अवसर पर घटी भगदड़ की घटना ने एक बार फिर हमारी व्यवस्थागत असफलताओं और भीड़ प्रबंधन की कमजोरी को उजागर कर दिया है। अफवाहों से उपजी यह त्रासदी महज़ एक आकस्मिक दुर्घटना नहीं थी, बल्कि वर्षों से चली आ रही लापरवाहियों और अनदेखियों का परिणाम है। यह पहली बार नहीं है, जब किसी धार्मिक स्थल पर भीड़ बेकाबू हुई हो और निर्दोष श्रद्धालुओं को अपनी जान गंवानी पड़ी हो। हर बार ऐसी घटनाओं के बाद प्रशासनिक हलचल तो होती है, परंतु समय के साथ सबक भुला दिए जाते हैं और वही चूक दोहराई जाती है।धार्मिक आयोजन, विशेष अवसरों और मेलों में लाखों की संख्या में श्रद्धालु एकत्र होते हैं। भीड़ का यह स्वाभाविक संकेंद्रण प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है। क्राउड मैनेजमेंट या भीड़ नियंत्रण कोई नया मुद्दा नहीं है, लेकिन भारत जैसे देश में, जहां आस्था के नाम पर लोगों का एक अपार जनसैलाब स्वतःस्फूर्त रूप से उमड़ता है, वहां इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

वास्तविकता यह है कि अधिकतर धार्मिक आयोजनों में भीड़ का कोई सटीक पूर्वानुमान नहीं लगाया जाता। लोग कितनी संख्या में आएंगे, कब आएंगे, किस मार्ग से प्रवेश करेंगे और किस दिशा से बाहर निकलेंगे, यह सब अक्सर नियोजन के अभाव में अधर में रहता है। ऐसे में, किसी भी छोटी-सी अफवाह, धक्का-मुक्की या अप्रत्याशित स्थिति से भगदड़ जैसी त्रासदियां जन्म लेती हैं। पिछले एक वर्ष के भीतर ही कई बड़े हादसे यह सिद्ध कर चुके हैं कि हमारी प्रशासनिक तैयारी, तकनीकी व्यवस्था और जन-जागरूकता गंभीर रूप से अपर्याप्त हैं। जुलाई 2024 में हाथरस में एक विशाल धार्मिक आयोजन के दौरान आयोजक भीड़ का अनुमान नहीं लगा पाए। अफरा-तफरी मची और 121 लोगों की मौत हो गई। यह त्रासदी इसलिए और भयावह रही, क्योंकि आयोजक और स्थानीय प्रशासन, दोनों ही न तो आयोजन स्थल का निरीक्षण कर पाए और न ही पर्याप्त निकास मार्ग सुनिश्चित कर सके। इसी तरह, जनवरी 2025 में तिरुपति के मंदिर के टोकन वितरण केंद्र पर अचानक भीड़ उमड़ पड़ी और व्यवस्थाएं चरमरा गईं। पुलिस हालात संभालने में असफल रही और छह लोगों की जान चली गई। ऐसे में, सवाल यह है कि टोकन वितरण जैसे डिजिटल रूप से नियंत्रित कार्य में भी इतनी भीड़ कैसे इकट्ठी हो गई? इसी साल, 2025 में महाकुंभ और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में भी ऐसा हादसा हुआ। मौनी अमावस्या के अवसर पर प्रयागराज में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच हुए हादसे और फिर दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों की देरी व प्लेटफॉर्म पर लोगों की संख्या अधिक होने से हुई भगदड़, ये दोनों उदाहरण धार्मिक आयोजनों और रोजमर्रा की भीड़भाड़ दोनों में प्रशासनिक नाकामी के परिचायक हैं।ऐसी घटनाएँ अव्यवस्था, खराब मार्ग व्यवस्था और एकल निकास प्रणाली की ओर संकेत करती है।

इन सभी घटनाओं की गहराई में जाएं, तो तीन मुख्य कारक बार-बार सामने आते हैं। पहला, अफवाह और सूचना का अभाव। जब भीड़ में किसी ने कुछ चिल्लाया, जैसे सांप है, धमाका हुआ या बिजली गिरी, तब बेकाबू स्थिति बनती है। अफवाहों को रोकने और सही सूचना समय पर देने की व्यवस्था लगभग न के बराबर होती है।दूसरा, अपर्याप्त मार्ग और निकास व्यवस्था। दरअसल, कई धार्मिक स्थलों पर मार्ग अत्यंत संकरे होते हैं, चढ़ाई-उतार होती है, मार्गों की संख्या सीमित होती है और निकास व प्रवेश एक ही रास्ते से होते हैं, इससे बेतरतीब भीड़ और जानलेवा दबाव उत्पन्न होता है, और तीसरा अधूरी और यांत्रिक प्रशासनिक तैयारी, प्रशासन के स्तर पर की गई तैयारियां अक्सर सिर्फ कागजों तक सीमित रहती हैं। जब वास्तविकता का सामना होता है तो सारी योजना चरमरा जाती है। इस समय यह आवश्यक हो गया है कि धार्मिक आयोजनों और भीड़-भाड़ वाले स्थलों पर एक व्यापक और व्यावहारिक भीड़ नियंत्रण नीति लागू की जाए।रियल-टाइम मॉनिटरिंग और तकनीकी निगरानी जरूरी रूप से हो। जैसे एयरपोर्ट या बड़े खेल स्टेडियम में कैमरे, सेंसर और एआई आधारित मॉनिटरिंग होती है, उसी तरह धार्मिक स्थलों पर भी ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए। लोगों की संख्या का लाइव ट्रैकिंग, सीसीटीवी विश्लेषण और भीड़ की गति पर नजर रखकर स्थिति को समय रहते संभाला जा सकता है। पूर्वानुमान और आंकड़ों पर आधारित तैयारी हो, श्रद्धालुओं की संभावित संख्या का अनुमान ऐतिहासिक आंकड़ों और मौसम-त्योहारों के कैलेंडर को ध्यान में रखते हुए लगाया जाना चाहिए। फिर उसी हिसाब से पुलिस बल, मेडिकल टीम, फायर ब्रिगेड, वाटर-लॉजिस्टिक्स और निकास प्रणाली तैयार की जाए।

मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हो, सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों और आयोजनों के लिए न्यूनतम मानक तय किए जाने चाहिए, जैसे चौड़ाई, प्रवेश व निकास मार्ग की संख्या, संचार व्यवस्था, ऑडियो-वीडियो सूचना प्रणाली, प्राथमिक चिकित्सा केंद्र आदि। जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए, श्रद्धालुओं को यह बताया जाना आवश्यक है कि भीड़ में कैसे चलना है, क्या नहीं करना है, अफवाहों पर कैसे प्रतिक्रिया नहीं करनी है, क्या संकेतों पर ध्यान देना है। छोटे-छोटे वीडियो, रेडियो संदेश, मंदिरों में पोस्टर, स्थानीय टीवी पर प्रचार, ये सब मददगार हो सकते हैं। इसके अलावा, कानून निर्माण और जवाबदेही तय की जानी चाहिए। कर्नाटक सरकार ने आरसीबी इवेंट हादसे के बाद एक 'क्राउड मैनेजमेंट बिल' लाने की प्रक्रिया शुरू की है। ऐसा ही हर राज्य को करना चाहिए। इस कानून में आयोजकों, स्थानीय प्रशासन, पुलिस और अन्य विभागों की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से तय की जानी चाहिए, ताकि दुर्घटना के बाद सिर्फ मुआवज़ा बांटने और जांच बैठाने तक सीमित प्रतिक्रिया न हो।

विपक्ष चुनाव आयोग के सवालों के घेरे में है

राजेश कुमार पासी

बिहार में चुनाव आयोग मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण कर रहा है और पूरा विपक्ष इसके विरोध में मानसून संसद सत्र को बर्बाद करने में लगा हुआ है । लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही को रोककर विपक्षी दल सरकार से मांग कर रहे हैं कि वो चुनाव आयोग द्वारा किए जा रहे मतदाता सूची के सत्यापन पर रोक लगा दे । हैरानी की बात यह है कि विपक्षी दल इस मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी गए थे लेकिन माननीय अदालत ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर रोक लगाने से इंकार कर दिया । क्या विपक्षी दल यह नहीं जानते कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और यह स्वतंत्र रूप से काम करती है । चुनाव आयोग संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पालन कर रहा है ।

सवाल यह है कि जो विपक्ष पिछले एक साल से संविधान की लाल किताब सिर पर उठाये घूम रहा है, वो उसी संविधान के काम में रोड़े अटका रहा है । देखा जाये तो संविधान की गर्दन पर चाकू रखकर विपक्ष उसकी रक्षा के लिए चिल्ला रहा है और संविधान जनता से बचाओ-बचाओ की गुहार लगा रहा है । कितनी अजीब बात है कि हत्यारा ही बचाने की बात कर रहा है । चुनाव आयोग पर विपक्ष आरोप लगा रहा है कि वो भाजपा के साथ मिला हुआ है और उसकी जीत के लिए नए-नए तरीके खोजता रहता है । सवाल यह है कि क्या ईवीएम से अब कोई परेशानी नहीं है. अभी तक पूरा विपक्ष ईवीएम के मुद्दे पर हंगामा कर रहा था । अब राहुल गांधी कह रहे हैं कि मतदाता सूची में हेरफेर करके भाजपा चुनाव की चोरी कर रही है। सवाल यह है कि जब भाजपा ईवीएम से चुनाव जीत सकती है तो उसे मतदाता सूची में गड़बड़ी करने की क्या जरूरत है। अगर मतदाता सूची में हेरफेर करके चुनाव जीता जा सकता है तो ईवीएम हैक करने की क्या जरूरत है ।

राहुल गांधी कहते हैं कि भाजपा ने मतदाता सूची में मतदाता जोड़कर महाराष्ट्र में चुनाव की चोरी कर ली और अब कह रहे हैं कि भाजपा बिहार में मतदाता सूची से मतदाताओं को बाहर निकाल कर चुनाव चोरी कर लेगी । सवाल यह है कि मतदाता सूची में नए मतदाता जोड़ने से चुनाव चोरी होती है या मतदाता हटाने से चोरी होती है । राहुल गांधी खुद भी नहीं जानते कि वो क्या बोलते रहते हैं और अजीब बात यह है कि एक पूरा इको सिस्टम उनकी हर उल्टी-सीधी बात को सही सिद्ध करने में लगा रहता है । चुनाव आयोग पर लगे आरोपों को स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि वो सीधे तौर पर देश की जनता के प्रति उत्तरदायी होता है । यही कारण है कि विपक्ष के आरोपों के जवाब में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने विपक्ष से ही सवाल पूछ लिए हैं. हालांकि विपक्ष उनके सवालों के जवाब कभी नहीं देगा लेकिन जनता तो उनके सवालों पर विचार करने वाली है । विपक्ष जवाब दे या न दे लेकिन वो देश की जनता के सामने सवालों के घेरे में तो आ ही गया है । दिन-रात लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ने को दावा करने वाले विपक्ष से ही उन्होंने सवाल पूछ लिया है कि क्या चुनाव आयोग लोकतंत्र की हत्या होने दे । मतलब साफ है कि जैसे विपक्ष संविधान की हत्या करने की कोशिश में है वैसे ही वो लोकतंत्र की हत्या की कोशिश भी कर रहा है ।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने सवाल उठाया है कि क्या आयोग बिहार में मृत मतदाताओं, राज्य छोड़ने वाले मतदाताओं और फर्जी मतदाताओं को वोट डालने दे । उन्होंने विपक्ष से पूछा है कि क्या मृत मतदाताओं का नाम हटाना गलत है । उन्होंने कहा है कि क्या विदेशी मतदाताओं को सूची में बना रहने दिया जाए । उन्होंने सवाल उठाया है कि क्या पारदर्शी प्रक्रिया से तैयार की जा रही मतदाता सूची निष्पक्ष चुनाव और एक मजबूत लोकतंत्र की आधारशिला नहीं है । उन्होंने कहा है कि राजनीतिक विचारधाराओं से परे जाकर इन कठिन प्रश्नों पर गहराई से विचार करना चाहिए । वैसे उनका यह विचार सही नहीं है क्योंकि वर्तमान विपक्ष राजनीतिक विचारधारा से परे जाकर देशहित में कोई विचार नहीं कर सकता । उनका यह अनुरोध बेकार जाने वाला है । उन्होंने कहा है कि भारत का संविधान भारतीय लोकतंत्र की जननी है । विपक्ष के भारी विरोध के सम्बन्ध में उन्होंने कहा है कि क्या इन बातों से डरकर और निर्वाचन आयोग को कुछ लोगों के बहकावे में आकर संविधान के विरूद्ध जाकर, पहले बिहार में, फिर पूरे देश में, मृत मतदाताओं, स्थायी रूप से पलायन कर चुके मतदाताओं, दो स्थानों पर वोट दर्ज करने वाले मतदाताओं, फर्जी मतदाताओं या विदेशी मतदाताओं के नाम पर फर्जी वोट डालने का रास्ता साफ करना चाहिए । स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जितनी जरूरत सत्ता पक्ष की है, उतनी ही जरूरत एक सकारात्मक विपक्ष की है । विपक्ष को सत्ता पक्ष की जनविरोधी और देशविरोधी नीतियों का विरोध करना चाहिए लेकिन उसके लिए उसके पास तथ्य और तर्क होने चाहिए । सवाल यह है कि क्या हमारे विपक्षी दलों के पास मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा खड़े किए गए सवालों के जवाब में उचित तथ्य और तर्क हैं । अगर होते तो अब तक विपक्षी दल इन सवालों के जवाब मीडिया में आकर दे देते लेकिन विपक्ष इन सवालों पर चुप है । ऐसा लगता है कि नकारात्मक विपक्ष भारत की किस्मत में लिख दिया गया है जिसके कारण जनता में विपक्ष के प्रति मायूसी बढ़ती जा रही है । संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ने का दावा करने वाले विपक्ष को देश की किसी भी संवैधानिक संस्था पर भरोसा नहीं है । जब विपक्ष को संविधान द्वारा बनाई गई संवैधानिक संस्थाओं पर ही भरोसा नहीं है तो क्यों न माना जाए कि उसे संविधान पर भरोसा नहीं है ।देश के मतदाताओं द्वारा बार-बार नकारे जाने के बाद अपनी हार को स्वीकार न करने की जिद्द विपक्ष पर सवार है । यही कारण है कि विपक्ष अपनी हार को ठीकरा पहले ईवीएम पर फोड़ रहा था और अब वो मतदाता सूची के बदलाव पर फोड़ रहा है । विपक्ष भूल जाता है कि इसी ईवीएम और मतदाता सूची से उन राज्यों में भी चुनाव हुआ है, जहां वो सत्ता में है । चुनाव आयोग चुनावी कार्यों के लिए केन्द्र सरकार और राज्य सरकार में कार्यरत कर्मचारियों का इस्तेमाल करता है जिनकी निष्ठा पर सवाल खड़े नहीं किए जा सकते । एक सच यह भी है कि ज्यादातर सरकारी कर्मचारी भाजपा विरोधी माने जाते हैं । अब सवाल उठता है कि क्या इन सरकारी कर्मचारियों को इस्तेमाल चुनाव आयोग किसी किस्म की हेराफेरी के लिए कर सकता है । वास्तव में सरकारी कर्मचारी चुनावी काम पूरी निष्ठा से करते हैं क्योंकि गलती करने पर उनकी नौकरी को खतरा पैदा हो सकता है और सरकारी कर्मचारी अपनी नौकरी के लिए कोई जोखिम नहीं उठाते । देखने में आ रहा है कि जब से मोदी सरकार आई है, देश का विपक्ष सरकार द्वारा किए जा रहे हर सुधार का विरोध करता है । विरोध करना विपक्ष का काम है लेकिन विरोध तार्किक होना चाहिए लेकिन विपक्ष सिर्फ विरोध के लिए विरोध करता है । मुख्य चुनाव आयुक्त ने जो सवाल उठाए हैं उनका जवाब विपक्ष को देना चाहिए ।

स्वाभिमानी से बातचीत

डॉ टी महादेव राव

चीन के प्रेसीडेंट जिन पिंग उदास बैठे और गहरी सोच में डूबे हुए थे। उन्हें बुरा लगा था कि सियान्शा मोदी चीन की सीमा रेखा तक आए, लेकिन चीन के अंदर नहीं आए। घर तक आकर द्वार से ही लौट गए हैं। इसका अर्थ है कि चीन की कुछ रीति-रिवाजों ने उन्हें रास्ते में दुखी किया होगा। मन दुखाया होगा। सोच रहे थे उनके जाने के बाद चीनी सेना पीछे लौट आई है। सारे शिविर हटा दिए गए हैं। शांति की कोशिशें जारी हैं। उन्हें लगा सियान्शा मोदी यहाँ तक आकर भी नहीं मिले, उनसे एक बार फोन पर बात किया जाये। विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि लिजियन को फोन किया और कहा - "क्या मैं अभी सियान्शा मोदी से बात कर सकता हूं?" लिजियन ने उत्तर दिया – "बात तो कर सकते हैं प्रेसिडेंट! लेकिन मोदी आपसे बात करे, शायद यह जल्दी संभव नहीं होगा, जैसा की मुझे लगता है।" "ठीक है। सियान्शा मोदी से बात करने के पहले किसी और से बात कर सकते हैं क्या देखो ज़रा।" "शायद बात नहीं कर सकते हैं मिस्टर प्रेसिडेंट। अमेरिका के साथ हमारी व्यापारिक लड़ाई और नैतिक लड़ाई चल रही है। ताइवान के साथ मुख्य भूमि विवाद चल रहा है। हांगकांग के साथ सांस्कृतिक अनबन है। ब्रिटेन के साथ हांगकांग के लिए मनमुटाव चल रहा है। जापान के साथ डिप्लोमसी युद्ध जारी है। इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, वियतनाम यह सारे जगहों पर साउथ सी वार चल रहा है।" बताया लिजियन ने। जिन पिंग ने माथा ठोक लिया। किस ने इसे विदेश मंत्रालय का प्रतिनिधि बना दिया। मेरे मन की बात भी जान नहीं सकता। अपने आपको संभालते हुये सोचा शायद इसे मेरी बात समझ में नहीं आई। "मुझसे बात कराने के लिए कहने का मतलब है दूसरे देशों में किसी से बात करना नहीं है। मेरा आशय है भारत में कोई है जिससे मैं बात कर सकूं?" "भारत के साथ हमारा सीमा युद्ध चल रहा है न मिस्टर प्रेसिडेंट!" बड़ी मासूमियत के साथ लिजियन ने उत्तर दिया। जिन पिंग को लगा इसे बदल दिया जाना चाहिए। कुछ समझता ही नहीं है। फिर संभल कर कहा – "देशों के बीच जब युद्ध चले, तब देशों के लोगों के बीच में भी युद्ध चलता रहता है। मोदी के साथ लड़ते रहने वाले कोई तो होंगे, ऐसे व्यक्ति की मुझसे बात कराओ" कहकर जिन पिंग ने फोन काट दिया। थोड़ी देर बाद फोन बज उठा। "कौन? सियान्शा मोदी हैं?" जिन पिंग ने पूछा। "ना, वे नहीं हैं। उनके लिए कोशिश करना मुझे ठीक नहीं लगा। इसलिए कोशिश करते ही एक बार में ही मिलने और बात करने वाले व्यक्ति को मैंने पकड़ा है।" लिजियन ने नम्रता पूर्वक कहा। जिन पिंग को गुस्सा आया। बोले – "मुश्किल काम करना सीखो लिजियन! कब तक विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि बने रहोगे। चीन काफी बड़ा है और धीरे-धीरे और भी बड़ा होता जाएगा।" "मिस्टर प्रेसिडेंट! यह व्यक्ति एक बार में तो मिल गए। लेकिन बात करने के लिए एकबारगी तैयार नहीं हुए। उन्हें लगातार मनाना पड़ा है और बहुत मुश्किल हुई है। लाइव में हैं फोन मिलाऊँ?"

अर्थतंत्र से जुड़ी मानवीय विकास की पटकथा में नवीनता भी आवश्यक

संजीव ठाकुर

वर्तमान समय में वैश्विक प्रगति और आर्थिक स्रोत तंत्र के लिए आधुनिक तथा वैज्ञानिक शिक्षा जरूर अत्यंत आवश्यक है। हमे केवल आधुनिक विचारधारा शिक्षा पद्धति पर निर्भर न रहकर अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और सनातन संस्कृति के धरातल से जुड़ना होगा। तब जाकर सनातनी संस्कृत विचारधारा एवं आधुनिक वैज्ञानिक शिक्षा पद्धति का संतुलन यथोचित तरीके से हो पाएगा ।

भारत का सांस्कृतिक, सनातनी, वैदिक इतिहास सदैव गौरवपूर्ण रहा है। वेदों पुराणों और सनातनी संस्कारों में इतनी शक्ति है कि भारतीय संस्कृति अनंत काल तक कभी नष्ट नहीं हो सकती है। भारतीय संस्कृति का लचीलापन एवं व्यापक ग्राह्यता इतनी विशाल है कि इस सभ्यता ने कई सभ्यताओं को अपने में समाहित कर एक विशाल धर्मनिरपेक्ष वातावरण तैयार किया है और वट वृक्ष की तरह अपनी शाखाएं वैश्विक स्तर पर प्रचारित, प्रसारित की है। यह वैदिक अध्यात्म योग और संस्कृति का ही प्रतिफल है कि भारत के नागरिक विश्व में चहुंओर निवास कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि भारत को अपनी संस्कृति आध्यात्मिक तथा संस्कारों के आत्म बल के दम पर विश्व का नेतृत्व करना होगा एवं विश्व गुरु बनने की प्रक्रिया में नए नए सोपान निर्मित करने होंगे । प्रारंभ से ही शांति तथा मानवता को लेकर भारत में अपनी विकास यात्रा प्रारंभ की है आध्यात्मिक चिंतन और सनातनी इतिहास इस बात का गवाह है कि भारत विश्व शांति की बहाली के लिए विश्व को मार्गदर्शन देने का हौसला तथा क्षमता दोनों रखता है। अब यह समय आ चुका है कि भारत को विश्व का मार्गदर्शी प्रणेता बन जाना चाहिए।

जिंदगी का कैनवास जन्म से लेकर मृत्यु तक समुद्र की तरह विराट और गहराई लिए हुए होता है। जीवन में वयक्तिक, पारिवारिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक विकास की संभावनाओं के साथ मनुष्य अपना जीवन प्रारंभ कर विकास तथा ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है। बशर्ते उसके व्यक्तित्व में जीवन के प्रति जीजिविषा, संघर्ष करने की क्षमता, आत्म विश्वासके घटक मौजूद हों। ऐतिहासिक तौर पर भारतीय विकास की सांस्कृतिक संरचना एवं संस्कार के मूलभूत तत्वों को लेकर दुनिया में अभूतपूर्व रही है। वैसे भी भारतवर्ष सभ्यता से लेकर संस्कृति के मामले में वैभवशाली इतिहास को समेटे हुए हैं। विकास और प्रगति के सोपान को एक दिन,वर्ष या दशक में रेखांकित नहीं किया जा सकता, यह एक निरंतर, सतत एवं समय के साथ चलने वाली क्रिया की प्रतिक्रिया है। प्रकृति सभ्यता तथा मानव जीवन में परिवर्तन एक अकाट्य सत्य और शाश्वत अभिक्रिया है। व्यक्ति के जीवन तथा समाज या देश में विकास के संदर्भ में एवं घटकों को प्रारंभ से आदमी का धन उपार्जन, गरीबी भुखमरी से लड़ाई भूतकाल की कुरीतियों की विडंबना से संघर्ष का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। किसी भी राष्ट्र के राजा, सम्राट या राष्ट्र प्रमुख की अपनी क्षमता ,शक्ति, ऊर्जा और उसके विवेक से उस राष्ट्र की प्रगति विशाल या न्यूनतम होती देखी गई है। भूतकाल में कई संघर्षशील एवं उत्साह से लबरेज यात्रियों के वृतांत हमारी नजरों में आए हैं यथा कोलंबस और वास्कोडिगामा जैसे अत्यंत ऊर्जावान संघर्षशील और साहसिक यात्रियों द्वारा लगभग नामुमकिन रास्तों की खोज कर एक मिसाल कायम की है। नेपोलियन का एक बड़ा सूत्र वाक्य था कुछ भी असंभव नहीं है। बिस्मार्क जर्मनी के एक ऐसे सम्राट रहे हैं जिनके बारे में कहा जाता है की उनके हाथों में दो गेंद तथा 3 गेंदें हवा में होती थी, यूरोप का जादूगर भी कहलाता था, पूर्व से ही समुद्रगुप्त ,कनिष्क, सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, शेरशाह सूरी जैसे शासकों का अदम्य आत्मविश्वास एवं संघर्ष करने की क्षमता के फल स्वरुप भी भारत आज इस स्वरूप में विद्यमान है। अर्थशास्त्रीय दृष्टिकोण से भी किसी भी राष्ट्र में सदैव विकास वैभव और आर्थिक तंत्र को मजबूत करने की संभावनाएं अवस्थित रहती हैं। भारत की विशाल जनसंख्या को देखते हुए भारत में गरीबी, भुखमरी ,बाढ़ तथा अन्य विभीषिका सदैव आती जाती रहती हैं। विशाल जनसंख्या के होने के कारण भारत में ही भारत की बड़ी जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है और केवल भारत के कुछ नागरिकों को ही सारी जीवन की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, बाकी लोग इन सुविधाओं से वंचित भी हैं।

हमारा देश स्वतंत्रता के बाद से ही आवाज की कमी भूख गरीबी भ्रष्टाचार काला धन हवाला कुपोषण बेरोजगारी की बड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या के बावजूद ऐतिहासिक तौर पर देश सांस्कृतिक वैचारिक और संस्कारी ग्रुप से सदैव समृद्ध रहा है और धार्मिक रूप से भी देश में ज्ञान की जड़े बहुत गहराई तक हैं। भारत को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करने के लिए वेद, पुराण, उपनिषद, गीता ,रामायण ,महाभारत महा ग्रंथों की पृष्ठभूमि बड़ी ही शक्तिशाली है।

भगवान शंकर के गले में कौन सा सांप लिपटा रहता है ?

भगवान शंकर के गले में कौन सा सांप लिपटा होता है. कैसे ये उन्हें मिला, क्या है उसकी कहानी. भारतीय देवताओं में अकेले शंकर ही हैं, जो अपने गले से इस तरह सांप को धारण करते हैं। सांपों से कई भारतीय देवताओं का रिश्ता रहा लेकिन भगवान शिव जैसा किसी का नहीं। क्या है इसकी कहानी।

भगवान शंकर के गले में वासुकी नामक सर्प लिपटा रहता है। वासुकी को नागों के राजा के रूप में जाना जाता है. शिव पुराण, विष्णु पुराण जैसे ग्रंथों में इसका बारे में कहा भी गया है. भगवान शंकर के गले में सर्प का होना उनके संन्यासी और तपस्वी स्वरूप का प्रतीक है. जो ये दिखाता है कि भयंकर सर्पों को भी अपने वश में रखते हैं. लेकिन वासुकी उनके पास आया कैसे।

क्या थी वासुकी की समुद्र मंथन में भूमिका

वासुकी और भगवान शंकर के संबंध की कहानी मुख्य रूप से समुद्र मंथन से जुड़ी है, जो पुराणों में कही जाती है. समुद्र मंथन के समय, देवताओं और असुरों ने मिलकर अमृत प्राप्त करने के लिए समुद्र का मंथन किया. इस काम में मंदार पर्वत को मथानी और वासुकी नाग को रस्सी के रूप में उपयोग किया गया. वासुकी ने इस काम में पूरी निष्ठा से सहयोग दिया, भले ही इस मंथन में उन्हें काफी कष्ट भी हुआ.

क्यों वासुकी ने खुद को शंकर की सेवा में लगा दिया

मंथन के दौरान जब भयंकर विष निकला तो इतना जबरदस्त था कि सृष्टि के विनाश का ही खतरा पैदा हो गयाउत्पन्न हो गया. तब भगवान शंकर ने उस विष को अपने गले में अटका लिया, जिससे उनका गला नीला पड़ गया। वह नीलकंठ कहलाए. वासुकी भगवान शंकर के इस काम से इतने प्रभावित हुए कि खुद को शंकर की सेवा में समर्पित कर दिया. भगवान शंकर ने उन्हें अपने गले में आभूषण की तरह धारण किया।

वैसे सर्प कुंडलिनी शक्ति का भी प्रतीक है, जो योग और तंत्र में महत्वपूर्ण है। शंकर का सर्प को धारण करना आध्यात्मिक जागरण और शक्ति का प्रतीक माना जाता है. वासुकी का भगवान शंकर के गले में होना केवल एक शारीरिक आभूषण नहीं, बल्कि गहरे आध्यात्मिक और दार्शनिक अर्थों का प्रतीक भी है।

ऋषि कश्यप के बेटे थे वासुकी

वासुकी को नागों का राजा माना जाता है. वह कश्यप ऋषि और उनकी पत्नी कद्रू के पुत्र थे, जो नागों की माता थीं. वासुकी का रूप विशाल और भव्य बताया जाता है. पुराणों में उन्हें हजारों फनों वाला सर्प कहा गया है, जिनके फन रत्नों से सुशोभित थे। कहा जाता था कि वासुकी अमर और बहुत शक्तिशाली नाग थे। वासुकी कुंडलिनी शक्ति का प्रतीक माने जाते हैं. महाभारत में वासुकी का उल्लेख कई बार हुआ है।

भगवान विष्णु का सर्प से संबंध

भगवान विष्णु का भी सांपों से गहरा संबंध है, विशेष रूप से शेषनाग (अनंत नाग) के साथ। शेषनाग को विष्णु का आसन माना जाता है। वे क्षीरसागर में शेषनाग की शय्या पर विराजमान रहते हैं। हालांकि, विष्णु सर्प को गले में नहीं लिपटाते बल्कि शेषनाग उनके रक्षक और सहायक के रूप में उनके नीचे या आसपास दिखाए जाते हैं। शेषनाग को विष्णु का परम भक्त और उनके अवतारों (जैसे लक्ष्मण और बलराम) का रूप माना जाता है।

मनसा देवी का भी सांपों से गहरा रिश्ता

मनसा देवी को नागों की देवी भी कहा जाता है. उनका सांपों से गहरा संबंध है। मां मनसा को सांपों की रक्षक और नियंत्रक माना जाता है. उनकी मूर्तियों में सर्प उनके आसपास या हाथों में दिखाए जाते हैं।

गणेश जी पेट में बांधते हैं

भगवान गणेश को कुछ चित्रों में सर्प को कमरबंद (कटि-सूत्र) के रूप में धारण करते हुए दिखाया जाता है. यह विशेष रूप से दक्षिण भारतीय मूर्तिकला और कुछ क्षेत्रीय परंपराओं में देखा जाता है. ये कमर के आसपास होता है.

कृष्ण और कालिया नाग

भगवान कृष्ण का कालिया नाग के साथ प्रसिद्ध प्रसंग है, जहां उन्होंने कालिया नाग का दमन किया. उसे यमुना नदी से बाहर खदेड़ दिया।

महाबलीपुरम का शोर मंदिर

जहां एक साथ होते हैं भगवान शिव-विष्णुजी के दर्शन

भगवान शिव का प्रिय माह सावन अब अंतिम पड़ाव की ओर है। देशभर के शिव मंदिरों में 'हर हर महादेव' और 'बोल बम' की गूंज सुनाई दे रही है। भोलेनाथ के भक्त जल लेकर शिव मंदिर पहुंच रहे हैं।तमिलनाडु के महाबलीपुरम में स्थित 'शोर मंदिर' ऐसा ही एक अनूठा तीर्थस्थल है, जहां आस्था, इतिहास और आश्चर्य का अद्भुत संगम है। 8वीं शताब्दी में बना यह मंदिर भगवान शिव (हर) और भगवान विष्णु (हरि) को समर्पित है।

'समुद्र तट का मंदिर'

समुद्र तट पर बने इस मंदिर की भव्यता और द्रविड़ वास्तुकला इसे विश्व प्रसिद्ध बनाती है।तमिलनाडु पर्यटन विभाग के अनुसार, शोर मंदिर दक्षिण भारत के सबसे प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिरों में से एक है।इसे 'समुद्र तट का मंदिर' भी कहा जाता है।पल्लव वंश के राजा राजसिम्हा (नरसिंहवर्मन द्वितीय) के शासनकाल में निर्मित यह मंदिर द्रविड़ वास्तुकला का उत्कृष्ट नमूना है।

तीन गर्भगृह, जहां हैं भगवान शिव और विष्णु

मंदिर परिसर में तीन गर्भगृह हैं, जिसमें मध्य में भगवान विष्णु का मंदिर और दोनों ओर भगवान शिव के मंदिर हैं।कटे हुए पत्थरों और ग्रेनाइट ब्लॉकों से बना यह मंदिर पिरामिडनुमा कुटीना-प्रकार की मीनार के साथ अपनी अनूठी बनावट को दिखाता है।

शोर मंदिर की कहानी भी कम रोचक नहीं है। यह मंदिर सालों रेत के नीचे दबा था। साल 2004 की विनाशकारी सुनामी, जिसने तटीय क्षेत्रों को तहस-नहस कर दिया, भी इस मंदिर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकी।

माना जाता है कि यह मंदिर मार्को पोलो के वर्णित सात पैगोडा में से एक है।ऐसी मान्यता है कि इस तट पर बने सात मंदिरों में से छह अभी भी समुद्र में डूबे हुए हैं और शोर मंदिर इस श्रृंखला का अंतिम बचा हिस्सा है।

यूनेस्को ने 1984 में इसे विश्व धरोहर स्थल में शामिल किया। पल्लव राजाओं द्वारा 7वीं और 8वीं शताब्दी में बनाए गए इस मंदिर समूह में रथों के आकार के मंदिर, गुफा अभयारण्य और 'गंगा अवतरण' जैसी नक्काशी शामिल हैं।

हर और हरि की महिमा

हजारों मूर्तियों से सजा यह मंदिर हर और हरि की महिमा को दिखाता है।महाबलीपुरम की यात्रा बिना शोर मंदिर के दर्शन के अधूरी मानी जाती है।यह मंदिर न केवल आध्यात्मिक महत्व रखता है, बल्कि अपनी ऐतिहासिक और स्थापत्य सुंदरता के लिए भी पर्यटकों को आकर्षित करता है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने मंदिर को नुकसान से बचाने के लिए समुद्र तट के चारों ओर ब्रेक-वाटर दीवार का निर्माण किया है।शोर मंदिर के आसपास के क्षेत्र का सौंदर्यीकरण किया गया है।एएसआई की बागवानी शाखा ने शोर मंदिर के चारों ओर 10 एकड़ से ज्यादा जमीन पर लॉन बनाया है।

बांस का पौधा घर की इस दिशा में लगाएं

धन-दौलत में होगी दोगुनी वृद्धि

बांस का पौधा घर में इस स्थान पर रखें

वास्तुशास्त्र के अनुसार, बांस का पौधा घर में सही दिशा में लगाना बहुत फलदायी होता है। माना जाता है कि इसे घर में ड्राइंग रूम या लिविंग रूम में रखा जा सकता है। ऐसा करने से परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम बना रहता है और गृह क्लेश से भी निजात मिलती है। अगर आप सही स्थान पर बांस का पौधा रखते हैं, तो इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगता है और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। यह पौधा आपके भाग्य को भी बदल सकता है और परिवार के सदस्यों के जीवन में खुशहाली दस्तक देने लगती है।

बांस का पौधा घर की इस दिशा में लगाएं

माना जाता है कि बांस के पौधे को हमेशा सही दिशा में ही लगाना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति को घर की कई समस्याओं से निजात मिल सकती है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक, बांस का पौधा घर या ऑफिस में पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम होता है। इसके अलावा, आप उत्तर दिशा में भी बांस का पौधा लगा सकते हैं। अगर आप लंबे समय से पैसों की तंगी का सामना कर रहे हैं, तो एक बार बांस का पौधा

घर पर जरूर लगाकर देखें। ऐसा करने से घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और धन-संपत्ति में वृद्धि होने लगती है।

बांस का पौधा लगाने के वास्तु नियम

वास्तु के अनुसार, गलती से भी बांस के पौधे को बाथरूम या टॉयलेट के पास नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा, किचन में भी इस प्लांट को लगाने की मनाही होती है। बांस का पौधा कभी भी गंदे स्थान पर नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से शुभ फल की प्राप्ति नहीं होती है। साथ ही, पौधे के पानी को समय-समय पर बदलते रहना चाहिए। मान्यता है कि घर या ऑफिस में लाल रिबन से बंधा हुआ बांस का पौधा रखने से जीवन में उन्नति के नए मार्ग खुलने लगते हैं।

बांस का पौधा घर में लगाने के लाभ

माना जाता है कि घर में वास्तु के नियमों का ख्याल रखकर बांस का पौधा लगाने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और फिजूलखर्ची से भी निजात मिल सकती है। यह प्लांट परिवार के सदस्यों के बंद किस्मत के सारे दरवाजे खोल सकता है। सही दिशा में बांस का पौधा लगाने से कारोबार में उन्नति के नए मार्ग खुलने लगते हैं और जीवन में सफलता प्राप्त होती है। इससे घर का माहौल हमेशा खुशनुमा बना रहता है। बांस के पौधे को सौभाग्य का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे में इसे घर में लगाने से सौभाग्य का आगमन होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आने लगती है।

इस मंदिर में पुजारी को दर्शन देती थी

काली माता, दूध बन जाता था शराब!

भारत विविधताओं का देश रहा है. यहां पर धार्मिक रूप से कई मान्यताएं भी प्रचलित रही. कुछ स्थान खास तरह की धार्मिक मान्यताएं होती हैं। ऐसा ही एक स्थान है उत्तर प्रदेश का सुल्तानपुर जिला. जहां पर स्थित मां काली का एक ऐसा मंदिर है, जहां की मान्यता है कि पहले यहां पर चढ़ाया हुआ दूध शराब बन जाता था और यहां के पुजारी को मां काली दर्शन भी दिया करती थी. हालांकि यह स्थान ज्यादा बड़ा नहीं है, लेकिन मान्यताओं को लेकर सुल्तानपुर में काफी प्रसिद्ध है. तो आईए जानते हैं क्या है मां काली के इस स्थल का इतिहास।

यह है इतिहास

भवानी प्रसाद पांडे हुआ करते थे, जो कि काशी नरेश की पूजा पाठ करते थे. जब वे काशी नरेश के यहां से आए तो हसनपुर के राजा उनके पास आए और उनसे यहां पर शराब आदि के बारे में पूछने लगे। उसी दौरान उनके पास रखा हुआ दूध शराब बन गया और हसनपुर राजा के पैर और हाथ लकड़जंग से बंध गए। इसके बाद हसनपुर राजा ने काफी मिन्नतें की जिसके बाद काली माता ने उनको छोड़ा।

होता है भव्य भंडारा, जुटती है श्रद्धालुओं की भीड़

मां काली के स्थान पर मैं और जून के महीने में गांव वालों द्वारा एक तिथि निश्चित की जाती है और उस तिथि पर एक भव्य भंडारा आयोजित किया जाता है जिसमें दूर-दूर के श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करने आते हैं. इसके साथ ही मां काली के स्थान पर एक बड़ा चबूतरा भी बनाया गया है. जिस पर श्रद्धालु पूजा पाठ करते हैं।

सुल्तानपुर से है इतनी दूर

अगर आप भी मां काली के इस मंदिर में आना चाहते हैं तो आपको सुल्तानपुर से कुड़वार रोड पर लगभग 22 किलोमीटर की यात्रा करनी होगी. उसके बाद आपको वहां बड़नपुर गांव में यह स्थान देखने को मिल जाएगा. भौतिक रूप से यहां कोई बड़ा ढांचा नहीं है, लेकिन मान्यताओं के हिसाब से यहां पर जो भी व्यक्ति सच्चे भाव से अपनी मुरादें लेकर आता है, उसकी सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

घर की इस दिशा में रखकर देखें मोर पंख, धन से भर जाएगी तिजोरी

घर में इस दिन ला सकते हैं मोर पंख

अगर आप मोर पंख घर में लाकर रखने का विचार बना रहे हैं, तो इसे कुछ शुभ स्थान पर ला सकते हैं। वैसे तो मोर पंख किसी दिन भी घर लाया जा सकता है, लेकिन शुक्रवार या सोमवार के दिन इसे लाना बेहद शुभ माना जाता है। शुक्रवार का दिन माता लक्ष्मी को समर्पित होता है। ऐसे में इस दिन मोर पंख लाने से मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही, जीवन में खुशहाली आने लगती है। इसके अलावा, सोमवार के दिन भी मोर पंख घर लाना फलदायी हो सकता है। इससे आपको भगवान कृष्ण की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है और घर की समस्याओं से भी निजात मिल सकती है।

मोर पंख घर की इस दिशा में रखें

वास्तुशास्त्र के अनुसार, मोर पंख बेहद शुभ होता है। ऐसे में इसे सही स्थान पर दिशा में रखना बहुत जरूरी माना जाता है। ऐसे में अगर आप घर में मोर पंख लाने वाले हैं या पहले से घर में मोर पंख है, तो इसे आज ही सही दिशा में रख लें। वास्तु के मुताबिक, मोर पंख को हमेशा घर की उत्तर या पूर्व दिशा में रखना चाहिए। इन दिशाओं में मोर पंख को रखने से शुभ फल की प्राप्ति होती है और घर में हमेशा सकारात्मकता बनी रहती है। आप मोर पंख को ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में भी रख सकते हैं। इस दिशा से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। यही कारण है कि घर में इस स्थान पर शुभ चीजों को रखने से नकारात्मकता दूर होने लगती है।

मोर पंख घर में रखने के विशेष वास्तु नियम :

वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में मोर पंख को पूजा के स्थान या मुख्य द्वार के ऊपर लगाया जा सकता है। इससे घर का माहौल हमेशा खुशनुमा और शांतिपूर्ण बना रहता है। इसके अलावा, बच्चों के स्टडी रूम में भी मोर पंख लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

अगर बच्चों का मन पढ़ाई में नहीं लगता है या इधर-उधर भटकता रहता है, तो उनके पुस्तक के बीच एक मोर पंख रखा जा सकता है। ऐसा करने से बच्चों के जीवन में सकारात्मकता आती है और एकाग्रता भी बढ़ती है।

वास्तुशास्त्र के अनुसार, भूलकर भी मोर पंख को घर में गंदे स्थान पर नहीं रखना चाहिए। साथ ही, उस पर धूल-मिट्टी भी नहीं होना चाहिए। इससे जातक को अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, मोर पंख पर गलती से भी पैर नहीं लगाना चाहिए।

मान्यता है कि मोर पंख को गलती से भी घर में बाथरूम या टॉयलेट के पास वाली दीवार पर नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मकता आ सकती है और समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

अगर घर की दीवारों को इन रंगों से किया पेंट तो टूटेगा मुसीबतों का पहाड़

नौकरी और रिश्ता दोनों हो जाएगा चौपट

वास्तु शास्त्र के जानकार मनोत्पल झा के अनुसार दीवारों का रंग सिर्फ सजावट का ही हिस्सा नहीं होता है. बल्कि यह आपके जीवन में ऊर्जा, धन और स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव डालता है. अगर दीवारों पर वास्तु के अनुसार पेंट नहीं किया जाता है, तो आपके जीवन में आर्थिक तंगी, मानसिक तनाव और पारिवारिक अशांति आ सकती है।

1. **काले रंग का पेंट:** लोग अपने घर की दीवारों पर काला रंग का पेंट कर देते हैं, जबकि वास्तु में इस रंग को अशुभ माना गया है. काला रंग नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है और मानसिक तनाव, अकेलापन और अवसाद को बढ़ावा देता है. इसके साथ ही धन का आगमन भी रुकने लगता है।

2. **गहरे भूरे रंग का पेंट:** इसे स्थिरता का प्रतीक माना जाता है, लेकिन घर की दीवारों पर इसका उपयोग भारीपन और सुस्ती लेकर आता है. इससे पारिवारिक रिश्तों में कटुता बढ़ती है और नौकरी तथा व्यापार में भी बाधाएं आने लगती हैं।

3. **डार्क कलर:** अगर आप अपने घर के अंदर और बाहर कमरे को डार्क कलर से रंगते हैं, तो यह निराशा, अकेलापन, आर्थिक तंगी और असफलता का संकेत बन जाता है. ऐसे रंग व्यक्ति की सोच को नकारात्मक बना देते हैं, जिससे मौके हाथ से फिसल जाते हैं।

4. **लाल रंग:** लोग अपने घर की दीवारों पर लाल रंग का पेंट कर देते हैं. लाल रंग ऊर्जा का प्रतीक है, लेकिन इसका अत्यधिक प्रयोग आक्रामकता, तनाव और मन की अशांति का कारण बन सकता है. खासकर बेडरूम या पूजा स्थान पर इसका प्रयोग नहीं करना चाहिए. बहुत चटक लाल गुस्सा और अस्थिरता का प्रतीक माना जाता है।

5. **गहरा नीला रंग:** इसे भारीपन और कैरियर में रुकावट डालने वाला माना जाता है. लोग नीला रंग शांति का प्रतीक मानकर दीवारों पर लगा देते हैं, लेकिन गहरे नीले रंग से दीवारों को पेंट करना अशुभ माना जाता है. यह रंग भारीपन और सुस्ती को दर्शाता है, जिससे व्यक्ति का मन काम में नहीं लगता और तरक्की के सभी रास्ते बंद हो जाते हैं।

फातिमा सना शेख ने आर माधवन के साथ शेयर की तस्वीरें, लिखा- मेरे फेवरेट को-एक्टर

अभिनेत्री फातिमा सना शेख अपनी फिल्म 'आप जैसा कोई' को लेकर सुर्खियों में हैं। फातिमा सना शेख लगातार इसका प्रचार कर रही हैं। ऐसे में अब अभिनेत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 'आप जैसा कोई' की बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं हैं और एक नोट लिखा है। उन्होंने अपने सह-कलाकार की तारीफ की है।

फातिमा ने आर माधवन को बताया पसंदीदा सह-कलाकार

आर माधवन के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए फातिमा सना शेख ने पोस्ट में लिखा है 'मेरे सबसे पसंदीदा सह-कलाकार। इस पूरे शूट को बहुत आसान बनाने के लिए शुक्रिया। उसके लिए भी शुक्रिया कि आपने हमें हर रोज अम्मा का सांभर मसाला खिलाया और फिलटर कॉफी पिलाई। गुलाब जामुन खिलाने के लिए भी शुक्रिया। आर माधवन आप बहुत अच्छे इंसान हैं।'

फातिमा ने की विवेक सोनी की तारीफ

इससे पहले फातिमा सना शेख ने 'आप जैसा कोई' के निर्देशक विवेक सोनी के साथ

इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की थीं। उन्होंने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा था 'अपनी रोजाना की सेल्फी से लेकर तुम्हारे अलग अंदाज को मैं अभी भी नहीं समझ पाई। तुम्हारे साथ काम करना एक सफर जैसा है। तुम बॉलीवुड के चलते-फिरते इनसाइक्लोपीडिया हो। (मुझे अब भी नहीं पता कि तुम कैसे हर गाना, हर दृश्य याद रखते हो, तुम पागल हो।) तुममे साधु जैसी शांति है। फिल्म में मुझे मधु बनाने के लिए और उस पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद। तुम्हारी जादू वाली दुनिया का हिस्सा बनना बहुत अच्छा रहा।'

क्या है फिल्म की कहानी?

आपको बता दें कि फातिमा सना शेख की फिल्म 'आप जैसा कोई' 11 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। फिल्म में उनके साथ आर माधवन हैं। फिल्म की कहानी दो ऐसे लोगों पर आधारित जिनकी उम्र में अंतर है और वह अलग-अलग पेशे से ताल्लुक रखते हैं। दोनों के बीच प्यार हो जाता है। गलतफहमी की वजह से वह अलग हो जाते हैं। आखिर में वह साथ होते हैं।

फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। इसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला के अलावा कई लोग हैं।

'हर किसी की अपनी एक पसंद होती है' फेस सर्जरी के आरोपों पर भूमि पेडनेकर ने तोड़ी चुप्पी

इंडस्ट्री में फिलर्स, बोटोक्स और सर्जरी को लेकर अक्सर बहस होती है। सितारों को इसे लेकर आलोचनाएं भी झेलनी पड़ी हैं। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर पर भी सोशल मीडिया पर तमाम यूजर्स ने कॉस्मेटिक सर्जरी करवाने का आरोप लगाए हैं। हाल ही में सीरीज 'द रॉयल्स' में उनकी उपस्थिति ने आग में घी डालने का काम किया और इंटरनेट यूजर्स ने कथित बोटोक्स और फिलर्स के लिए भूमि को ट्रोल किया। हाल ही में अभिनेत्री ने इस पर चुप्पी तोड़ी है।

बोलीं- 'लोगों की पसंद पर राय देने वाली मैं कोई नहीं होती'

पिछले कई वर्षों से ऐसी अटकलें लगती रही हैं कि भूमि पेडनेकर ने सर्जरी कराई है। हालांकि, खुद भूमि ने ऐसी अटकलों पर हमेशा इनकार ही किया है। अब हाल ही में उन्होंने कॉस्मेटिक सर्जरी के बारे में खुलकर बात की है। हाल ही में न्यूज 18 से बात करते भूमि पेडनेकर ने कहा, 'मुझे लगता है कि हर किसी की अपनी पसंद होती है। हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जहां लोगों को अपनी पसंद खुद चुननी चाहिए। मैं कोई नहीं होती, जो लोगों की पसंद पर अपनी कोई राय बना सकूं'।

डाइट में यह चीज शामिल करना नहीं भूलतीं

भूमि ने बोटोक्स और सर्जरी को लेकर आगे कहा, 'मुझे यह भी लगता है कि इस पर बहुत ज्यादा चर्चा हो रही है'। अभिनेत्री ने आगे अपनी डाइट पर चर्चा की। भूमि ने बताया कि देसी घी उनके नियमित खाने में शामिल होता है। एक्ट्रेस ने कहा, 'लोग इससे बहुत डरते हैं, लेकिन मेरे खाने में एक चीज जरूर शामिल है और वह है वसा। मैं अपने खाने में घी बहुत ज्यादा लेती हूं। बस फर्क इतना है कि मैं घी में खाना नहीं बनाती। मैं इसे खाने के ऊपर डालकर खाती हूं। इसे अपनी रोटी पर या इडली में डालकर खाएं, यह आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है'।

स्किन केयर के टिप्स किए साझा

इससे पहले भूमि अपनी स्किनकेयर से जुड़े टिप्स भी शेयर कर चुकी हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि वे क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग (सीटीएम फॉर्मूला) पर भरोसा करती हैं। भले ही उनका शेड्यूल बहुत बिजी हो, वे इसे कभी नहीं छोड़तीं। इसके अलावा पर्याप्त मात्रा में पानी और भरपूर नींद लेना इसका राज है। भूमि के वर्क फ्रंट की बात करें तो इस साल उन्हे 'मेरे हसबैंड की बीवी' में देखा गया था।

एक्टर दर्शन के फैंस ने दी जान से मारने की धमकियां, राम्या ने दर्ज कराई शिकायत

साउथ की एक्ट्रेस और पॉलिटिशियन राम्या ने हाल ही में कन्नड़ एक्टर दर्शन के फैंस के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इस एक्ट्रेस को सोशल मीडिया पर दर्शन के फैंस जाने से मारने और रेप की धमकियां दे रहे हैं। इस पूरे मामले का कनेक्शन रेणुकास्वामी हत्याकांड से भी जुड़ता है, जिसमें एक्टर दर्शन आरोपी हैं।

राम्या बोलीं- 'मैंने इस हद तक ट्रोलिंग नहीं झेली'

एक्ट्रेस और पूर्व सांसद राम्या ने सोमवार को ऑनलाइन मिसबिहेव करने वालों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। एक्ट्रेस बताया कि कन्नड़ एक्टर दर्शन के फैंस सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल कर रहे हैं और रेप, हत्या की धमकियां दे रहे हैं। दरअसल, पिछले दिनों राम्या ने रेणुकास्वामी हत्याकांड मामले पर टिप्पणी की थी, इस केस में दर्शन आरोपी हैं। इसके बाद से ही दर्शन के फैंस उन्हें धमकियां दे रहे हैं। वह कहती हैं, 'एक सेलिब्रिटी होने के नाते मुझे ट्रोलिंग की आदत है लेकिन मैंने इसे इस हद तक नहीं झेला है।' राम्या ने कहा कि उन्होंने 24 जुलाई को रेणुकास्वामी हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही पर एक रिपोर्ट साझा की थी, जिसमें पीड़ित परिवार के लिए न्याय की मांग की गई थी। इस मामले में दर्शन मुख्य आरोपी हैं।

राम्या आगे कहती हैं, 'सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाई कोर्ट द्वारा एक्टर दर्शन को दी गई जमानत पर सवाल उठाए थे। मैंने इसी खबर की कवरेज पर कहा था कि सुप्रीम कोर्ट भारत के आम लोगों के लिए आशा की किरण है और मुझे उम्मीद है कि रेणुकास्वामी को न्याय मिलेगा।' इसके बाद ही दर्शन के फैंस ने मुझे ट्रोल करना शुरू कर दिया। बेहद अश्लील मैसेज भेजें और जाने से मारने, रेप की धमकियां दीं। ट्रोलिंग इतनी बुरी थी कि मैं सोचने लगी कि अगर मेरे (सेलिब्रिटी) लिए यह कंडीशन है, तो आम लड़कियों के लिए क्या होगा? इसीलिए मैं शिकायत दर्ज कराने आई हूं। मैंने मन ही मन सोचा कि अब समय आ गया है कि कोई कार्रवाई करे, क्योंकि यह दिखाता है कि समाज कितना गिर गया है।

राम्या की शिकायत पर होगी कार्रवाई

राम्या ने बताया कि उनकी शिकायत स्वीकार कर ली गई है और साइबर क्राइम को भेज दी गई है। वह कहती हैं, 'मुझसे न्याय का वादा किया गया था।' राम्या ने बताया कि उन्होंने 43 अकाउंट्स के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। वह कहती हैं, 'बहुत से अकाउंट्स थे लेकिन मैंने उनमें से सिर्फ उन्हीं पर शिकायत दर्ज कराई है, जो बहुत अश्लील थे।'

राम्या को इस मामले में राज्य महिला आयोग और फिल्म इंडस्ट्री फॉर राइट्स एंड इक्वैलिटी से भी सपोर्ट मिला है।

दर्शन ने कभी संपर्क नहीं किया

राम्या ने दावा किया है कि एक्टर दर्शन ने उनसे संपर्क कभी नहीं किया। वह कहती हैं, 'दो साल पहले भी, मैंने दर्शन के फैंस के मैसेज को देखा था। तब भी दर्शन ने कोई रिएक्शन नहीं दिया था। वे मुझे खासतौर पर निशाना नहीं बना रहे थे बल्कि एक्टर यश और उनकी पत्नी, सुदीप और उनकी पत्नी को निशाना बना रहे थे। यह बहुत ही अश्लील मैसेज थे। उनके बच्चों को निशाना बनाया जा रहा था। मैंने उस वक्त भी इस पर एक पोस्ट किया था, लेकिन शिकायत दर्ज नहीं कराई। काश मैंने तब भी ऐसा किया होता। शायद, रेणुकास्वामी हत्याकांड वाली घटना ना होती।'

बताते चलें कि एक्टर दर्शन पर आरोप हैं कि उन्होंने एक फैन रेणुकास्वामी का अपहरण करवाया और हत्या कर दी। रेणुकास्वामी काफी समय से एक्टर दर्शन की महिला मित्र पवित्रा गौड़ा को अश्लील मैसेज भेज रहा था।

कंगना के साथ काम करना चाहते हैं पवन कल्याण एक्ट्रेस को प्रियंका से बताया बेहतर

पावरस्टार पवन कल्याण की फिल्म 'हरि हर वीर मल्लु' सिनेमाघरों में लगी हुई है। इसी बीच एक इंटरव्यू के दौरान जब पवन कल्याण से उनकी सह-कलाकार के रूप में बॉलीवुड अभिनेत्रियों को चुनने को कहा गया, तो उन्होंने प्रियंका चोपड़ा और करीना कपूर का नाम नहीं लिया।

पवन ने की कंगना की तारीफ

एक इंटरव्यू के दौरान पवन कल्याण ने बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत को प्रियंका चोपड़ा और करीना कपूर से बेहतर अभिनेत्री बताया। उन्होंने कंगना को मजबूत अभिनेत्री कहा। खासकर उनकी फिल्म 'इमरजेंसी' में इंदिरा गांधी के किरदार के लिए उनकी तारीफ की। वहीं कंगना ने पवन के इस बयान को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया और प्यार भरे इमोजी के साथ खुशी जताई।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पवन से जब आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, कृति सेनन और कियारा आडवाणी में से चुनने को कहा गया, तो उन्होंने पहले सभी को चुना, लेकिन बाद में कृति सेनन को पसंद किया। हालांकि, कृति और कंगना में से उन्होंने कंगना को चुना।

पवन और कंगना का करियर

कंगना ने 2006 में 'गैंगस्टर' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था और 2009 में तेलुगु फिल्म 'एक निरंजन' में काम किया था। उनकी हालिया फिल्म 'इमरजेंसी' थी, जिसका निर्देशन और निर्माण भी उन्होंने किया। पवन की फिल्म 'हरि हर वीर मल्लु' हाल ही में कई भाषाओं में रिलीज हुई है। वह जल्द ही 'दे कॉल हिम ओजी' और 'उस्ताद भगत सिंह' में नजर आएंगे।

शिल्पा शेट्टी ने संजय को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं शेयर कीं तस्वीरें, एक्टर को बताया रॉकस्टार

संजय दत्त और शिल्पा शेट्टी जल्द ही फिल्म 'केडी द डेविल' में एक साथ नजर आने वाले हैं। आज संजय के 66वें जन्मदिन पर शिल्पा ने एक्टर के साथ कई शानदार तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। इसके साथ ही शिल्पा ने एक इमोशनल नोट भी लिखा है।

शिल्पा ने आज इंस्टाग्राम पर संजय दत्त के साथ दो शानदार तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही कैप्शन में एक्टर को बधाई देते हुए लिखा, 'जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं! आपकी प्रतिभा और जोश हर किरदार में चमकता है और आपका दयालु स्वभाव आपको और खास बनाता है। आपको प्यार, खुशी और अच्छा स्वास्थ्य मिले, रॉकस्टार।'

'केडी द डेविल' में साथ नजर आएंगे संजय और शिल्पा

'केडीः द डेविल' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन प्रेम ने किया है। इस फिल्म का निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस के तहत वेंकट के. नारायण ने किया है। फिल्म में ध्रुव सरजा मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा फिल्म में संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी, वी. रविचंद्रन, रमेश अरविंद, रेशमा नानाय्या और नोरा फतेही ने भी अहम भूमिका निभाई है। फिल्म का संगीत अर्जुन जन्या ने दिया है।

संजय का वर्कफ्रंट

संजय दत्त 'केडीः द डेविल' के अलावा 'बागी 4', 'धुरंधर', 'वेलकम टू द जंगल' और 'द राजा साब' में नजर आएंगे। 'बागी 4' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें संजय दत्ता के अलावा टाइगर श्रॉफ और सोनम बाजवा नजर आएंगी। इसके अलावा मल्टी स्टारर कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में भी संजय नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म 'धुरंधर' से संजय दत्त के अलावा बाकी स्टार्स का लुक भी सामने आया, जो फैंस को बेहद पसंद आया। इस फिल्म में संजय के अलावा अक्षय खन्ना, रणवीर सिंह, आर माधवन और अर्जुन रामपाल नजर आएंगे। वहीं फिल्म 'द राजा साब' में संजय एक्टर प्रभास के साथ नजर आएंगे।

कानूनी विवाद में राजकुमार राव को जमानत कोर्ट पहुंचकर किया था सरेंडर

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव अब अपने एक पुराने कानूनी विवाद को लेकर सुर्खियों में आ गए है। अभिनेता को आठ साल पुराने एक मामले में पंजाब के जालंधर कोर्ट में सरेंडर करना पड़ा। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अब उन्हें कोर्ट से जमानत भी मिल गई है। इस केस की अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी।

क्या है पूरा मामला?

ये पूरा मामला साल 2017 में रिलीज हुई फिल्म 'बहन होगी तेरी' से जुड़ा हुआ है। फिल्म में एक सीन और उससे जुड़े एक पोस्टर को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। आरोप है कि फिल्म के एक सीन में भगवान शिव के रूप में अभिनेता राजकुमार राव को बाइक पर बैठे हुए दिखाया गया था, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं।

शिवसेना नेता ने जताई थी आपत्ति

इस सीन को लेकर एक स्थानीय शिवसेना नेता ने आपत्ति जताई थी। उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसके बाद राजकुमार राव, निर्देशक नितिन कक्कड़, निर्माता अमूल विकास मोहले और सह-कलाकार श्रुति हासन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

राजकुमार राव को मिली जमानत

मामला दर्ज होने के बाद कोर्ट ने अभिनेता को समन भेजा था, लेकिन राजकुमार राव उस समय अदालत में पेश नहीं हो सके। नतीजतन, अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया। अब अभिनेता ने 28 जुलाई को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। इसके बाद उन्हें सशर्त जमानत मिल गई। गौरतलब है कि इस केस में पहले भी राजकुमार राव ने अग्रिम जमानत ले रखी थी, लेकिन कोर्ट में उनकी अनुपस्थिति के चलते वारंट जारी करना पड़ा। अब 30 जुलाई को इस मामले की अगली सुनवाई होनी है। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान राजकुमार राव या उनकी टीम की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। अभिनेता की तरफ से अभी तक इस केस पर चुप्पी ही बनी हुई है।

जल्द ही पिता बनने वाले हैं राजकुमार राव

वहीं, अगर बात उनकी निजी जिंदगी की करें, तो राजकुमार राव जल्द ही पिता बनने वाले हैं। उनकी पत्नी पत्रलेखा प्रेग्नेंट हैं और इसी खुशी के मौके पर हाल ही में अभिनेता ने अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर (गोल्डन टेंपल) में जाकर आशीर्वाद लिया। फिल्मों की बात करें तो राजकुमार राव जल्द ही 'टोस्टर' नाम की फिल्म में नजर आएंगे। इससे पहले वो इस साल 'भूल चूक माफ' और 'मालिक' जैसी फिल्मों में दिखाई दे चुके हैं।

14 हजार फीट की ऊंचाई पर -10 डिग्री तापमान में '120 बहादुर' के लिए जमकर मेहनत कर रहे फरहान

बॉलीवुड में युद्ध पर बेस्ड फिल्मों की जब भी बात होती है, तो 'LOC', 'बॉर्डर' और 'उरी' जैसी फिल्में सामने आती हैं। बस कुछ उसी उम्मीद से खुद का नाम इन्हीं फिल्मों की लिस्ट में शुमार करने आ रही है फरहान अख्तर की नई फिल्म- '120 बहादुर'। इस फिल्म में फरहान अख्तर परमवीर चक्र से सम्मानित मेजर शैतान सिंह भाटी का किरदार निभाने वाले हैं।

लद्दाख की वादियों में हुई शूटिंग

इस फिल्म को रियलिस्टिक बनाने के लिए पूरी कोशिश की जा रही है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने जानकारी दी कि इसकी शूटिंग लद्दाख की उन ऊंची पहाड़ियों पर की गई है, जहां ऑक्सीजन की कमी और तापमान का माइनस में पहुंचना आम बात है। फिल्म के एक बड़े हिस्से को 14,000 फीट की ऊंचाई पर -10 डिग्री सेल्सियस तापमान में शूट किया गया है।

कहानी 1962 के रेजांग ला युद्ध की

'120 बहादुर' उस वीरता की दास्तान है, जो 1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांग ला के मोर्चे पर लिखी गई थी। सिर्फ 120 भारतीय सैनिकों

ने हजारों चीनी सैनिकों के सामने डटकर मुकाबला किया और अपनी जान की परवाह ना करते हुए देश की रक्षा की। मेजर शैतान सिंह भाटी के नेतृत्व में लड़ी गई ये लड़ाई आज भी भारतीय सेना के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज है।

फरहान अख्तर ने किया ट्रांसफॉर्मेशन

इस फिल्म के लिए फरहान अख्तर ने न सिर्फ खुद को फिजिकली ट्रेन किया, बल्कि हाई एल्टीट्यूड पर खुद को ढालने के लिए विशेष ट्रेनिंग भी ली। सैन्य अभ्यास, हथियारों की समझ और सैनिकों की मानसिकता को समझने के लिए फरहान ने मेहनत की है।

निर्देशक और रिलीज डेट

इस फिल्म का निर्देशन रजनीश रजी घई ने किया है और इसे फरहान अख्तर, रितेश सिधवानी और अमित चंद्रा ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और मेकर्स को उम्मीद है कि ये ना सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म करेगी, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी अपनी जगह बनाएगी।

जब जेठानी हो गृहिणी और देवरानी नौकरीपेशा तो टूटने से कैसे बचाएं रिश्ता

भारतीय संयुक्त परिवार व्यवस्था में देवरानी-जेठानी का रिश्ता प्रेम और तकरार का मिश्रण होता है। ऐसे में यदि जेठानी गृहिणी हो और देवरानी नौकरीपेशा या फिर इसके उलट तो यह समीकरण थोड़ा संवेदनशील हो जाता है। दोनों की दिनचर्या, जिम्मेदारियां और अपेक्षाएं अलग-अलग होती हैं, जिससे आपसी तालमेल में खटास आने की आशंकाएं बढ़ जाती हैं। लेकिन थोड़े-से प्रयास से इस रिश्ते को मधुर बनाया जा सकता है।

सम्मान है पहली शर्त

इस स्थिति में जेठानी को समझना चाहिए कि वर्किंग देवरानी की दिनचर्या कठिन है। ऑफिस का तनाव, समय की पाबंदी और कार्य दबाव उसकी शारीरिक और मानसिक ऊर्जा पर असर डालता है। वहीं, देवरानी को भी समझना चाहिए कि जेठानी दिन भर घर संभालती है, जो एक जिम्मेदार और मेहनत भरा कार्य है। अगर दोनों एक-दूसरे की मेहनत को पहचानें और सम्मान दें तो यकीनन रिश्ते की नींव मजबूत होगी।

संवाद बनाए रखें

अक्सर रिश्तों में दरार संवाद की कमी से आती है। अगर देवरानी-जेठानी खुलकर बात करें, विचार साझा करें और समस्याओं पर साथ बैठकर चर्चा करें तो गलत-फहमियों से बचा जा सकता है। उदाहरण के लिए, अगर किसी दिन देवरानी को देर हो जाए तो वह जेठानी को पहले ही सूचित कर सकती है। वहीं, जेठानी भी किसी बात को मन में रखने के बजाय प्यार से स्पष्ट कर सकती है।

दोनों की साझी योजनाएं

घर एक साझी जगह है, इसलिए उसकी जिम्मेदारियां भी साझा होनी चाहिए। दोनों आपसी सहमति से घरेलू कार्यों की सूची बना सकती हैं, जिसमें यह तय हो कि कौन किस कार्य को निभाएगा। उदाहरण के लिए, देवरानी सुबह का काम देखे तो जेठानी शाम का खाना बना सकती है। इस तरह आपसी सहयोग से किसी एक पर बोझ नहीं पड़ेगा।

सप्ताहांत पर साथ-साथ

वर्किंग महिलाओं के लिए सप्ताह के पांच दिन बेहद व्यस्त रहते हैं। ऐसे में सप्ताहांत पर थोड़ा समय निकाल कर जेठानी को आराम देकर घर के काम करना आपसी रिश्ते में गर्मजोशी का भाव ला सकता है।

प्रतिस्पर्धा नहीं

देवरानी-जेठानी के रिश्ते में सबसे ज्यादा समस्या तब आती है, जब तुलना शुरू होती है। "वो तो सारा दिन घर पर रहती है फिर भी..." या "ऑफिस का बहाना बना कर घर के काम से बचती है!" जैसे ताने रिश्तों में खटास ला सकते हैं। दोनों को यह समझना चाहिए कि हर व्यक्ति की भूमिका अलग होती है। एक-दूसरे की तुलना करने के बजाय सहयोग करें।

तारीफ करें, संकोच नहीं

सराहना हर रिश्ते की संजीवनी है। अगर जेठानी, देवरानी के किसी कार्य की सराहना करे, जैसे- "तुम ऑफिस के साथ घर भी कितनी अच्छी तरह संभाल लेती हो", तो देवरानी का मनोबल बढ़ेगा। वहीं, देवरानी कहे- "दीदी, आप कितने सलीके से घर संभालती हैं", तो जेठानी को सम्मान का अनुभव होगा।

सब आप पर निर्भर

रिलेशनशिप काउंसलर शोभना बताती हैं, गृहस्थी संभालना और नौकरी करना, दोनों ही कार्य अपने आपमें बहुत महत्वपूर्ण हैं। दोनों कार्यों में ही नई-नई चुनौतियां आती रहती हैं। यह सोचना कि मेरा काम ज्यादा मुश्किल है, मानसिक अपरिपक्वता की निशानी है। अपने 'मैं' को दूसरे के 'मैं' से टकराने पर मानसिक अशांति ही पैदा होती है। लेकिन अगर दोनों मिलकर 'हम' बन जाएं तो पूरे परिवार में एक लयबद्धता निर्मित हो जाती है। जो रिश्ते में बड़ी है, वह छोटी का ख्याल रखे और जो छोटी है, वह बड़ी का सम्मान करे। एक-दूसरे की कमियां खोजने के स्थान पर उसके अच्छे गुणों पर ध्यान देने से जेठानी और देवरानी के बीच आत्मीयता बनी रह सकती है। आप विवाद में जीना चाहती हैं या संवाद में, इसका निर्णय आपके अतिरिक्त कोई और नहीं कर सकता।

राखी पर भाई-बहन दूर हैं तो क्या करें? ये तरीके रक्षाबंधन को बना देंगे यादगार

रक्षाबंधन भाई-बहन के उस रिश्ते का पर्व है, जिसमें दूरियां भी जुड़ाव को कम नहीं कर सकतीं। इस वर्ष रक्षाबंधन 9 अगस्त 2025 को मनाया जाएगा। लेकिन क्या हो जब भाई-बहन अलग-अलग शहरों या देशों में हों? ऐसे में क्या सिर्फ एक फोन कॉल या टेक्स्ट ही काफी है? बिलकुल नहीं, थोड़ी सी कोशिश, थोड़ी सी क्रिएटिविटी और बहुत सारा प्यार मिलकर इस रक्षाबंधन को दूरी के बावजूद दिल से करीब बना सकते हैं। इस लेख में जानिए ऐसे आसान और असरदार तरीके, जिससे आप दूर रहकर भी भाई-बहन के रिश्ते को उतनी ही गर्माहट और अपनापन दे सकते हैं और यादगार तरीके से रक्षाबंधन का पर्व मना सकते हैं।

पोस्ट, कूरियर राखी भेजें

सबसे जरूरी है कि मीलों की दूरी का असर रक्षाबंधन के पारंपरिक रिवाज पर असर न डाले। रक्षाबंधन में बहन भाई की कलाई पर राखी बांधती है। ऐसे में आप पोस्ट, कूरियर या ऑनलाइन शॉपिंग साइट के माध्यम से भाई के लिए राखी भेजें। राखी के साथ एक छोटा सा इमोशनल खत या बचपन की कोई फोटो भेजें। बहन भाई के लिए रक्षासूत्र के साथ ही मिठाई या परफ्यूम जैसे गिफ्ट भी भेज सकती हैं, जिससे वह आपकी खुशबू महसूस कर सके।

वीडियो कॉल पर मनाएं रक्षाबंधन

रक्षाबंधन के मौके पर भाई बहन भले ही दूर हैं लेकिन एक दूसरे को देखना उनके लिए मुश्किल नहीं। आप रिमोट राखी रस्म को लाइव कर सकते हैं। इसके लिए वीडियो कॉल पर भाई-बहन रक्षाबंधन का पर्व मनाएं। भाई वीडियो कॉल पर कलाई आगे करे और बहन स्क्रीन पर राखी बांधने की रस्म निभाए। साथ में आरती, मिठाई खाना और तोहफा दिखाना भी जुड़ जाए तो पल यादगार हो जाएगा।

डिजिटल राखी या एनिमेटेड शुभकामना भेजें

अब AI और एनिमेशन के जमाने में अपनी आवाज और फोटो के साथ राखी वीडियो बना सकते हैं। इंस्टाग्राम रील या व्हॉट्सअप स्टेटस से भाई-बहन एक दूसरे को खास फील कराएं।

गिफ्ट कॉम्बो भेजें

कई वेबसाइट्स हैं जो राखी के साथ मिठाई, गिफ्ट या कार्ड एक साथ डिलीवर करती हैं। साथ में शेड्यूल डिलीवरी रखें, ताकि सही दिन और सही समय पर भाई के पास आपका प्यार पहुंच सके। इसी तरह भाई भी बहन के लिए गिफ्ट भेज सकते हैं।

एक सरप्राइज वॉइस नोट

डिजिटल दौर में दूरियों को आसानी से करीबी में बदल सकते हैं। रक्षाबंधन के दिन आप अपने भाई या बहन के लिए दो तीन मिनट का एक वॉइस मैसेज रिकॉर्ड करके भेज सकते हैं, जिसमें आप साथ बिताए गए पलों को याद करें या एक पॉडकास्ट बना सकते हैं। यह छोटा सा तोहफा दिल को छूने वाला होगा, जिसे आपका भाई या बहन बार-बार सुनेंगे।

सेहत के लिए खतरनाक हो सकते हैं गोभी के कीड़े सब्जी बनाने से पहले इन तरीकों से करें सफाई

कई लोगों को गोभी बहुत पसंद होती है। हालांकि, इसमें कीड़ों का होना एक आम समस्या है। खासकर बारिश के मौसम में कीड़ों की समस्या और भी बढ़ जाती है। गोभी के पत्तों और फूलों के अंदर छोटे-छोटे कीड़े होते हैं, जो सेहत के लिए काफी खतरनाक हो सकते हैं।

अगर गोभी से कीड़ों को निकाले बगैर सब्जी बनाई जाए, तो इससे फूड पॉइजनिंग, पेट दर्द, उल्टी-दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई बार कीड़े इतने छोटे होते हैं कि आंखों से दिखाई नहीं देते। ऐसे में हम आपको 5 ऐसे उपाय बताएंगे, जिनसे आप इन कीड़ों को आसानी से साफ कर सकते हैं।

गर्म पानी का करें उपयोग

गर्म पानी से गोभी में मौजूद छोटे-छोटे कीड़ों को आसानी से निकाला जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले गोभी को छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इसे हल्के गर्म पानी में 10-15 मिनट के लिए भिगो दें। आप इसमें थोड़ा सा नमक भी मिला सकते हैं। इससे कीड़े और मिट्टी आसानी से बाहर निकल जाते हैं।

सिरका और नींबू का करें प्रयोग

सिरका और नींबू से भी गोभी को साफ किया जा सकता है। इसके लिए एक बड़े बर्तन में पानी लें और उसमें दो चम्मच सिरका या नींबू का रस मिलाएं। अब गोभी के टुकड़ों को कुछ समय के लिए इस पानी में डाल दें। इससे कीड़े और हानिकारक जीव आसानी से निकल जाते हैं।

नमक और हल्दी का करें उपयोग

नमक और हल्दी भी कीड़ों को हटाने में मददगार होते हैं। इसके लिए पानी में नमक और हल्दी मिलाएं और उसमें गोभी को डालकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें।

उबालकर पकाएं

गोभी को पकाने से पहले इसे काटकर गर्म पानी में उबाल लें। इससे कीटाणु और बैक्टीरिया भी नष्ट हो जाते हैं। इस विधि से सब्जी का स्वाद भी बेहतर हो जाता है।

माइक्रोवेव का करें उपयोग

यदि आपके पास माइक्रोवेव है, तो उसका भी उपयोग किया जा सकता है। इसके लिए गोभी को काटकर गीले कपड़े में लपेटें और माइक्रोवेव में कुछ समय के लिए गर्म करें। इससे भी कीड़े आसानी से निकल जाते हैं।

घर पर दूध से बनाएं सफेद बर्फी

सावन का महीना चल रहा है। इस महीने में बड़ी संख्या में शिवभक्त सोमवार को व्रत रखकर उनकी आराधना करते हैं। ऐसे में अगर आप भी भोलेनाथ के भक्त हैं और उन्हें घर में शुद्ध चीजों से उनके लिए भोग बनाना चाहते हैं तो यहां हम आपके लिए एक बेस्ट ऑप्शन लेकर आए हैं। बाजार से आपने कई बार दूध से बनी सफेद बर्फी तो खरीदी होगी। लेकिन क्या आपको पता है आप घर पर बिल्कुल हलवाई जैसी बर्फी बना सकते हैं। इस बर्फी से आप शिवजी को भोग भी लगा सकते हैं। आइए जानते हैं इसे बनाने का आसान तरीका।

दूध से सफेद बर्फी बनाने की आसान रेसिपी

इन चीजों की पड़ेगी जरूरत

2 कप दूध पाउडर, फुल क्रीम

कप चीनी

1 कप दूध

कप घी

3 टेबल स्पून पिस्ता, कटा हुआ

हलवाई जैसी बर्फी बनाने की विधि

दूध से हलवाई जैसी सफेद बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में दूध पाउडर लें। उसमें चीनी और दूध मिलाएं। इन्हें तब तक मिक्स करें जब तक ये पूरी तरह मिक्स न हो जाएं। इसके बाद इन चीजों को कड़ाही में डालें। फिर घी डालें। गैस को धीमा रखें। इस मिश्रण के गाढ़ा होने दें। आंच धीमी रखें और लगातार हिलाते रहें। यह मिश्रण 10 मिनट बाद पैन को छोड़ना शुरू कर देगा। इसे ओवरकुक न करें। ठंडा होने के बाद बर्फी के आटे को बेकिंग पेपर के साथ ट्रे में स्थानांतरित करें। फिर इसे धीरे से दबाएं। ऊपर से कुछ कटे हुए पिस्ता के साथ टॉप करें। फिर इसे धीरे से दबाएं। इसे 1 घंटे के लिए सेट होने तक ठंडा करें। फिर इसे चाकू से काट लें। आपकी हलवाई स्टाइल सफेद बर्फी बनकर तैयार है।

रक्षाबंधन के मौके पर अपने भाई के लिए बनाएं हलवाई जैसी बालूशाही

कोई भी त्योहार बिना मिठाई के अधूरा माना जाता है। यूं तो रक्षाबंधन पर घेवर की बिक्री सबसे ज्यादा होती है। लेकिन अगर इस बार आप अपने भाई को अपने हाथों से बनी शुद्ध, ताजी और स्वादिष्ट मिठाई खिलाना चाहती हैं तो यहां हम आपके लिए एक खास रेसिपी लेकर आए हैं। बाजार में त्योहार पर मिलावटी मिठाइयां मिलने का डर रहता है। ऐसे में आप घर में हलवाई स्टाइल बालूशाही बना सकते हैं। उसे खस्ता और स्वादिष्ट बनाने के लिए आप यहां बताए स्टेप्स फॉलो करें।

इन चीजों की पड़ेगी जरूरत

350 ग्राम मैदा

1 छोटा चम्मच बेकिंग पाउडर

1/2 कप घी

चुटकी भर नमक

पानी आवश्यकतानुसार

400 ग्राम चीनी

2-3 इलायची
2 ड्रॉप फूड कलर

3-4 केसर थ्रेड (ऑप्शनल)

तलने के लिए घी या तेल

बालूशाही बनाने की विधि

इस तरह करें आटा तैयार

हलवाई जैसी बालूशाही बनाने के लिए सबसे पहले एक मिक्सिंग बाउल में मैदा छानकर डाल दें। इसमें चुटकी भर नमक और

बेकिंग पाउडर डालें। आधा कप घी डालें। थोड़ा-थोड़ा पानी डालें और आटे को मिला लें। इसे ज्यादा गूंथे नहीं बल्कि हल्के हाथों से तैयार करें। ज्यादा गूंथने से बालूशाही में लेयर्स नहीं बन पाएंगी। इसे ढककर 15 मिनट के लिए सेट होने दें।

अब करें चाशनी बनाने की तैयारी

अब दूसरी ओर चाशनी बनाने की तैयारी करें। एक पैन में 1 कप पानी डालें और उसमें चीनी डालकर उसे पहले करछी से हिलाते रहें। जब चीनी घुलने लगे तो उसमें थोड़ा सा फूड कलर डालकर 1-2 मिनट चलाएं।

चाशनी में मिलाएं केसर

अगर आपके पास केसर है तो उसे भी डालें और साथ ही कूटी हुई इलायची डालकर इसे तब तक पकाएं जब तक की आपकी चाशनी 1 तार की न बन जाए। एक बार चाशनी को चेक करके देख लें और इसे गैस से उतार लें।

आटे से बनाएं बालूशाही

अब आटा लें। उसे फिर से गूंथे नहीं। बल्कि लोइयां लेकर हाथों में लेकर गोल-गोल बनाएं। अब इसे हथेली से हल्का-सा दबाएं। एक बेलनी लें और इसे बीच से आर-पार छेद कर लें। इस तरह सारे आटे से इसी तरह बॉल्स बनाकर रख लें।

मीडियम आंच पर तले

इसके बाद एक कढ़ाही में तलने के लिए घी या तेल डालें और धीमी आंच पर गर्म होने के लिए रख दें। ध्यान रखें कि तेल बहुत ज्यादा गर्म न हो। इस तेल में धीरे-धीरे सारे बालूशाही डालें और जब उनमें बबल बनने लगें और वो ऊपर की ओर आने लगे तो आंच को मीडियम कर लें।

बालूशाही को चाशनी में डुबाएं

जब बालूशाही नीचे से सुनहरी होने लगे तो आंच फिर से धीमी करके इसे दूसरी तरफ से भी पकाएं। इसी तरह से सुनहरा भूरा होने तक इसे दोनों तरफ से तलकर निकाल लें। अगर आपकी चाशनी ठंडी हो गई है तो इसे थोड़ा सा गर्म करें। अब इसमें बालूशाही डालें और दोनों तरफ से 2-3 मिनट के लिए डुबोकर रखें। यह तैयार है।

चेहरे और गले से झुर्रियां दूर करने के लिए इन तरीकों से लगाएं केला

उम्र बढ़ने के साथ इसका असर चेहरे समेत शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर दिखने लगता है। इसमें सबसे ज्यादा और जल्दी दिखती हैं झुर्रियां। चेहरे और गर्दन पर रिंकल्स सबसे पहले दिखना शुरू होते हैं। क्योंकि उम्र बढ़ने पर शरीर में कोलेजन की मात्रा घटने लगती है। इससे इलास्टिन प्रोटीन भी कम होने लगता है। इसकी वजह से झर्रियां और महीन रेखाएं दिखने लगती हैं।

यूं तो बाजार में एंटी एजिंग के लिए कई तरह के स्किन प्रोडक्ट उपलब्ध हैं। लेकिन अगर आप नेचुरल तरीके से झर्रियों को दूर करना चाहते हैं तो आपके स्किन केयर रूटीन में केले को शामिल करना चाहिए। इससे आपको महंगी क्रीम की तरह रिजल्ट देखने को मिलेगा।

फेस पैक बनाने के लिए केले में मिलाएं हल्दी

चेहरे और गले से झुर्रियां दूर करने के लिए आप केले में हल्दी मिलाकर फेस पैक बना सकते हैं। इसके लिए एक केला लें। इसमें एक चम्मच दही और एक छोटा चम्मच हल्दी डालकर मिक्स करें।

15 मिनट लगाकर इसे वॉश कर लें।

केला और दूध को मिक्स करके लगाएं

चेहरे को बूढ़ा होने से बचाने के लिए आप केले और दूध को मिक्स करके लगा सकते हैं। इसके लिए एक केले में कच्चा दूध, शहद और कुछ बूंदे गुलाबजल की मिला लें। इसे चेहरे पर 15 मिनट लगाकर रखें और फिर धो लें।

केले और दही से टाइट होंगे ओपन पोर्स

एंटी-एजिंग फेस पैक बनाने के लिए आप केला, दही और संतरे का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए एक कटोरी में दही लें और उसमें केला और संतरे का रस डालकर मिला लें। इसे 15 मिनट लगाकर वॉश कर लें।

हेल्दी और फिट रहने के लिए घर पर बनाएं मल्टीग्रेन आटा

हेल्दी और फिट रहने के लिए डाइट पर विशेष ध्यान देना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में अगर आप भी खाने में नॉर्मल आटे की रोटी खा रहे हैं, तो उसकी जगह मल्टीग्रेन आटे की रोटी को अपनी डेली डाइट में शामिल कर सकते हैं। दरअसल, मल्टीग्रेन आटे को गेहूं के साथ कई अन्य पोषक अनाजों को मिलाकर तैयार किया जाता है, जिससे कई तरह के पोषक तत्व आसानी से मिल जाते हैं।

वैसे तो बाजार में भी आपको आसानी से मल्टीग्रेन आटा मिल जाता है, लेकिन इसमें मिलावट होने के कारण यह फायदे की जगह नुकसान भी पहुंचा सकता है। ऐसे में आप मल्टीग्रेन आटा आसानी से अपने घर पर ही तैयार कर सकते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको घर पर ही मल्टीग्रेन आटे को तैयार करने की विधि के बारे में बताएंगे।

मल्टीग्रेन आटा खाने के फायदे

मल्टीग्रेन आटा खाने से कई तरह के पोषक तत्व आसानी से बॉडी को मिल जाते हैं। इसको खाने से लबे समय तक भूख नहीं लगती है। इसमें फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जिससे पाचन बेहतर रहता है। वहीं, इसमें

मौजूद प्रोटीन, आयरन और कई तरह के विटामिन्स मांसपेशियों और इम्युनिटी को भी बेहतर बनाते हैं। हर रोज इसके सेवन से हेल्थ भी बेहतर होता है।

मल्टीग्रेन आटे में कौन-कौन से अनाज मिलाए जाते हैं?

3 किलो गेहूं

500 ग्राम ज्वार

500 ग्राम बाजरा

250 ग्राम रागी

250 ग्राम भुना हुआ चना

250 ग्राम मक्का

250 ग्राम सोयाबीन

मल्टीग्रेन आटा घर पर कैसे बनाएं?

स्टेप- 1

मल्टीग्रेन आटा घर पर तैयार करने के लिए सबसे पहले आप इन सभी अनाजों को सही से साफ कर लें। अगर अनाज में नमी हो तो इसको कुछ समय के लिए धूप में सुखा लें। अब आप इसमें से चना, ज्वार, बाजरा और मक्का को हल्का भून लें। इसको भूनने से आटे का स्वाद काफी बेहतर होता है और इसकी पौष्टिकता बढ़ जाती है।

स्टेप- 2

अब सभी अनाज को एक साथ मिला लें और चक्की में पिसवा लें। अगर आप घर कम मात्रा में इसको तैयार करना चाहते हैं तो मिक्सर ग्राइंडर में इसको पीस सकते हैं। अब आप इसको छलनी से छान लें। पिसे हुए आटे को एयरटाइट कंटेनर में स्टोर किया जा सकता है। इस आटे को आप एक से दो माह तक आसानी से स्टोर कर सकते हैं।

अमीरों की लिस्ट में दूर होगा एलन मस्क का अकेलापन! गौतम अडानी टॉप 20 से बाहर

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क 300 अरब डॉलर से अधिक नेटवर्थ वाले अकेले शख्स हैं। लेकिन जल्दी ही इस एलीट क्लब में उनका अकेलापन दूर होने वाला है। ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन की नेटवर्थ 299 अरब डॉलर पहुंच गई है और जल्दी ही उनके 300 बिलियन डॉलर क्लब में शामिल होने की उम्मीद है। इस साल एलिसन की नेटवर्थ में सबसे ज्यादा 107 अरब डॉलर की तेजी आई है जबकि टेस्ला, स्पेसएक्स और स्टारलिंक जैसी कंपनियों को चला रहे मस्क की नेटवर्थ में सबसे ज्यादा 64.1 अरब डॉलर की गिरावट आई है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क 368 अरब डॉलर के साथ पहले नंबर पर जमे हुए हैं। सोमवार को उनकी नेटवर्थ में 6.81 अरब डॉलर की तेजी आई। इस लिस्ट में ऐमजॉन के को-फाउंडर जेफ बेजोस ($253 अरब) तीसरे, फेसबुक के मार्क जकरबर्ग ($252 अरब) चौथे, माइक्रोसॉफ्ट के स्टीव बालमर ($176 अरब) पांचवें, गूगल के लैरी पेज ($173 अरब) छठे, सर्गेई ब्रिन ($162 अरब) सातवें, फ्रांस के बर्नार्ड अरनॉल्ट ($160 अरब) आठवें, एनवीडिया के फाउंडर जेंसन हुआंग ($154 अरब) नौवें और दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे ($145 अरब) दसवें नंबर पर हैं।

अंबानी-अडानी का हाल

भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी 100 अरब डॉलर के साथ इस लिस्ट में 18वें नंबर पर है। अंबानी की नेटवर्थ में सोमवार को 55.9 करोड़ डॉलर की गिरावट आई। इस साल उनकी नेटवर्थ में 9.48 अरब डॉलर की तेजी आई है।

इस बीच अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में टॉप 20 से बाहर हो चुके हैं। सोमवार को उनकी नेटवर्थ में 42.2 करोड़ डॉलर की गिरावट आई। इस साल उनकी नेटवर्थ में 1.66 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह 80.4 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ अमीरों की लिस्ट में 21वें नंबर पर खिसक गए हैं।

4.3 ट्रिलियन आ गए और अभी तो पार्टी शुरू हुई है... एनवीडिया का शेयर कहां तक जाएगा?

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया के शेयरों में तेजी का दौर जारी है। सोमवार को कंपनी का शेयर करीब 2 फीसदी तेजी के साथ 176.77 डॉलर पर पहुंच गया। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 4.3 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। यह दुनिया की चौथी बड़ी इकॉमनी भारत की जीडीपी से भी अधिक है। इसके साथ ही एनवीडिया का मार्केट कैप दुनिया की दूसरी बड़ी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट से 500 अरब डॉलर अधिक हो गया है। अभी दुनिया में एआई क्रांति की शुरुआत हुई है। यानी आने वाले दिनों में जैसे-जैसे दुनिया में एआई का यूज बढ़ेगा, वैसे-वैसे एनवीडिया और चिप बनाने वाली दूसरी कंपनियों के शेयरों में तेजी आएगी। जानकारों का कहना है कि अगले दो साल में एनवीडिया का शेयर 300 डॉलर तक जा सकता है। पिछले कुछ महीनों में ही कंपनी के शेयरों में भारी तेजी आई है। अप्रैल में इसकी कीमत 95 डॉलर के आसपास थी और आज यह 175 डॉलर के आसपास पहुंच चुकी है। पिछले 12 महीनों में एनवीडिया का रेवेन्यू करीब दोगुना हो चुका है। पिछले तीन साल में कंपनी का रेवेन्यू सालाना 69 फीसदी के एवरेज से बढ़ा है। अगर कंपनी अगले दो साल में अपना रेवेन्यू 60 फीसदी से अधिक रफ्तार से बढ़ाती है तो इसका रेवेन्यू फाइनेंशियल ईयर 2027 में 334 अरब डॉलर पहुंच सकता है। अगर ऐसा होता है तो कंपनी के शेयरों की कीमत में भी तेजी आएगी।

शेयर बाजार पर लौटा निवेशकों का भरोसा सेंसेक्स 446 अंक चढ़ा, निफ्टी 24800 के पार

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी तीन दिन की गिरावट के बाद मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए। ब्लू-चिप शेयरों रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक में तेजी के चलते ये बढ़त देखने को मिली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे गिरकर 86.81 (अर्नतिम) पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स में करीब 447 अंक की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 446.93 अंक या 0.55 प्रतिशत उछलकर 81,337.95 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 538.86 अंक या 0.66 प्रतिशत बढ़कर 81,429.88 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 140.20 अंक या 0.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,821.10 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज 2.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुई। लार्सन एंड टुब्रो, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, अदानी पोर्ट्स, टाटा स्टील, मारुति, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस और एचडीएफसी बैंक भी लाभ में रहे। वहीं एक्सिस बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन और आईटीसी सबसे ज्यादा पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे।एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजारों में बढ़त दर्ज की गई। अमेरिकी बाजार सोमवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 70.48 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.63 प्रतिशत बढ़कर 70.48 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 6,082.47 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

सोमवार को सेंसेक्स 572.07 अंक या 0.70 प्रतिशत गिरकर 80,891.02 पर बंद हुआ। निफ्टी 156.10 अंक या 0.63 प्रतिशत गिरकर 24,680.90 पर बंद हुआ था।

सोने के दाम में गिरावट, चांदी महंगी हुई:गोल्ड 98274 प्रति 10 ग्राम पर आया, चांदी 1.14 लाख किलो बिक रही

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 29 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 172 रुपए गिरकर 98,274 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले सोने का भाव 98,446 रुपए पर था। वहीं चांदी की कीमत 606 रुपए बढ़कर 1,13,590 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 1,12,984 रुपए पर थी। वहीं 23 जुलाई को सोने ने 1,00,533 रुपए और चांदी ने 1,15,850 रुपए ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,970 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,650

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,820 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,500

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,820 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,500

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,820 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,500

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,870 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,550

हैदराबाद : 24 कैरेट सोने की कीमत 102,913 प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट के लिए 94,810

एक बार और बात कर लेते हैं: 1 अगस्त से पहले अमेरिका ने क्यों कहा ऐसा? डील को लेकर कहां फंसा है पेच

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। इस बारे में अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा है कि भारत के साथ 'और बातचीत' की जरूरत है। ये बात उन्होंने 1 अगस्त की डेडलाइन से कुछ दिन पहले कही है, क्योंकि इसके बाद टैरिफ बढ़ने वाले हैं। ग्रीर ने सीएनबीसी को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि वाशिंगटन को ये देखने के लिए और बातचीत करनी होगी कि भारत सरकार व्यापार समझौता करने के लिए कितनी इच्छुक है।

उन्होंने माना कि पहले उन्होंने कहा था कि दिल्ली के साथ समझौता जल्द हो सकता है। लेकिन, भारत की पुरानी नीति अपने बाजार को बचाने की रही है। इसलिए, अगर वो बाधाएं कम करते हैं तो ये एक बड़ा बदलाव होगा। ग्रीर ने कहा, 'हम भारत के अधिकारियों से लगातार बात कर रहे हैं। हमारी उनसे हमेशा अच्छी बातचीत हुई है।' उन्होंने आगे कहा, 'भारत ने अपने बाजार के कुछ हिस्सों को खोलने में दिलचस्पी दिखाई है। हम भी उनसे बात करने को तैयार हैं। लेकिन मुझे लगता है कि हमें अपने भारतीय दोस्तों के साथ और बातचीत करनी होगी ताकि पता चले कि वो कितने इच्छुक हैं।' ये बात उन्होंने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के उस बयान के कुछ दिनों बाद कही है जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि 26% के संभावित टैरिफ को रोकने के लिए समझौता हो सकता है। गोयल ने कहा था कि अमेरिका-भारत के रिश्तों में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने ये भी कहा कि इमिग्रेशन के नियम, जिसमें कुशल कर्मचारियों के लिए एच-1बी वीजा भी शामिल हैं, बातचीत में नहीं आए हैं। ग्रीर ने कहा, 'भारत के बारे में समझने वाली बात ये है कि उनकी व्यापार नीति लंबे समय से अपने घरेलू बाजार को बचाने पर आधारित रही है। वो ऐसे ही कारोबार करते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ऐसे समझौते चाहते हैं जिनसे दूसरे बाजार पूरी तरह से खुल जाएं, या लगभग पूरी तरह से खुल जाएं।' अमेरिकी टीम अगले दौर की बातचीत के लिए अगस्त में भारत आएगी। ये बातचीत दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए होगी। इस साल 2 अप्रैल को ट्रंप ने ऊंचे टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। लेकिन, अमेरिका के कई देशों के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करने के कारण इसे 90 दिनों के लिए यानी 9 जुलाई तक रोक दिया गया था। बाद में इसे 1 अगस्त तक बढ़ा दिया गया। भारत ने अमेरिका की कृषि और डेयरी प्रोडक्ट पर ड्यूटी में छूट की मांग पर अपना रुख कड़ा कर लिया है। नई दिल्ली ने डेयरी सेक्टर में किसी भी मुक्त व्यापार समझौते में अपने किसी भी व्यापारिक भागीदार को अभी तक कोई ड्यूटी छूट नहीं दी है। वहीं कुछ किसान संगठनों ने सरकार से आग्रह किया है कि वो व्यापार समझौते में कृषि से जुड़े किसी भी मुद्दे को शामिल न करें। भारत इस अतिरिक्त टैरिफ (26%) को हटाने की मांग कर रहा है। उसने स्टील और एल्यूमीनियम (50%) और ऑटो सेक्टर (25%) पर टैरिफ को कम करने की भी मांग की है। ये मुद्दे व्यापार समझौते की बातचीत का एक अहम हिस्सा हैं।

5 साल में दोगुना कर देते थे पैसा, लेकिन इस साल टाटा के शेयरों ने निवेशकों को कर दिया 'बर्बाद'

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप के दो बड़े शेयर ट्रेंट और टीसीएस इस साल सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले निफ्टी50 स्टॉक साबित हुए हैं। दोनों में 25% से ज्यादा की गिरावट आई है। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस के शेयरों में लगभग 25% गिरावट आई है। वहीं टाटा ग्रुप की रिटेल कंपनी ट्रेंट के शेयरों में लगभग 30% की गिरावट आई है। यह कंपनी जूडियो और वेस्टसाइड जैसे ब्रांड चलाती है। कभी निवेशकों के पसंदीदा पसंद रहे इन शेयरों में क्यों आई गिरावट...टीसीएस को ऐसा शेयर माना जाता था जिसे पांच साल में निवेशकों का पैसा दोगुना कर देता था। लेकिन अब यह 2008 की आर्थिक मंदी के बाद सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। तब इसके शेयर 55% तक गिर गए थे। ट्रेंट ने पिछले पांच साल में 800% का रिटर्न दिया था लेकिन यह शेयर भी 2008 के बाद सबसे खराब दौर से गुजर रहा है। टीसीएस में गिरावट की वजह कंपनी से जुड़ी नहीं है। यह पूरे आईटी सेक्टर की समस्या है। अमेरिका में क्लाइंट कम खर्च कर रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वजह से भी दबाव है।हाल ही में टीसीएस ने लगभग 2% कर्मचारियों (लगभग 12,000 लोगों) को नौकरी से निकालने का ऐलान किया था। हाल ही में आए पहली तिमाही के नतीजों से पता चला कि टीसीएस की कमाई उम्मीद से कम रही। इस दौरान कंपनी को $9.4 अरब के नए प्रोजेक्ट मिले जो पिछले साल से 13% ज़्यादा है। लेकिन इसमें कोई बड़ा प्रोजेक्ट शामिल नहीं है। टीसीएस के मैनेजमेंट का कहना है कि ग्राहक सोच-समझकर खर्च कर रहे हैं और नए प्रोजेक्ट शुरू करने में देरी हो रही है। एलारा ने टीसीएस को डाउनग्रेड कर दिया। नोमुरा ने एफवाई26–28 के लिए ईपीएस अनुमान को 1–2% तक घटा दिया है। उनका कहना है कि कंपनी की कमाई और मुनाफे पर दबाव है। उसने टीसीएस के शेयर का टारगेट प्राइस 3,820 रुपये से घटाकर 3,780 रुपये कर दिया है। हालांकि, जेएम फाइनेंशियल ने उम्मीद जताई है कि आर्थिक स्थिति सुधरने के बाद टीसीएस की ग्रोथ बढ़ेगी।

नासकाम ने दी चेतावनी, अगर नहीं सीखा एआई स्किल तो आपकी नौकरी खत्म!

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के आईटी सेक्टर में बड़े बदलाव की आहट साफ सुनाई देने लगी है। देश की प्रमुख आईटी इंडस्ट्री संस्था नासकॉम ने माना है कि तकनीकी दुनिया एक टर्निंग पॉइंट पर है, जहां आने वाले समय में छंटनी की आशंका, रीस्किलिंग की जरूरत और हायरिंग पैटर्न में बदलाव तय हैं। हाल ही में टीसीएस द्वारा घोषित की गई 12,000 कर्मचारियों की छंटनी के बाद यह बयान खास महत्व रखता है। नासकॉम ने यह भी कहा कि एआई और ऑटोमेशन के चलते पारंपरिक स्किल्स अब उतनी उपयोगी नहीं रहीं और अब कंपनियां प्रोडक्ट-अलाइन मॉडल की तरफ बढ़ रही हैं।

एआई का बढ़ता असर बन रहा छंटनी की वजह

नासकॉम के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ऑटोमेशन अब सिर्फ सपोर्ट टूल नहीं, बल्कि सेवा संरचना का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। इसके चलते न केवल डिलीवरी मॉडल बदल रहे हैं, बल्कि कर्मचारियों की भूमिकाएं भी पुनर्परिभाषित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि वैश्विक ग्राहक अब अधिक स्पीड, एजिलिटी और इनोवेशन की मांग कर रहे हैं। ऐसे में पारंपरिक सेवा मॉडल और स्किल्स की प्रासंगिकता कम होती जा रही है, जिससे कुछ कंपनियों को वर्कफोर्स का पुनर्गठन करना पड़ रहा है।

भारत की सबसे बड़ी आईटी लेऑफ की शुरुआत?

देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस ने हाल ही में अपने वैश्विक वर्कफोर्स का 2% कम करने का ऐलान किया है। इससे मिड और सीनियर लेवल के करीब 12,000 कर्मचारियों की नौकरी प्रभावित होगी। यह भारत में अब तक की सबसे बड़ी आईटी छंटनी मानी जा रही है, जिसने पूरी इंडस्ट्री को सकते में डाल दिया है।

अब सवाल यह है कि क्या यह ट्रेंड दूसरी कंपनियों तक भी पहुंचेगा?

संकट नहीं, बदलाव का समय

हालांकि नासकॉम ने इस बदलाव को पूरी तरह संकट नहीं, बल्कि संरचनात्मक बदलाव बताया है। संस्था का कहना है कि हर टेक्नोलॉजी बदलाव के साथ नई भूमिकाएं, नए वैल्यू चेन और नए अवसर सामने आते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कंपनियों को लगातार स्किलिंग, अपस्किलिंग और क्रॉस-स्किलिंग करनी होगी, ताकि वर्कफोर्स को भविष्य के लिए तैयार रखा जा सके।

15 लाख से ज्यादा लोगों को एआई में दी गई ट्रेनिंग

नासकॉम के अनुसार, अब तक इंडस्ट्री में 1.5 मिलियन से अधिक प्रोफेशनल्स को एआई और जेनरेटिव एआई में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इनमें से करीब 95,000 कर्मचारी देश की बड़ी आईटी कंपनियों में कार्यरत हैं और उन्हें एआई -नेटिव क्लाउड, एम्बेडेड एआई , और एप्लाइड इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में एडवांस सर्टिफिकेशन दिए जा चुके हैं।

सिर्फ डिग्री नहीं, चाहिए 'डीप-डोमेन एक्सपर्टाइज'

नासकॉम का यह भी कहना है कि आने वाले समय में हायरिंग का ट्रेंड पूरी तरह बदलने वाला है। अब कंपनियों को सिर्फ सामान्य टेक स्किल्स नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें गहराई वाली विशेषज्ञता चाहिए। इसका मतलब है कि सिर्फ प्रोग्रामिंग या कोडिंग जानना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उम्मीदवार को अपने डोमेन—चाहे वह फाइनेंस, हेल्थकेयर, क्लाउड सिक्योरिटी या डेटा इंजीनियरिंग हो में विशेषज्ञता दिखानी होगी।

अब इजरायली तकनीक से होगा देश में काम!

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने वाली घरेलू कंपनी अंबर ग्रुप ने इजराइल की कंपनी यूनिट्रोनिक्स में बड़ा हिस्सा खरीदने का समझौता किया है। यूनिट्रोनिक्स इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन और कंट्रोल सिस्टम बनाने वाली कंपनी है। अंबर ग्रुप ने शेयर बाजार को बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने वाली उसकी कंपनी इल्जिन इलेक्ट्रॉनिक्स (इलजिन इलेक्ट्रॉनिक्स) यूनिट्रोनिक्स के 56,24,591 शेयर खरीदेगी। हर शेयर की कीमत 27.75 एनआईएस (इजरायली मुद्रा) होगी। यह सौदा लगभग 403 करोड़ रुपये का होगा। यह पूरा सौदा नकद में होगा। इस खरीदारी के बाद इल्जिन इलेक्ट्रॉनिक्स और यूनिट्रोनिक्स के जॉइंट चेयरमैन मिलकर कंपनी में 45.13% हिस्सेदारी के मालिक होंगे। अंबर ग्रुप ने बताया कि इस सौदे के लिए सरकार या किसी नियामक की मंजूरी की जरूरत नहीं है। कंपनी का दावा है कि इस डील से दोनों कंपनियों को फायदा होगा। इल्जिन इलेक्ट्रॉनिक्स के पास इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने का बहुत अनुभव है जिसका फायदा यूनिट्रोनिक्स को होगा। इससे यूनिट्रोनिक्स को अपने काम को बेहतर बनाने, नई चीजें बनाने और भारत में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी। दूसरी ओर, अंबर ग्रुप इंडस्ट्रियल कामों में इस्तेमाल होने वाले प्रोडक्ट्स को बढ़ाना चाहता है। इसलिए यह खरीदारी की जा रही है। इस खरीदारी से अंबर ग्रुप को अपने काम को आगे बढ़ाने, प्रतिस्पर्धा में बने रहने और अमेरिका और यूरोप जैसे देशों में इंडस्ट्री 4.0 की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। इंडस्ट्री 4.0 का मतलब है उद्योगों में ऑटोमेशन और डेटा का इस्तेमाल करना। ग्रुप के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन और सीईओ जसबीर सिंह ने कहा, यह सौदा अंबर के इलेक्ट्रॉनिक डिवीजन को बहुत मजबूत करेगा। इससे हमें इंडस्ट्री 4.0 के तेजी से बढ़ते सेक्टर और रियल-टाइम डेटा पर आधारित टेक्नोलॉजी में मजबूत पकड़ मिलेगी। यूनिट्रोनिक्स कई तरह के इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन प्रोडक्ट्स बनाती है। ये प्रोडक्ट्स अलग-अलग कामों के लिए बनाए जाते हैं। इनमें पीएलसी (प्रोग्रामेबल लॉजिक कंट्रोलर), एचएमआई (ह्यूमन-मशीन इंटरफेस), पीएलसी के साथ इंटीग्रेटेड एचएमआई,वीएफडी (वेरिएबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव), सर्वो ड्राइव (सर्वो ड्राइव), यूनीक्लाउड जैसे एसएएएस सॉल्यूशन और इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स शामिल हैं। इन सभी प्रोडक्ट्स को एक ही सॉफ्टवेयर से कंट्रोल किया जा सकता है। इनका इस्तेमाल कई उद्योगों में मशीनों और प्रक्रियाओं को कंट्रोल करने के लिए होता है। अंबर ग्रुप अभी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, सुनने और पहनने वाले डिवाइस, टेलीकॉम इक्विपमेंट, ऑटोमोटिव सॉल्यूशन, एनर्जी मीटर और डिफेंस सॉल्यूशन बनाता है। यूनिट्रोनिक्स के जॉइंट चेयरमैन हाइम शानी ने कहा, अंबर ग्रुप के साथ यह रणनीतिक साझेदारी हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण पल है। एक समान दृष्टिकोण के साथ, इस सहयोग का उद्देश्य शक्तिशाली तालमेल को अनलॉक करना और व्यवसाय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। इसका मतलब है कि दोनों कंपनियां मिलकर काम करके अपने बिजनेस को और आगे बढ़ाना चाहती हैं। संयुक्त बयान में कहा गया है कि हाइम शानी बोर्ड में बने रहेंगे और एम्बर के लीडरशिप के साथ मिलकर काम करेंगे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क	कर्क	05-01 बजे
चन्द्र	कन्या	सिंह	07-13 बजे
मंगल	सिंह	कन्या	09-19 बजे
बुध	कर्क	तुला	11-25 बजे
गुरु	मिथुन	वृश्चिक	13-35 बजे
शुक्र	मिथुन	धनु	15-49 बजे
शनि	मीन	मकर	17-55 बजे
राहु	कुंभ	कुंभ	19-45 बजे
केतु	सिंह	मीन	21-23 बजे
		मेष	22-59 बजे
		वृष	00-44 बजे
		मिथुन	02-45 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत् 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग आयि-432000 | 05-57
भोग्य कलि वर्ष-426874 | 18-47
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि प्रारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी 02-41 तक उपरान्त सप्तमी
वार - श्रावण शुक्ल , बुधवार 30 July
नक्षत्र - हस्त 21-52 तक उपरान्त चित्रा
योग - सिद्ध 03-39 तक उप साध्य
करण- कौलव 13-40 तक उप तैतिल
सूर्योदय- श्री तुलसी जं
चन्द्र राशि - शील सप्तमी

विशेष- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म जानकारी के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12-22 से 13-59 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05-57 - 07-33 शुभ	उत्पात	18-49 - 20-12 शुभ
अमृत	07-33 - 09-09 शुभ	शुभ	20-12 - 21-36 शुभ
काल	09-09 - 10-45 अशुभ	अमृत	21-36 - 22-59 अशुभ
शुभ	10-45 - 12-22 शुभ	चंचल	22-59 - 00-23 अशुभ
रोग	12-22 - 13-59 शुभ	रोग	00-23 - 01-46 शुभ
उत्पात	13-59 - 15-36 शुभ	काल	01-46 - 03-09 अशुभ
चंचल	15-36 - 17-12 अशुभ	लाभ	03-09 - 04-33 शुभ
लाभ	17-12 - 18-47 शुभ	उत्पात	04-33 - 05-56 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा । कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी । आप ग्रहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं । जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपके परिवारवालों को नजदीकी संबंधियों से होने वाली परेशानी के कारण आपको भी प्रतिबंधों का सामना करना होगा । ये लम्बे समय तक नही रहेंगे लेकिन आपको काफी प्रभावित करेंगे,इसीलिए इनके प्रभाव से बचने की कोशिश करें । आज आप कोई घरेलू उपयोग का उपकरण खरीदेंगे ,या घर की नियमित साफ़-सफाई के चलते कम उपयोगी सामान को बेच देंगें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

अगर कुछ लोग आपको नहीं समझ पा रहें हैं तो उन्हें अपना हरेक काम समझाने में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद ना करें । वे कभी नही मानेंगे । आप काफी व्यस्त रहेंगे लेकिन आपको आने वाली जरूरतों के कारण पहले वाली योजनाओं में भी कुछ बदलाव करने पड सकते हैं । स्थिति की मांग के अनुसार कार्य करें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप किसी करीबी को कोई सलाह देंगे और वह इसे बहुत कृतज्ञता के साथ स्वीकार करेगा । आप आज बहुत अच्छे और नरम मूड में हैं ,आज का दिन अपने पुराने दोस्तों से सम्पर्क स्थापित करने के लिए बहुत अच्छा है । अपने किसी पुराने स्कूल के दोस्त से फोन पर बाते क्र लें,आपको बहुत अच्छा लगेगा | पिछले मतभेदों को भुलाकर आगे बढने के लिए भी अच्छा समय है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आप एक बहुत बड़ी साझेदारी को अंतिम रूप देने वाले हैं लेकिन आपको अपने पार्टनर को अपने मिशन और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट बता देना चाहिए । यदि कोई विवाद हुआ भी तो आपके भावनाओं में बह जाने की सम्भावना है,इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें । आप दिन का अंतिम हिस्सा किसी बोद्धिक कार्य।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आप आवेगी मूड में हैं ,किसी भी काम के बारे में भली प्रकार सोचे बिना ही करने दौड़ पड़ेंगे जिसके कारण आपको कार्यस्थल पर और पारिवारिक जीवन में भी दिक्कतें आ सकती हैं । हालाँकि इस समय ऐसा कर पाना थोडा मुश्किल है , लेकिन मन को शांत रखें । आपके सामने कई अवसर एक साथ आयेंगे,आपको सोच समझकर उनमें से चुनना है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है । आपको अपने कामो को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा । जिस काम की आप अच्छी खासी योजना बनाये हुए हैं।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी -सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे । इस समय आपका सही मार्गदर्शन आपके मन की आवाज ही कर सकती है । जैसा आपका मन कहता है ,वैसा ही करें । इससे आपको काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा और आप उस दिशा में आगे बढ़ पायेंगे जिस दिशा में आप बढ़ना चाहते हैं ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

अपने जीवन पर नियंत्रण रखें और और सब के कहने या कुछ करने की कोई भी परवाह ना करें । इसके स्थान पर आराम से खुद की इच्छाओं और आवश्यकताओं को समझने की कोशिश करें और उन का विश्लेषण करें ताकि किसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंच सकें । इस बात का विशेष ध्यान रखें की आपके फैसले से ऐसी किसी व्यक्ति को दुःख न हो जो आप पर भावनात्मक रूप से निर्भर है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है । आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा । आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

संबंधों में उलझन ,दोहरे अर्थों वाली बातचीत तथा गलतफहमियां आज पूरे दिन आप पर हावी रहेंगी । लेकिन इससे किसी नुक्सान की बजाय मनोरंजन की उम्मीद ज्यादा है । इसीलिए इनके बारे में चिंता करने की बजाय अपने मूड को हल्का फुल्का रखें और हो रही घटनायों का आनंद उठायें । यदि आप ऐसा करेंगे तो दिन बहुत खुशगवार गुजरेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

'ऑपरेशन महादेव' क्यों रखा नाम, पहलगाम हमले का ऐसे लिया बदला

श्रीनगर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। ऑपरेशन महादेव के तहत भारतीय सेना ने पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड समेत तीन आतंकियों को मार गिराया है। सेना ने देर रात तक आधिकारिक रूप से इनकी पहचान जाहिर नहीं की, लेकिन सैन्य सूत्रों के अनुसार मारा गया एक आतंकी पहलगाम आतंकी हमले का मुख्य साजिशकर्ता सुलेमान उर्फ आसिफ है। जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा के बीच ऑपरेशन महादेव के तहत सेना ने पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड समेत तीन आतंकियों को मार गिराया। श्रीनगर के दाचीगाम के ऊपरी क्षेत्र में हुई भीषण मुठभेड़ में मारे गए तीनों आतंकी लश्कर-ए-ताइबा के बताए जा रहे हैं। सेना ने देर रात तक आधिकारिक रूप से इनकी पहचान जाहिर नहीं की, लेकिन सैन्य सूत्रों के अनुसार मारा गया एक आतंकी पहलगाम आतंकी हमले का मुख्य साजिशकर्ता सुलेमान उर्फ आसिफ है। दो अन्य की पहचान जिबरान और हमजा अफगानी के रूप में हुई है। जिबरान पिछले वर्ष सोनमर्ग सुरंग हमले में शामिल था। मुठभेड़ स्थल से अमेरिका निर्मित एक एम4 कार्बाइन असॉल्ट राइफल, एके सीरीज की दो राइफल समेत गोला-बारूद बरामद हुए हैं। दाचीगाम वन क्षेत्र श्रीनगर से 25 किमी दूर है। कश्मीर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक वीके बिरदी ने कहा, मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों की पहचान में अभी वक्त लगेगा। ऑपरेशन से जुड़े एक सैन्य अफसर ने बताया, स्पेशल फोर्सेज 4 पैरा व 24 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) को पहलगाम हमले में आतंकियों की ओर से इस्तेमाल सैटेलाइट फोन के उपयोग का संकेत मिला था। इसके तत्काल बाद ऑपरेशन महादेव शुरू कर घेराबंदी की गई। दहशतगर्दों की मौजूदगी की पुष्टि होने पर अतिरिक्त बल बुलाकर घेरा और भी सख्त किया गया, ताकि वे भाग न सकें। खुद को घिरा देख आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। मुठभेड़ में दोनों तरफ से भीषण गोलीबारी हुई, जिसमें तीन आतंकी मारे गए। सेना की चिनार कोर ने सोशल मीडिया पर बताया, लिदवास में भीषण गोलीबारी में तीन आतंकी मारे गए। ऑपरेशन जारी है। पहलगाम में आतंकियों ने 22 अप्रैल को 26 लोगों की हत्या कर दी थी। आतंकियों ने धर्म पूछकर मौत के घाट उतारा था।

...इसलिए ऑपरेशन महादेव

श्रीनगर की महादेव चोटी जबरवान रेंज का हिस्सा है। यह क्षेत्र सामरिक और धार्मिक दोनों तरह से अहम है। चोटी जबरवान का प्रमुख शिखर है, इसे खासा पवित्र माना जाता है। लिदवास एवं मुलनार, यहां से दोनों दिखाई देते हैं। अभियान को इसलिए ऑपरेशन महादेव नाम दिया गया था।

यहीं मारा गया था जुनैद

दाचीगाम के इसी क्षेत्र में 10 नवंबर, 2024 को भी मुठभेड़ हुई थी। तब आतंकी दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र का फायदा उठाते हुए भाग निकले थे। 3 दिसंबर 2024 को फिर मुठभेड़ हुई और लश्कर-ए-ताइबा आतंकी जुनैद भट ढेर हो गया। जुनैद गांदरबल में सुरंग निर्माण स्थल के पास 20 अक्तूबर, 2024 को हुए हमले शामिल था।

पता था, आतंकियों को सेना मार गिराएगी : नरवाल

पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के पिता राजेश नरवाल ने कहा कि मैं सेना, अर्धसैनिक बलों और पुलिस के जवानों को बहादुरी के लिए सलाम करना चाहता हूं। उन्होंने जान की परवाह किए बिना आतंकियों का शिकार किया, वह आसान काम नहीं है। यह हमारी सेना के लिए बड़ी कामयाबी है। मैंने पहले भी कहा था कि हमारी सेना एक दिन उन्हें मार गिराएगी।

पहलगाम हमले से जुड़ी कम्युनिकेशन डिवाइस से आतंकियों तक पहुंची सेना

पहलगाम आतंकी हमले से जुड़ी एक कम्युनिकेशन डिवाइस ने सुरक्षाबलों को श्रीनगर के दाचीगाम वन क्षेत्र में छिपे आतंकियों तक पहुंचाया। इस क्षेत्र में इसके सक्रिय होने के बाद से ही सेना और सुरक्षा एजेंसियां इसे ट्रैक कर रही थीं। सोमवार को तीन आतंकियों के मारे जाने की कामयाबी के पीछे भी इसी डिवाइस का एक्टिवेट होना रहा। इसी के साथ 'ऑपरेशन महादेव' सफल हुआ। 22 अप्रैल, 2025 को हुए पहलगाम आतंकवादी हमले की जांच के दौरान एक कम्युनिकेशन डिवाइस के दोबारा से एक्टिवेट होने से इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के संकेत मिले थे। इसके आधार पर सेना द्वारा लगातार इस क्षेत्र में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा था। सोमवार को इस ऑपरेशन के दौरान बड़ी कामयाबी मिली और सेना की 24 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और 4 पैरा स्पेशल फोर्सेज ने सुबह तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया।

सूत्रों के अनुसार तीनों पाकिस्तानी आतंकवादी बताए जा रहे हैं और इनके नाम अबू हमजा उर्फ हारिस, यासिर और सुलेमान बताए जा रहे हैं। ये लश्कर- ए-ताइबा के हैं। हालांकि, इसको लेकर सुरक्षाबलों की ओर से कोई पुष्टि नहीं की गई है। उनके अनुसार शिनाख्त होने के बाद ही पुष्टि की जाएगी। सैन्य सूत्रों ने अमर उजाला को बताया कि पहलगाम हमले के बाद से कम्युनिकेशन डिवाइस की जांच की जा रही थी। करीब दो सप्ताह पहले अचानक से इस डिवाइस पर संदिग्ध संचार का पता चला। इसके बाद तुरंत ही सेना ने अपनी यूनिट को सतर्क कर दिया। गौरतलब है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा पहले गिरफ्तार किए गए परवेज और बशीर अहमद नामक दो आतंकवादियों ने भी बताया था कि पहलगाम आतंकवादी हमले में तीन पाकिस्तानी लश्कर आतंकवादी शामिल थे। जम्मू-कश्मीर पुलिस के आईजीपी वीके बिरदी ने कहा कि शवों को नीचे लाने में समय लगेगा। उसके बाद उनकी शिनाख्त हो पाएगी।

उपकरण का दाचीगाम के ऊपरी क्षेत्र में हुआ प्रयोग

एजेंसियों का मानना है कि जिस कम्युनिकेशन डिवाइस के सिग्नल दोबारा से एक्टिवेट हुए हैं। यह डिवाइस पहलगाम हमले में आतंकियों द्वारा इस्तेमाल में लाई गई थी। इसके कॉर्डिनेट्स जांच के दौरान पाया गया कि आतंकी इस डिवाइस का इस्तेमाल दाचीगाम के ऊपरी क्षेत्र में कर रहे हैं। इसके बाद से लगातार इस क्षेत्र में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान शुरू किया गया।

सूत्रों ने बताया कि रविवार देर रात लिदवास क्षेत्र में आतंकवादियों की मूवमेंट की सूचना मिली। इसके बाद 24 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और 4 पैरा स्पेशल फोर्सेज के जवानों ने ऑपरेशन को तेज किया।

भिलाई में बैंक लॉकर से 50 लाख के जेवरात हुए चोरी, बैंक प्रबंधन पर मामला दर्ज

दुर्ग, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दुर्ग के भिलाई नगर थाना क्षेत्र में बैंक ऑफ बड़ौदा के लॉकर से 50 लाख रुपये के जेवरात चोरी होने का मामला सामने आया है। जहां पुलिस ने बैंक प्रबंधन की लापरवाही मानते हुए मामला दर्ज किया। भिलाई नगर थाना क्षेत्र में बैंक के लॉकर से लाखों रुपए के जेवरात पार करने का मामला सामने आया है। सिविक सेंटर स्थित बैंक ऑफ बडौदा के लॉकर से 50 लाख के जेवरात चोरी के मामले में पुलिस ने बैंक प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि सेक्टर-5 निवासी दरोगा सिंह को बैंक ने 1991 से लॉकर नंबर 697 आवंटित किया था।लॉकर में अपने परिवार का 40 तोला सोना, तीन अलग अलग पोटलियां बनाकर रखी गई थी। लॉकर रूम में सीपेज के कारण लॉकर खोलने में परेशानी होना बताया था।

इसकी शिकायत बैंक प्रबंधन से किया था। लॉकर की देखरेख करने वाली अनिता कोरेटी एक अस्थाई लॉकर नंबर 547 दिया। इस दौरान पुराना लॉकर ठीक करने के लिए चाबी अपने पास रख लिया। दरोगा सिंह के मुताबिक 17 जनवरी 2025 को अनिता कोरेटी ने फोन पर बताया कि पुराने लॉकर का सामान अस्थाई लॉकर में रख दिया गया है। पुराना लॉकर ठीक होने के बाद फिर से उसे दे दिया जाएगा। 22 अप्रैल 2025 को जब लॉकर खोला गया तो उसमें से दो पोटली में रखे गए जेवरात गायब मिले। लॉकर में केवल एक पोटली जो उसकी बहु की थी। दारोगा सिंह ने लॉकर का संचालन वे स्वयं करते है। पत्नी श्यामा सिंह भी जाती है। उनकी बेटी अराधना सिंह ने कभी भी लॉकर नहीं खोला। जांच के बाद पुलिस ने बैंक प्रबंधन को लापरवाही मानते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस विवेचना में जुट गई है।

कब्र से निकाली गई लाश चर्च में तोड़फोड़

भाई बोला- हत्या कर दफनाया, 3 साल पहले ईसाई धर्म अपनाया था अब मौत पर बवाल

कांकेर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में चर्च में तोड़फोड़ के बीच जमकर बवाल हुआ। गांव में दफन लाश को कब्र से निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। एक तरफ भिलाई में धर्मांतरण को लेकर ननों को हिरासत में रखने का मसला गरमाया हुआ था तो दूसरी तरफ कांकेर में चर्च में तोड़फोड़ चल रही थी। यहां ईसाई व्यक्ति के शव को गांव में दफनाने पर सोमवार को बवाल हुआ। 500-1000 की भीड़ ने चर्च में और घरों में तोड़फोड़ की। घरों से बर्तनों और सामानों को निकालकर बाहर फेंक दिए।

सटोरिए का दावा-कॉन्स्टेबल चला रहा था महादेव सट्टा, संबंधित वीडियो जारी किया

1 महीने में 48 लाख मुनाफा दिया,काम छोड़ा तो कहा- उठवा दूंगा

सरगुजा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में सट्टा कारोबार से जुड़े सटोरिए सत्यम ने एक वीडियो जारी किया है। जिसमें दावा किया है कि, महादेव सट्टा एप का संचालन अंबिकापुर में आरक्षक प्रवीण सिंह करवा रहा था। एक महीने में आरक्षक को 48 लाख मुनाफा दिया गया। जब सत्यम ने डरकर काम छोड़ने को कहा तो आरक्षण प्रवीण सिंह ने उसे धमकी दी कि उसकी पहुंच आईजी, एसपी और दुबई तक है। अगर काम नहीं करोगे तो उठवा दूंगा, फंसा दूंगा। इसलिए डरकर काम करता रहा। अभी शहर से भागकर दूसरे जगह आया हूं, तब वीडियो बना पाया। दरअसल, सत्तीपारा के रहने वाले सटोरिया सत्यम केसरी ने बताया कि, वो 21 फरवरी 2023 में सट्टा कारोबार से जुड़ा था। आरक्षक प्रवीण गाड़ाघाट स्थित एक किराए के कमरा-1 में सट्टा चलवा रहा रहा था। जिसमें हम 5 लोग काम करते थे। जिसमें अमित मिश्रा, जिमी मिश्रा, पहलू मिश्रा और प्रवीण सिंह साथ थे। इनसे मैंने पहले काम मांगा था, मुझे अपने साथ ले गए, जहां महादेव सट्टा एप का काम कराया। मुझे पहले नहीं पता था कि यह काम है। किराए के कमरे में वाईफ़ाई और तकनीकी उपकरणों की मदद से महादेव सट्टा एप का संचालन हो रहा था। सत्यम ने दावा किया है कि महज एक महीने में आरक्षक प्रवीण सिंह को करीब 48 लाख रुपए का मुनाफा हुआ। जब सत्यम ने डरकर काम छोड़ने को कहा तो आरक्षण प्रवीण सिंह ने उसे धमकी दी कि उसकी पहुंच आईजी, एसपी और दुबई तक है। अगर काम नहीं करोगे तो उठवा दूंगा, फंसा दूंगा। जिस कारण हमें काम करना पड़ा। पुलिस ने सट्टा गिरोह चलाने के आरोप में कुछ दिन पहले ही अमित मिश्रा को गिरफ्तार किया है। अन्य सटोरिए भी सट्टा मामलों में शामिल हैं। इस वीडियो के सामने आने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। सरगुजा एसएसपी राजेश अग्रवाल ने जांच टीम का गठन किया है।

स्कूल में 5 मिनट देरी से पहुंची 4 छात्राएं टीचर ने दी ऐसी सजा, करने लगीं उल्टियां और हो गईं बेहोश, क्या है मामला?

सिंहभूम, 29 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में स्कूल में देरी से पहुंचने पर 4 छात्राओं को कड़ी सजा दी गई। स्कूल के टीचर ने चारों छात्राओं से 200 उठक-बैठक कराए। इसके बाद चारों छात्राएं उल्टियां करने लगीं और बेहोश हो गईं। ये देख स्कूल में हड़कंप मच गया। परिजनों ने बताया कि बेहोश होने के बाद चारों छात्राओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा कि पटमदा प्रखंड के बागुंडा स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की 12वीं कक्षा की छात्राएं थीं। छात्राओं का वर्तमान में जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल के आईसीयू में इलाज चल रहा है।

पीड़ित छात्राओं के परिवारों ने आरोप लगाया कि उन्हें उठक-बैठक करने के लिए मजबूर किया गया, क्योंकि वे स्कूल में पांच मिनट देरी से पहुंची थीं। उठक-बैठक के बाद लड़कियों को उल्टियां होने लगीं और वे बेहोश हो गईं। इसके बाद उन्हें माचा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें एमजीएम अस्पताल भेज दिया गया। जिला शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि वह इस घटना की जांच करेंगे और यदि दोषी पाए गए तो सजा का आदेश देने वाले शिक्षक के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

देवघर कांवड़िया बस हादसा: सांसद निशिकांत दुबे के ट्वीट से फैली अफरातफरी, प्रशासन ने 6 मौतों की पुष्टि की

देवघर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। घटना के बाद स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने सिविल सर्जन को त्वरित राहत एवं बचाव कार्य तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद दुखद है। हमारी मेडिकल टीम मौके पर है और घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था की जा रही है। झारखंड के देवघर में सोमवार देर रात कावड़ियों से भरी एक बस सड़क हादसे का शिकार हो गई। हादसे की जानकारी सबसे पहले गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी।

अपने ट्वीट में सांसद ने हादसे में 18 कावड़ियों की मौत और 26 लोगों के घायल होने की जानकारी साझा की। इस ट्वीट के बाद जिला प्रशासन, राज्य सरकार के मंत्री और अधिकारी तुरंत हरकत में आ गए। जब प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया, तब सरकारी तौर पर 6 लोगों की मौत और 18 के घायल होने की पुष्टि की गई। घटना के बाद स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने सिविल सर्जन को त्वरित राहत एवं बचाव कार्य तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद दुखद है। हमारी मेडिकल टीम मौके पर है और घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही घटना के कारणों की जांच भी जारी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी हादसे पर दुख जताते हुए ट्वीट किया कि देवघर जिले में बस और ट्रक की टक्कर में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु अत्यंत पीड़ादायक है। दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना करता हूँ तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूँ। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि घायलों का समुचित इलाज किया जाए और पीड़ितों को हरसंभव सहायता दी जाए।

राज्यपाल ने संवेदना व्यक्त की

राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन ने भी हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि श्रावणी मेले में भाग लेने आए श्रद्धालुओं की असामयिक मृत्यु अत्यंत दुखद है। शोकाकुल परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। सांसद निशिकांत दुबे ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि श्रावण मास के इस पवित्र अवसर पर हुई यह घटना अत्यंत मार्मिक है। पूरा इलाका शोक में डूबा है। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर पीड़ितों की मदद करेंगी।

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने भी जताया दुख

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि ईश्वर मृतकों को शांति प्रदान करें। घायलों के इलाज में कोई कोताही न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मृतकों के परिजनों के साथ पूरी पार्टी खड़ी है। घायलों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। श्रम नियोजन मंत्री संजय प्रसाद यादव ने हादसे को दुखद बताया और कहा कि मैंने जिला प्रशासन से कहा है कि घायलों के इलाज में किसी भी तरह की लापरवाही न हो।

साथ ही उन्होंने सांसद निशिकांत दुबे के ट्वीट पर कहा कि कौन क्या ट्वीट करता है, वह उसका निजी विषय है। लेकिन भाजपा वाले अफवाह फैलाने में सबसे आगे रहते हैं। स्थानीय विधायक सुरेश पासवान ने भी हादसे पर शोक व्यक्त किया है और पीड़ितों के प्रति संवेदना जाहिर की है।

मरीज देखते-देखते हुआ इश्क फार्मासिस्ट ने नर्स से बनाए संबंध शादी का बोली तो मुकर गया

रांची, 29 जुलाई (एजेंसियां)। प्यार जीवन के सबसे खूबसूरत लम्हों में से एक होता है. लेकिन इसी प्यार में अगर छल-कपट और धोखा आ जाए तो फिर इसका परिणाम भी भयावाह हो जाता है. ऐसी एक अजब प्रेम की गजब कहानी का मामला झारखंड की राजधानी रांची में सामने आया है. रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र में काम करने वाली नर्स और उसके सहकर्मी फार्मासिस्ट के बीच प्रेम प्रसंग हो गया. साथ काम करते-करते यह दोस्ती प्यार में तब्दील हो गई और फिर एक दूसरे के साथ जीने मरने के कसमे-वादे होने लगे. शादी का वादा कर फार्मासिस्ट ने नर्स के साथ शारीरिक संबंध भी बनाए. यह सिलसिला जारी रहा इसी बीच जब नर्स ने शादी का दबाव बनाया तो फार्मासिस्ट अपने वादे से मुकर गया. दोनों के बीच प्रेम प्रसंग करीब 1 साल पहले शुरू हुआ था. अस्पताल से शुरू हुआ यह प्रेम संबंध अब, पुलिस थाने तक पहुंच गया. पीड़ित नर्स के द्वारा शादी का झांसा देकर यौन संबंध बनाने का आरोप लगाते हुए फार्मासिस्ट के विरुद्ध रांची के अरगोड़ा थाना में शिकायत दर्ज कराते हुए न्याय की गुहार लगाई गई. इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच के लिए फार्मासिस्ट को हिरासत में लिया है और जांच शुरू कर दी है.

आबकारी घोटाला...ढेबर की याचिका खारिज

एसीबी की गिरफ्तारी को बताया था अवैधानिक सिंडिकेट में कारोबारी अनवर को 90 करोड़ से ज्यादा मिले थे

बिलासपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ आबकारी घोटाले के आरोपी अनवर ढेबर की याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। इस याचिका में एसीबी और ईओडब्ल्यू की गिरफ्तारी को अवैधानिक बताते हुए एफआईआर रद्द करने समेत कई मांगें थी। सिंडिकेट बनाने वाले कारोबारी अनवर ढेबर को 90 करोड़ से ज्यादा मिले थे। सुनवाई के दौरान शासन ने बताया कि, सरकारी शराब दुकानों से अवैध शराब डुप्लीकेट होलोग्राम लगाकर बेची गई थी। जिससे शासन को करोड़ों के राजस्व का नुकसान हुआ है, यह गंभीर अपराध है, जिसमें दो बार याचिका खारिज हो चुकी है। दरअसल, शराब घोटाले मामले में ईडी की जांच रिपोर्ट के आधार पर एसीबी में एफआईआर

दर्ज कराई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के अवैध सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था। अनवर रायपुर के तत्कालीन मेयर के भाई हैं, जिसे एसीबी ने गिरफ्तार किया था।

अनवर ने एफआईआर को दी थी चुनौती

आरोपी अनवर ढेबर ने अपनी याचिका में एसीबी की एफआईआर और गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। बताया गया कि उसे अवैध तरीके से रिमांड पर लिया गया है। इसलिए राहत दी जाए। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 21 और 22 का हवाला देते हुए कहा कि, उसे 4 अप्रैल को बिना सूचना हिरासत में लिया गया। परिवार को भी सूचना नहीं दी गई। अगले दिन दोपहर 2 बजे औपचारिक गिरफ्तारी की गई। उसने आरोप लगाया कि गिरफ्तारी का पंचनामा, कारणों की सूचना और केस डायरी की कॉपी नहीं दी गई। यह सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के खिलाफ है। याचिका में 5 और 8 अप्रैल को विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) के दिए गए पुलिस रिमांड आदेशों को भी रद्द करने की मांग की।

इसकी सुनवाई के दौरान राज्य शासन की तरफ से बताया गया कि, सरकारी शराब दुकानों से अवैध शराब डूप्लीकेट होलोग्राम लगाकर बेची गई थी। जिससे शासन को करोड़ों के राजस्व का नुकसान हुआ है। इसमें अनवर ढेबर की अहम भूमिका सामने आई है। आरोपी की दो जमानत याचिकाएं पहले ही खारिज की जा चुकी हैं। तर्कों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी है।

वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट: पंजाब के किसानों पर बढ़ रहा बोझ 37.62 लाख किसानों पर एक लाख करोड़ का कर्ज

चंडीगढ़, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के किसानों पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। 37.62 लाख किसानों ने कर्ज नहीं चुकाया है, जिस वजह से बोझ बढ़ रहा है। हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल के मुकाबले सूबे के किसानों पर अधिक कर्ज है। संसद में पेश वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार पंजाब के किसानों पर 1,04,353 लाख करोड़ रुपये कर्ज है, जिसमें कमी आने की जगह बढ़ोतरी होती जा रही है। पंजाब की स्थिति पड़ोसी राज्यों से भी खराब है। हरियाणा के किसानों पर 99,026 लाख करोड़ कर्ज है, जबकि हिमाचल प्रदेश के किसानों पर 14,293 करोड़ और जम्मू एंड कश्मीर के किसानों पर 11,716 करोड़ रुपये का कर्ज है। मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि कर्ज माफी को लेकर किसी भी प्रकार का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है, जिसने किसानों की चिंता और बढ़ा दी है।

रिपोर्ट के अनुसार जिन किसान परिवारों के पास अधिक भूमि है, उनमें कर्ज के मामलों में कमी आई है। छोटे किसानों पर कर्ज में लगातार बढ़ता जा रहा है। खेती में लागत बढ़ती जा रही है, जिस कारण अपनी खराब वित्तीय हालत के कारण किसान कर्ज नहीं चुका पा रहे हैं। पंजाब और हरियाणा के बॉर्डर पर एक साल से अधिक समय तक एमएसपी की कानूनी गारंटी और कर्ज माफी की मांग को लेकर किसानों का आंदोलन भी चला। हालांकि उनकी यह मांगें पूरी नहीं हुई।

पंजाब में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की तरफ से प्रदान किए जाने वाले लोन की बकाया राशि में भी बढ़ोतरी होती जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2025 तक यह बकाया राशि 57,536 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। मार्च 2021 तक किसानों का केसीसी बकाया 54,526 करोड़ रुपये था, जो मार्च 2022 तक बढ़कर 55,754 करोड़ तक पहुंच गया। वर्ष 2023 तक बकाया राशि में थोड़ी कमी आई और यह 55,428 करोड़ तक पहुंच गई। मार्च 2024 तक इसमें फिर से बढ़ोत्तरी देखने को मिली और बकाया राशि बढ़कर 57,830 करोड़ हो गई।

किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना का मकसद किसानों को समय पर और पर्याप्त ऋण उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपनी कृषि आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। इसमें बीज, उर्वरक, कीटनाशक आदि खरीदना और फसल के बाद के खर्चों को भी पूरा करना शामिल है। जो किसान इस राशि को समय पर चुका देते हैं, सरकार की तरफ से उनको विशेष छूट भी दी जाती है।

जालंधर पुलिस को कामयाबी

फतेह ग्रुप के दो शूटर गिरफ्तार, पांच अवैध पिस्तौल और हेरोइन बरामद

जालंधर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब सरकार की तरफ से अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कमिश्नरेट पुलिस जालंधर को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर के निर्देशन में सीआईए स्टाफ की टीम ने कुख्यात 'फतेह ग्रुप' के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार कर हथियारों और नशे की बड़ी खेप बरामद की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान करणप्रीत सिंह उर्फ ज्ञानी उर्फ फतेह पुत्र जसपाल सिंह (निवासी बैंक एन्क्लेव, खुरला किंगरा, जालंधर) और अमन उर्फ अमना पुत्र त्रसेम लाल (निवासी बाबा काहन दास नगर, बस्ती बावा खेल, जालंधर) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 4 अवैध पिस्तौल (.32 बोर) और 8 जिंदा कारतूस, एक अवैध पिस्तौल (.45 बोर) और 2 जिंदा कारतूस, कुल 5 अवैध पिस्तौल और 10 जिंदा कारतूस और 50 ग्राम हेरोइन बरामद की है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि करणप्रीत सिंह उर्फ फतेह के खिलाफ पहले से ही 16 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि अमन उर्फ अमना पर 11 मामले लंबित हैं। दोनों को 27 जुलाई को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। पूछताछ के दौरान और भी खुलासे होने की उम्मीद है। कमिश्नरेट पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से शहर में सक्रिय गैंगों और अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं और आगे भी ऐसी कार्रवाइयां जारी रहेंगी।

बीजिंग में भारी बारिश का कहर, अब तक 34 की मौत

> 80 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगह पर भेजा

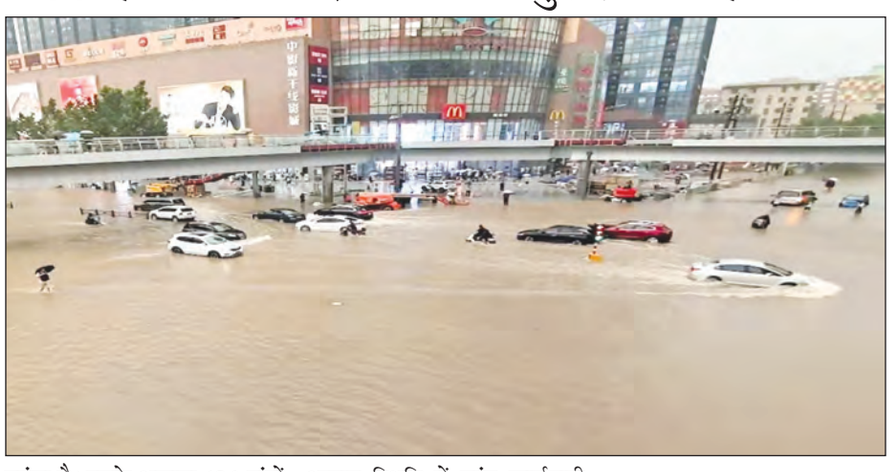

बीजिंग, 29 जुलाई (एजेंसियां)। चीन की राजधानी बीजिंग इस समय भीषण बाढ़ और बारिश की चपेट में है। बीते कुछ दिनों से जारी मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। बीजिंग के नगर निगम बाढ़ नियंत्रण मुख्यालय के अनुसार अब तक 34 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 80,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने जानमाल के नुकसान को कम करने के लिए राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

बीजिंग के जिन इलाकों में सबसे ज़्यादा मौतें हुई हैं, उनमें मियुन ज़िला सबसे प्रभावित रहा है। यहां 28 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि यानचिंग जिले में दो लोगों की मौत हुई है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, सबसे अधिक वर्षा मियुन में दर्ज की गई, जो 543.4 मिलीमीटर तक पहुंच गई। इन क्षेत्रों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं भी सामने आई हैं।

सड़कें टूटीं, गांवों में बिजली गुल

भारी बारिश और बाढ़ की वजह से बीजिंग में 31 सड़कों को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 136 गांवों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। प्रशासन ने लोगों को तेज बहाव वाली नदियों और खतरनाक इलाकों से दूर रहने की चेतावनी दी है। बीजिंग में अभी भी बारिश रुक-रुक कर हो रही है, जिससे हालात और खराब हो सकते हैं।

सतर्कता का उच्चतम स्तर लागू

सोमवार रात बीजिंग के नगर बाढ़ नियंत्रण मुख्यालय ने पूरे शहर में बाढ़ आपात प्रतिक्रिया प्रणाली का सबसे ऊंचा स्तर लागू कर दिया। इसका मकसद यह है कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्यवाही की जा सके। नगर प्रशासन द्वारा सभी संबंधित विभागों को सतर्क किया गया है और संवेदनशील इलाकों में राहत दलों को तैनात किया गया है।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग का निर्देश

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि लापता और फंसे हुए लोगों की हर हाल में तलाश की जाए और संकटग्रस्त क्षेत्रों से लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अधिकारियों को सबसे खराब स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए और हर कदम योजनाबद्ध और वैज्ञानिक तरीके से उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपात प्रतिक्रिया तत्काल शुरू की जाए ताकि लोगों की जान और संपत्ति को पूरी तरह से सुरक्षित किया जा सके।

प्रधानमंत्री ली क्यांग ने दिए निर्देश

चीन के प्रधानमंत्री ली क्यांग ने भी राष्ट्रीय बाढ़ नियंत्रण अधिकारियों से कहा है कि वे स्थानीय सरकारों को मजबूत और प्रभावशाली जवाब देने में मदद करें। उन्होंने चेतावनी दी कि देश के अन्य हिस्सों में भी मौसम की स्थिति खराब हो सकती है, इसलिए समन्वय के साथ काम किया जाए।

ताइवान के राष्ट्रपति ने 4 देशों की यात्राएं टाली

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने अपनी एक विदेशी यात्रा को फिलहाल टालने का फैसला किया है। यह यात्रा काफी संवेदनशील माना जा रही थी लेकिन ऐसा दावा किया जा रहा है कि चीन के दबाव में ट्रम्प ने ताइवान के राष्ट्रपति को कई अमेरिकी देशों की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी। फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक ताइवान के राष्ट्रपति अगस्त में ग्वाटेमाला, पराग्वे और बेलीज की यात्रा करने वाले थे। ये तीनों देश ताइवान को मान्यता देते हैं। ताइवान ने इस यात्रा से जुड़ी डिटेल ट्रम्प प्रशासन को भेजी थी। इसमें उनकी योजना अमेरिका में रूकने की भी थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प चीन के साथ ट्रेड डील को लेकर बातचीत कर रहे हैं। ऐसे में अगर ताइवान का कोई टॉप नेता अमेरिका की यात्रा करता तो इससे चीन नाराज हो सकता था।

ट्रम्प ने लंदन के मेयर को घिनौना इंसान बताया

कहा-उन्होंने बहुत खराब काम किया है; ब्रिटिश पीएम बोले-वो मेरे दोस्त हैं

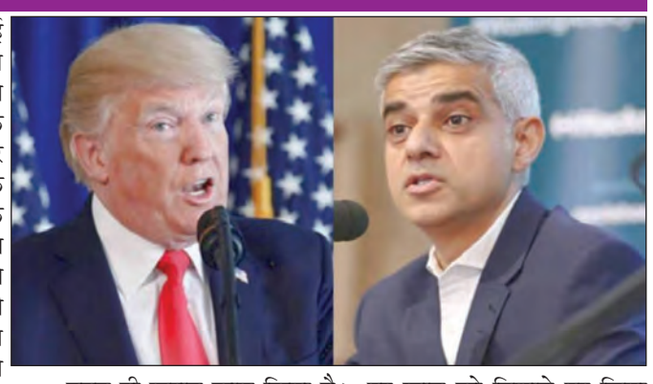

टर्नबेरी, 29 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर लंदन के मेयर सादिक खान पर हमला बोला है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ स्कॉटलैंड में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रम्प ने खान को नैस्टी पर्सन यानी घिनौना इंसान कह दिया और उनके कामकाज की आलोचना की।

एक रिपोर्टर ने ट्रम्प से पूछा कि क्या वे सितंबर में अपनी राजकीय यात्रा के दौरान लंदन आएंगे, तो उन्होंने कहा मैं आपके मेयर का फैन नहीं हूं। मुझे लगता है उन्होंने बहुत खराब काम किया है।

उनके इस बयान पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने तुरंत कहा कि वो (सादिक खान) मेरे दोस्त हैं। हालांकि ट्रम्प अपने बयान पर अड़े रहे और दोबारा दोहराया कि उन्होंने बहुत ही खराब काम किया है। लेकिन मैं निश्चित रूप से लंदन आऊंगा।

ट्रम्प और सादिक खान के रिश्ते पहले से तल्ख

यह पहली बार नहीं है जब ट्रम्प ने सादिक खान पर हमला किया है। 2019 में भी उन्होंने खान को नाकाम इंसान कहा था और उन्हें सलाह दी थी कि वह लंदन में अपराध पर ध्यान दें। तब भी ट्रम्प ब्रिटेन की राजकीय यात्रा पर थे और लंदन आने से ठीक पहले ही उन्होंने ट्विटर पर खान को निशाने पर लिया था। ट्रम्प पहले खान को आईक्यू टेस्ट की चुनौती भी दे चुके हैं और 2017 के लंदन ब्रिज हमले के बाद उनकी प्रतिक्रिया की आलोचना भी कर चुके हैं।

ट्रम्प ने अपने पिछले कार्यकाल में खान पर आतंकवाद से निपटने में नाकाम रहने का आरोप लगाया था और उन्हें स्टोन कोल्ड लूजर (बिल्कुल नाकाम इंसान) और बहुत मूर्ख कहा था।

अमेरिका-ईयू ट्रेड डील से फ्रांस नाराज

कहा-ट्रम्प सिर्फ ताकत की भाषा समझते हैं, फ्रेंच पीएम बोले-ये डील यूरोप के लिए काला दिन

पेरिस, 29 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और यूरोपियन यूनियन (ईयू) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के बीच रविवार को हुई ट्रेड डील की फ्रांस ने आलोचना की है। फ्रांस के प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बेरो ने इसे ईयू के लिए काला दिन बताया है। बेरो ने कहा कि ईयू ने राष्ट्रपति ट्रम्प के बढ़ते टैरिफ दबाव के आगे घुटने टेक दिए। उन्होंने एक्स पर लिखा-यह दुखद है जब स्वतंत्र देशों का गठबंधन, जो अपने साझा मूल्यों और हितों की रक्षा के लिए बना था, दबाव में झुक जाता है। वहीं, फ्रांस के यूरोपीय मामलों के मंत्री बेंजामिन हदद ने कहा कि यह हालात ठीक नहीं है और ईयू को जवाबी कार्रवाई करनी चाहिए। फ्रांस के व्यापार मंत्री लॉरेंट सेंट-मार्टिन ने कहा- ट्रम्प सिर्फ ताकत की भाषा समझते हैं। हमें पहले ही जवाबी कदम उठाने चाहिए थे, तो शायद डील बेहतर होती। हालांकि, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस मामले पर चुप्पी साध रखी है।

इटली-जर्मनी ने ट्रेड डील का स्वागत किया

जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने इस समझौते का स्वागत किया। यूरोपीय ट्रेड कमीश्नर मारोश सेफचोविच ने इसे बड़ा कदम बताया, क्योंकि इससे अमेरिका और यूरोप के बीच ट्रेड वॉर टल गया। इस समझौते के तहत यूरोप से अमेरिका जाने वाले ज्यादातर सामानों पर 15% टैरिफ लगेगा, जो मौजूदा 4.8% से तीन गुना ज्यादा है। हालांकि, ट्रंप की 1 अगस्त तक की धमकी के बाद 30% टैरिफ से बचा जा सका।

यूरोप के 70% सामानों पर 15% टैरिफ लगेगा

समझौते की डिटेल्स के मुताबिक, यूरोप के 70% सामानों पर 15% टैरिफ लगेगा। इसमें कारें, दवाएं और इलेक्ट्रॉनिक्स सामान शामिल हैं। हालांकि, विमान के पुर्जे, कुछ केमिकल्स, सेमीकंडक्टर इक्विपमेंट और कॉर्क जैसे कुछ कृषि प्रोडक्ट्स पर टैरिफ नहीं होगा। दवाओं पर भी अभी कोई टैरिफ नहीं लगेगा, और अगर भविष्य में लगता भी है, तो वह 15% से ज्यादा नहीं होगा। ईयू अगले तीन सालों में अमेरिका से 750 बिलियन डॉलर यानी करीब 64 लाख करोड़ रुपए की एनर्जी खरीदेगा। इसके साथ ही ईयू अमेरिका में 600 बिलियन डॉलर यानी 51 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा।

नीदरलैंड ने इजराइल के 2 कट्टर मंत्रियों पर बैन लगाया

गाजा में हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप, अब तक 7 देशों ने प्रतिबंध लगाया

एम्सटर्डम, 29 जुलाई (एजेंसियां)। नीदरलैंड ने इजराइल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच और सुरक्षा मंत्री इतमार बेन-ग्विर के देश में प्रवेश पर रोक लगा दी है।

इन पर गाजा में हिंसा को बढ़ावा देने के आरोप हैं। नीदरलैंड से पहले 6 देश इन दोनों नेताओं के अपने देश में आने पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। डच विदेश मंत्री कैस्पर वेल्डकैंप ने सोमवार को कहा कि यह फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि इन मंत्रियों ने बार-बार फिलिस्तीनियों के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा दिया है, अवैध यहूदी बस्तियों के विस्तार की वकालत की है और गाजा में जातीय सफाए की बात कही है। वेल्डकैंप ने यह भी कहा कि नीदरलैंड में इजराइली राजदूत को तलब किया जाएगा और उनसे अपील की जाएगी कि वे नेतन्याहू सरकार से अपना रवैया बदलने को कहें।

ग्रैंड मुफ्ती बोले-निमिषा की मौत की सजा रद्द

विदेश मंत्रालय ने नकारा; भारतीय नर्स को यमन नागरिक की हत्या मामले में गोली मारी जानी है

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। यमन की जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा पर संशय गहरा गया है। एक तरफ भारतीय ग्रैंड मुफ्ती कांथापुरम एपी अबूबकर मुसलियार के ऑफिस ने दावा किया है कि निमिषा प्रिया की पहले स्थगित की गई मौत की सजा को अब रद्द कर दिया गया है। वहीं, दूसरी तरफ विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने निमिषा की सजा रद्द होने की जानकारियों को भ्रामक बताया है। उन्होंने कहा कि ये जानकारियां मौजूदा स्थिति को सही ढंग से नहीं दर्शातीं।

निमिषा प्रिया यमन में एक हत्या के मामले में मौत की सजा का सामना कर रही हैं। उसे जून 2018 में एक यमनी नागरिक की हत्या के लिए दोषी ठहराया गया था। इस मामले में उसे 16 जुलाई को मौत की सजा दी जानी थी। हालांकि, इससे पहले ही 15 जुलाई को निमिषा की सजा अस्थाई रूप से टाल दी गई थी।

भारत और यमन के धर्मगुरुओं ने बातचीत की थी

भारतीय ग्रैंड मुफ्ती कांथापुरम एपी अबूबकर मुसलियार और यमन के चर्चित सूफी विद्वान शेख हबीब उमर बिन हाफिज ने 15 जुलाई को इस मसले पर बातचीत की थी। इसमें यमन के सुप्रीम कोर्ट के एक जज और मृतक का भाई भी शामिल था। यमन के शेख हबीब को बातचीत के लिए मुफ्ती मुसलियार ने मनाया था। यह भी पहली बार था कि जब मृतक के परिवार का कोई करीबी सदस्य बातचीत को तैयार हुआ हो। यह बातचीत शरिया कानून के तहत हुई थी। यह मृतक के परिवार को दोषी को बिना किसी शर्त के या फिर ब्लड मनी के बदले माफ करने का कानूनी अधिकार देता है।

मृतक के परिवार ने निमिषा को माफी देने से इनकार किया था

यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या के मामले में फंसी भारत की नर्स निमिषा प्रिया को माफ करने से महदी परिवार ने इनकार कर दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक महदी के भाई अब्देल फत्तह महदी ने सोशल मीडिया पर साफ कहा था कि मैं अपने भाई की हत्या के मामले में कोई माफी या समझौता नहीं चाहता। महदी ने कहा, न्याय की जीत होगी ,भले ही सजा में देरी हो, लेकिन बदला लेकर रहेंगे। चाहे कोई भी कितना दबाव डाले या मिन्नतें करे, हम क्षमा नहीं करेंगे और ब्लड मनी (खून के बदले दी जाने वाली रकम) नहीं लेंगे। अरबी को दिए एक इंटरव्यू में भी महदी ने कहा था कि हम शरियत कानून के तहत 'किसास' (बदला) की मांग करते हैं। सिर्फ हत्या ही नहीं, बल्कि सालों चले इस केस ने भी हमारे परिवार को काफी नुकसान पहुंचाया है। इसलिए मुआवजे की कोई रकम नहीं लेना चाहते।

निमिषा पर यमन के नागरिक की हत्या का केस

भारतीय नर्स निमिषा 2017 से जेल में बंद हैं, उन पर यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी को ड्रग का ओवरडोज देकर हत्या करने का आरोप है। निमिषा और महदी यमन में एक प्राइवेट क्लिनिक में पार्टनर थे।

अमेरिका के मैनहटन में गोलीबारी, पुलिस अफसर समेत 5 की मौत

हमलावर ने हाई-प्रोफाइल बिल्डिंग के बाहर गोलियां चलाई खुद को भी गोली मारी

न्यूयॉर्क सिटी, 29 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मिडटाउन मैनहटन में सोमवार शाम एक ऑफिस बिल्डिंग में हुई गोलीबारी की घटना में कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक ऑफ-ड्यूटी न्यूयॉर्क पुलिस अधिकारी भी शामिल है। हमले के मुख्य संदिग्ध की पहचान नेवादा के शेन तमुरा के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, उसने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से लास वेगास का कन्सील्ड कैरी परमिट भी बरामद हुआ है। शूटिंग शाम 6:30 बजे पार्क एवेन्यू की एक हाई-प्रोफाइल बिल्डिंग में हुई, जिसमें अमेरिका की बड़ी फाइनेंशियल कंपनियों और एनएफएल के ऑफिस स्थित हैं।

न्यूयॉर्क मेयर एडम्स अफसर इस्लाम की पत्नी से मिले

न्यूयॉर्क के मेयर एडम्स ने सोमवार रात अफसर इस्लाम की पत्नी और परिवार से मुलाकात की। मेयर एरिक एडम्स ने अफसर इस्लाम को नायक बताया है। एरिक ने कहा उन्होंने लोगों की जान बचाने के लिए अपनी जान दांव पर लगा दी। वह तीन साल से ज्यादा वक्त से पुलिस डिपार्टमेंट में सेवा दे रहे थे। वे इस शहर से प्यार करते थे। नेशनल लॉ एन्फोर्समेंट ऑफिसर्स मेमोरियल फंड के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, दिदारुल इस्लाम समेत साल 2025 की पहली छमाही में 43 अमेरिकी पुलिस अफसरों की ड्यूटी के दौरान मौत हुई है। गोलीबारी में मारे गए 36 वर्षीय न्यूयॉर्क पुलिस के अफसर दिदारुल इस्लाम बांग्लादेशी प्रवासी थे। घटना के वक्त वे हमले वाली इमारत में ड्यूटी पर तैनात थे। न्यूयॉर्क की पुलिस कमिश्नर जेसिका टिश ने बताया कि अफसर इस्लाम की पत्नी गर्भवती हैं और उनके दो छोटे बेटे भी हैं।

ईरान को मिला भारत वाला रूसी ब्रह्मास्त्र

पहली बार किया S-400 मिसाइल डिफेंस का टेस्ट

अब इजरायल-अमेरिका को मिलेगा जवाब

तेहरान, 29 जुलाई (एजेंसियां)। इजरायल के साथ 12 दिनों का खत्म होने के लगभग एक महीने बाद ईरान ने कुछ ऐसा किया है, जो मध्य पूर्व में शक्ति संतुलन को नया रूप दे सकता है। कथित रूप से ईरान ने रूस निर्मित S-400 वायु रक्षा प्रणाली का पहला ऑपरेशनल परीक्षण किया है। ईरानी डिफेंस मीडिया आउटलेट ने ये जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, रूसी वायु रक्षा प्रणाली का ऑपरेशनल परीक्षण 26 जुलाई 2025 को तेहरान से लगभग 440 किलोमीटर दक्षिण में स्थित इस्फहान शहर के पास हुआ था। इस्फहान ईरान का रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहर है, जहां ईरानी परमाणु सुविधा पर इजराल और अमेरिका ने बमबारी की थी। ईरान की धरती पर यह S-400 प्रणाली की पहली वास्तविक तैनाती की पुष्टि है, जिसे क्षेत्रीय विश्लेषकों ने इजरायल और अमेरिका के लिए साफ संदेश बताया है। विश्लेषकों का कहना है कि अब तेहरान के हवाई क्षेत्र में बिना किसी बड़ी कीमत चुकाए आसानी से घुसपैठ नहीं की जा सकेगी।

इजरायल और अमेरिका के लिए खतरा

इसके पहले जून में हुए हवाई युद्ध के दौरान इजरायली विमानों ने ईरान के एयरस्पेस पर कब्जा करने का दावा किया था। इजरायल ने हवाई हमलों में ईरान की वायु रक्षा को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया था। यहां तक कि ईरान के पास मौजूद रूस की S-300 वायु रक्षा प्रणाली भी इजरायली हमलों का निशाना बनी थी। लेकिन अब S-400 के रूप में दुनिया की सबसे एडवांस लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणालियों में से एक की तैनाती के बाद ईरानी एयरस्पेस में घुसना आसान नहीं होगा।

किस मिसाइल का किया परीक्षण?

डिफेंस सिक्योरिटी एशिया की रिपोर्ट के अनुसार, परीक्षण की गई मिसाइल रक्षा प्रणाली पूर्णतः S-400 बैटरी मालूम पड़ती है, जिसमें 91N6E बिग बर्ड अधिग्रहण रेडार, 92N6E ग्रेव स्टोन एंगेजमेंट रेडार, केंद्रीकृत कमांड-एंड-कंट्रोल यूनिट और कई 5P85TE2 ट्रांसपोर्टर इरेक्टर लॉन्चर शामिल हैं। कथित तौर पर ऑपरेशनल अभ्यास में जिन मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया, उनमें 250 किलोमीटर तक की मारक क्षमता वाली 48N6E3 मिसाइल शामिल है, जो 380 किमी की दूरी पर लक्ष्यों को नष्ट करने में सक्षम है।

दक्षिण कोरिया : पत्नी से जुड़े मामले की पूछताछ में नहीं पेश हुए पूर्व राष्ट्रपति योल

सोल, 29 जुलाई (एजेंसियां)। गिरफ्तार दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल मंगलवार को विशेष जांच दल के सामने पेश नहीं हुए। यह पेशी उनकी पत्नी किम क्योन ही से जुड़े विभिन्न आरोपों के जांच के सिलसिले में होनी थी। पूर्व राष्ट्रपति यून और उनकी पत्नी पर चुनावी नामांकनों में हस्तक्षेप करने के आरोप हैं। इस मामले में उन्हें विशेष वकील मिन जुंग-की के ऑफिस में पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन वे निर्धारित समय पर नहीं पहुंचे। यून की ओर से उनकी गैर-हाजिरी को लेकर अभी तक कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। हालांकि, पूर्व राष्ट्रपति इससे पहले मार्शल लॉ डिक्री की जांच कर रही एक अन्य विशेष जांच टीम की पूछताछ से भी कन्नी काट चुके हैं। स्वास्थ्य कारणों का हवाला दे वो पेश नहीं हुए थे।

इसके जवाब में, विशेष वकील मिन जुंग-की की टीम ने यून के पक्ष को सूचित किया है कि उन्हें बुधवार सुबह 10 बजे पूछताछ के लिए उपस्थित होना होगा। अगर यून पूछताछ के लिए लगातार इनकार करते हैं, तो टीम उन्हें जबरन लाने पर विचार कर सकती है। पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल पर 2022 के उपचुनाव में पीपल पावर पार्टी (पीपीपी) के एक उम्मीदवार के नामांकन में हस्तक्षेप करने का संदेह है। योल पर आरोप है कि उन्होंने 2022 के उपचुनाव के लिए पूर्व सांसद किम यंग-सुन को पार्टी का टिकट दिलवाने में मदद की थी। इसके बदले उन्होंने कथित तौर पर खुद को 'पावर ब्रोकर' कहने वाले म्यंग ताए-क्युन से फ्री ओपिनियन पोल प्राप्त किया था; यह सब उस साल के राष्ट्रपति चुनाव से पहले हुआ।

पीएम हुन मानेट का दावा : सीजफायर के बाद कंबोडिया-थाईलैंड सीमा पर सुधरे हालात

नोम पेन्ह, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट के अनुसार सोमवार आधी रात से युद्धविराम लागू होने के बाद कंबोडिया-थाईलैंड सीमा पर स्थिति सुधरी है। अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हुन मानेट ने कहा, मलेशिया में एक विशेष बैठक में कंबोडिया और थाईलैंड के बीच हुए समझौते की भावना के अनुरूप, सोमवार आधी रात से युद्धविराम लागू होने के बाद सीमावर्ती क्षेत्र में स्थिति सुधरी है। उन्होंने कहा, जल्द से जल्द दुश्मनी का खत्म होना प्रभावित लोगों, जैसे कि विस्थापितों, को उनके घर लौटने और सामान्य जीवन दोबारा शुरू करने का मौका देगा। कंबोडियाई सीनेट अध्यक्ष समदेच टेको हुन सेन ने मंगलवार सुबह अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर पोस्ट किया, यह युद्धविराम और शांति समझौता सकारात्मक और प्रभावी परिणाम दे रहा है।

बिना शर्त युद्धविराम के बाद भी गोलीबारी के आरोप, दोनों देशों के दावे अलग-अलग

सुरिन, 29 जुलाई (एजेंसियां)। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच पांच दिनों तक चले खूनी संघर्ष के बाद मलयेशिया में अमेरिकी दबाव में बिना शर्त युद्धविराम का ऐलान हुआ था। लेकिन मंगलवार सुबह तक ही इस युद्धविराम पर विवाद शुरू हो गया। थाईलैंड ने कंबोडिया पर गोलीबारी का आरोप लगाया, जबकि कंबोडिया ने दावा किया कि उसने समझौते के बाद कहीं कोई फायरिंग नहीं की। थाई सेना का कहना है कि मध्यरात्रि से युद्धविराम लागू होने के बाद भी कंबोडिया की ओर से कई मोर्चों पर गोलीबारी की गई। थाईलैंड के मेजर जनरल विथाई लाईथोम्या ने बयान जारी कर कहा कि यह युद्धविराम का जानबूझकर उल्लंघन है और भरोसे के साथ गंभीर खिलवाड़ है। थाई सेना के अनुसार, उन्होंने केवल जवाबी और रक्षात्मक कार्रवाई की।

कंबोडिया ने आरोपों को बताया निराधार

कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता माली सोचेटा ने थाई आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि युद्धविराम लागू होने के बाद से अब तक किसी भी मोर्चे पर कोई सशस्त्र संघर्ष नहीं हुआ है। कंबोडियाई नेतृत्व पूरी दृढ़ता से इस युद्धविराम को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के सैन्य कमांडर मंगलवार को पहली बैठक करेंगे, जो शांति बहाली की दिशा में अहम कदम होगी।

मलयेशिया की भूमिका और अमेरिका का दबाव

सोमवार को हुए इस समझौते में मलयेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने मध्यस्थता की। उन्होंने इस युद्धविराम को तनाव कम करने और सुरक्षा बहाल करने की दिशा में अहम पहला कदम बताया। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी युद्धविराम का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और मैं दोनों इस संघर्ष को तुरंत रोकने के लिए प्रतिबद्ध हैं और दोनों सरकारों से समझौते का पूरा पालन करने की उम्मीद करते हैं।

फिलहाल कुछ इलाकों में शांति

सीमा के कुछ हिस्सों में शांति की स्थिति लौटने लगी है और जो लोग संघर्ष के चलते विस्थापित हुए थे, उनमें से कुछ अपने घरों को लौटने लगे हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि पूरे सीमा क्षेत्र में शांति बनी है या कुछ जगहों पर तनाव बना हुआ है। इस ताजा संघर्ष की शुरुआत पिछले गुरुवार को हुई जब सीमा पर एक लैंड माइंस विस्फोट में पांच थाई सैनिक घायल हो गए। इसके बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमले शुरू करने का आरोप लगाया।

वसुंधरा के बाद भजनलाल की पीएम से मुलाकात

क्या राजस्थान की सियासत में होने वाला है बड़ा बदलाव?

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के बीजेपी नेताओं की दिल्ली दौड़ क्यों लग रही है, क्या राजस्थान में कुछ बड़ा होने वाला है? यह सवाल अब सियासत के गलियारों में पूछा जा रहा है। सोमवार को पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात सामान्य इसलिए नहीं कही जा सकती कि दोनों के बीच करीब 20 मिनट तक संवाद हुआ बताया जा रहा है। राजनीति के जानकार कहते हैं कि शीर्ष स्तर पर इतनी लंबी बातचीत तब ही होती है, जब मिलने वाले के लिए कुछ तय कर लिया जाए।

वहीं आज मंगलवार को सीएम भजनलाल शर्मा ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर ली। यह मीटिंग शेड्यूल्ड नहीं थी क्योंकि इसके बारे में पहले से कोई प्रोग्राम जारी नहीं किया गया था। भजनलाल शर्मा सोमवार को जब दिल्ली रवाना हुए थे तो सीएमओ से जो मैसेज मीडिया में सर्कुलेट करवाया गया था, उसमें केंद्रीय नेताओं से उनकी संभावित

मुलाकात होना बताया गया था लेकिन वसुंधरा और मोदी की मुलाकात के बाद देर शाम सूत्रों से यह जानकारी आई कि अब भजनलाल भी पीएम नरेंद्र मोदी से मिलेंगे।

हालांकि सीएमओ से मीडिया में इस मुलाकात को लेकर काई जानकारी साझा नहीं की गई। यहां तक कि मुलाकात के बाद पीएम ऑफिस से ट्वीट के जरिए इस मुलाकात की फोटो रिलीज की गई और सीएमओ मीडिया सेल की तरफ से एक रिलीज जारी करके बताया गया कि सीएम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राजस्थान के विकास को लेकर चर्चा की। साथ ही ये भी बताया गया कि सीएम ने मुलाकात के दौरान कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार लगातार राजस्थान को एक आदर्श राज्य बनाने की दिशा में कार्य कर रही है, जहां प्रत्येक किसान, युवा, महिला, गरीब और वंचित वर्ग को न्याय मिल रहा है और वे अपनी पूर्ण क्षमता के साथ सम्मान युक्त जीवन जी रहे हैं। साथ ही यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने आने वाले समय में राजस्थान को और अधिक सहयोग देने का आश्वासन दिया है। इस प्रेस रिलीज के जरिए यह संकेत देने की कोशिश गई है कि राजस्थान में फिलहाल भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार चलती रहेगी।

अब राजे की शाह से मुलाकात की चर्चा

अब जानकारी यह है कि वसुंधरा राजे की मुलाकात गृह मंत्री अमित शाह से भी हो सकती है। इन मुलाकातों से यह तो तय लग रहा है कि वसुंधरा राजे को कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलने जा रही है लेकिन यह जिम्मेदारी कौनसी होगी इसे लेकर अभी सिर्फ कयास लग रहे हैं।

क्या होगा वसुंधरा के राजनीतिक भविष्य का फॉर्मूला?

इन मुलाकातों ने राजस्थान की सियासत में बेचैनी बढ़ा दी है। वसुंधरा राजे की राजनीति के भविष्य को लेकर बीजेपी कौन से फार्मूले पर काम कर रही है, अब इस पर सबकी नजरें हैं। बीजेपी में अभी दो बड़े पद हैं, जिन पर नए सिरे से ताजपोशी होनी है। जगदीप धनखड़ के बाद उपराष्ट्रपति का पद और बीजेपी अध्यक्ष का पद। मौजूदा बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल पूरा हो चुका है। अब पार्टी में अध्यक्ष का लेकर मंथन चल रहा है।

राजस्थान की सियासत में बेचैनी क्यूं?

बात सिर्फ राजे और भजनलाल शर्मा की मुलाकातों की नहीं है। इससे पहले राजस्थान बीजेपी के कई बड़े नेता जिस शिद्दत से दिल्ली के दौरे कर रहे हैं, उसे लेकर यहां चर्चाएं काफी जोरों पर हैं। हाल ही में प्रदेश के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी के भी दिल्ली दौरे हो चुके हैं। इनमें से किरोड़ीलाल मीणा और दीया कुमारी ने तो वहां पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की थी। किरोड़ीलाल मीणा की पार्टी अध्यक्ष से लंबी मुलाकात काफी सुर्खियों में रही थी।

सीजन की भारी बारिश से जलमग्न हुआ जयपुर

सड़कों पर धंस गए वाहन, डूबी पुलिस की गाड़ी

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। सीजन की पहली तेज़ बारिश ने शहर की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। सोमवार शाम की मूसलाधार बारिश ने जयपुर को घंटों के लिए थाम दिया। विभाग के अनुसार ये सीजन में अभी तक की सबसे भारी बारिश है।

जयपुर में शाम करीब 6 बजे अचानक बदले मौसम ने पूरे शहर को चौंका दिया। 2 घंटे की तेज बारिश के बाद कई इलाकों में दो-तीन फीट तक पानी भर गया। सबसे पहले निचले इलाके डूबे, फिर कॉलोनियों, अस्पतालों और मुख्य सड़कों तक पानी पहुंच गया।

बारिश रुकने के बाद जब लोग घरों की ओर निकले तो जगह-जगह लगे लंबे जाम से परेशान हो गए। बालाजी मोड़, मालवीय नगर, जवाहर सर्कल, गांधी पथ, बीटू बाइपास अंडरपास, टोंक रोड और जगतपुरा पुलिया जैसे कई रास्तों पर घंटों तक ट्रैफिक जाम रहा।

रेलवे स्टेशन और मेट्रो पार्किंग तक पानी भर गया और कई

गाड़ियां डूब गईं। एयरपोर्ट के प्रवेश द्वार पर भी जलभराव और सड़क धंसने से यात्री फंस गए।

सीकर रोड पर हाल ही में बनी 26.52 करोड़ की ड्रेनेज लाइन पहली ही बारिश में फेल हो गई। अधिकारियों ने सफाई दी कि जालियों में कचरा फंसने से निकासी रुकी।

अजमेर पुलिया के नीचे चल रहे सीवर कार्य के दौरान सड़क धंस गई, जहां 30 से ज्यादा बसें फंस गईं। कई जगह वाहन पलटने से लोग घायल भी हुए।

तेज बारिश के कारण जवाहर नगर कच्ची बस्ती के निचले इलाकों में पानी जमा होने लग गया। जिसके बाद प्रशासन की ओर से मड पंप लगाकर देर रात तक पानी निकाला गया।

वहीं जयपुर के कल्याण नगर अंडर पास में तो इतना पानी था कि पुलिस की गाड़ी भी पूरी तरह से डूब गई।

बेनीवाल ने पाकिस्तान को क्यों बताया भारत की 'पत्नी'?

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कसा तंज; खूब लगे ठहाके

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। संसद में सोमवार को नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने अपने भाषण में ऑपरेशन सिंदूर और कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले से जुड़े गंभीर सवाल उठाए। साथ ही उन्होंने सत्ता पक्ष पर खूब व्यंग्य भी किए, जिससे सदन में ठहाके गूंजे। बेनीवाल ने ऑपरेशन सिंदूर के नाम का हवाला देते हुए पाकिस्तान को भारत की 'पत्नी' बता डाला, जिसने सदन में हंसी का माहौल बना। दरअसल, सोमवार को संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान विपक्ष ने खूब हंगामा किया, जिसके कारण दो बार स्थगित करना पड़ा। आखिरकार दोपहर दो बजे शुरू हुई और देर रात तक चली। लोकसभा और राज्यसभा में इस मुद्दे पर 16-16 घंटे की बहस निर्धारित थी। इस दौरान सरकार और विपक्ष के बीच तीखे वार-पलटवार देखने को मिले। बेनीवाल ने अपने भाषण में कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की, जिसमें 26 पर्यटकों की नृशंस हत्या हुई थी। उन्होंने कहा कि इस घटना ने हर भारतीय के मन में बदले की भावना जगा दी थी, क्योंकि यह हमला पाकिस्तान द्वारा पनाह दिए गए आतंकवादियों ने अंजाम दिया था। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए बेनीवाल ने तीखा व्यंग्य कसा। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम हमला हुआ और 8 मई की रात को ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ। दो दिन तक चले इस ऑपरेशन के बाद सरकार ने दावा किया कि पाकिस्तान घुटनों पर आ गया। मीडिया ने कहा कि कराची पहुंच गए लाहौर पर कब्जा कर लिया और इस्लामाबाद पर झंडा फहराने वाले हैं। बेनीवाल ने मजाकिया लहजे में कहा कि हमें लगा कि बस, हो गया काम। सरकार ने ऑपरेशन का नाम सिंदूर रखा, तो लगा कि भारत ने पाकिस्तान की मांग में सिंदूर भर दिया।

आईपीएस अधिकारियों की विदाई बनी शाही शो

सेलिब्रिटी-चकाचौंध के बीच कानून व्यवस्था पूछे- मेरी बारी कब?

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में हाल ही में आईपीएस अधिकारियों के तबादलों के बाद विदाई समारोहों का एक नया ट्रेंड देखने को मिला। अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था की मजबूती के बजाय पुलिस अधिकारी अपनी भव्य विदाई पार्टियों में व्यस्त नजर आ रहे हैं।

पुलिस महकमे में यह नई परिपाटी शुरू हो चुकी है। अब ड्यूटी से अधिक ध्यान शो और सेलिब्रिटीज से सजी फेयरवेल पार्टियों पर दिया जा रहा है। जयपुर, भरतपुर और झालावाड़ सहित कई जिलों में हुए विदाई समारोह ने इस ट्रेंड को सुर्खियों में ला दिया है।

झालावाड़ एसपी की विदाई भी चर्चा में

झालावाड़ में एसपी रिचा तोमर की विदाई पर उन्हें घोड़ी पर बिठाकर बैंड-बाजे के साथ शहर में

घुमाया गया और पुलिसकर्मियों ने उनके सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किए। स्थानीय नेताओं और अधिकारियों की भी मौजूदगी रही, जिससे स्पष्ट होता है कि इन कार्यक्रमों को ऊंच स्तर पर स्वीकृति मिल रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की विदाई परंपराएं न केवल पुलिस की पेशेवर छवि को प्रभावित करती हैं, बल्कि आम जनता के बीच एक गलत संदेश भी देती हैं। जब जनता अपराध, चोरी, बलात्कार और महिलाओं की सुरक्षा जैसे मुद्दों से जूझ रही है, उस वक्त पुलिस का ध्यान ऐसे आयोजनों पर होना चिंताजनक है।

बग्घी में बैठकर निकलीं डीसीपी राशि

जयपुर में डीसीपी (नॉर्थ) राशि डोगरा डूडी की विदाई एक शाही समारोह में तब्दील हो गई। उन्हें पारंपरिक बग्घी में बैठाकर पूरे समान के साथ विदा किया गया, जबकि उनके साथी पुलिस अधिकारी बग्घी के आगे चलते हुए नजर आए। समारोह में फिल्मी सितारे जैकी श्रॉफ और कार्तिक आर्यन भी पहुंचे, जिससे यह कार्यक्रम और अधिक भव्य हो गया। विदाई समारोह ने न केवल आम जनता को चौंकाया, बल्कि सोशल मीडिया पर इन आयोजनों की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं। लोगों ने सवाल उठाए हैं कि तबादलों के बाद इस तरह का दिखावा क्यों किया जा रहा है।

घोड़े पर सवार हुए एसपी साहब

जहां एक ओर आमजन अपराध और कानून-व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं। वहीं, पुलिस अधिकारी बैंड-बाजे और घोड़े-बग्घियों में मशगूल दिखाई दे रहे हैं। भरतपुर में एसपी मृदुल कच्छावा को फूलों की माला पहनाकर, बैंड-बाजे के साथ घोड़े पर बिठाकर शाही अंदाज में पुलिस लाइन से विदा किया गया।

मिलेंगे 7.46 लाख नए आवास

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्रियों से की अहम मुलाकात

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली प्रवास के दौरान विभिन्न केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर राजस्थान के बहुआयामी विकास से जुड़े विषयों पर गंभीर और सार्थक चर्चा की। उनके इस दौरे का मुख्य उद्देश्य कृषि, ग्रामीण विकास, ऊर्जा, आवास एवं जल आपूर्ति से जुड़े अहम मुद्दों पर केंद्र सरकार का सहयोग सुनिश्चित करना रहा। मुख्यमंत्री शर्मा ने सबसे पहले केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से कृषि भवन में भेंट की। इस दौरान उन्होंने मनरेगा योजना के तहत राजस्थान को 4384 करोड़ रुपए जारी करने के लिए केंद्रीय मंत्री का आभार जताया। साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर कृषि पर्यवेक्षकों की तैनाती, मूंगफली की किस्मों का अधिसूचन और अरंडी तेल के प्रोत्साहन सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने पर ड्रॉप-मोर क्रॉप, डिग्गी निर्माण और खेतों की तारबंदी जैसी योजनाओं की प्रगति से भी अवगत कराया। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना की समीक्षा के दौरान शर्मा ने बताया कि राजस्थान में इस योजना के तहत उत्कृष्ट कार्य हुआ है। इस पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने 7.46 लाख मकानों के निर्माण की घोषणा करते हुए, प्रस्तावित आवासों के सर्वे सत्यापन के बाद तुरंत स्वीकृति देने का आश्वासन दिया।

सांवलिया सेठ के भंडार की गणना का तीसरा चरण पूरा

अब तक निकली 18 करोड़ 13 लाख की चढ़ावा राशि

चित्तौड़गढ़, 29 जुलाई (एजेंसियां)। मेवाड़ के प्रसिद्ध कृष्णधाम श्री सांवलिया सेठ मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित चढ़ावे की गणना जारी है। अब तक तीन चरणों की गणना में मंदिर के भंडार से कुल 18 करोड़ 13 लाख 25 हजार रुपए प्राप्त हो चुके हैं। जानकारी के अनुसार, गत चतुर्दशी को ठाकुरजी की राजभोग आरती के बाद भंडार खोला गया था। पहले चरण में 7 करोड़ 15 लाख रुपए, जबकि अमावस्या के चलते गणना अस्थायी रूप से रोक दी गई थी। इसके बाद दूसरे चरण में 3 करोड़ 35 लाख रुपए की गिनती हुई। रविवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण कार्य फिर रोका गया। सोमवार को तीसरे चरण में 7 करोड़ 63 लाख 25 हजार रुपए की गणना की गई। मंदिर मंडल

सूत्रों के मुताबिक, चौथे चरण की गणना मंगलवार को की जाएगी। साथ ही अब तक प्राप्त सोना-चांदी का वजन और मंदिर के भेंट कक्ष में नगद व मनीऑर्डर के रूप में प्राप्त राशि की गणना भी बाकी है। सोमवार को गणना कार्य की निगरानी में श्री सांवलियाजी मंदिर मंडल बोर्ड के अध्यक्ष हजारीदास वैष्णव, सदस्य पवन तिवारी, नायब तहसीलदार व प्रशासनिक अधिकारी प्रथम शिवशंकर पारीक, द्वितीय प्रशासनिक अधिकारी व लेखाकार राजेंद्र सिंह, संपदा प्रभारी भैरूगिरी गोस्वामी, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह, संस्थापन प्रभारी लेहरीलाल गाडरी, वरिष्ठ सहायक कालूलाल तेली, स्टोर प्रभारी मनोहर शर्मा सहित मंदिर मंडल के अधिकारी व क्षेत्रीय बैंकों के कर्मचारी मौजूद रहे।

बेड़च नदी में बाइक सहित बहे दोनों युवकों के शव मिले

चित्तौड़गढ़, 29 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के बस्सी थाना क्षेत्र में बेड़च नदी की पुलिया से बाइक सहित बहे दो युवकों के शव 21 घंटे बाद मंगलवार को बरामद कर लिए गए। दोनों शव पुलिया से करीब दो किलोमीटर दूर मिले। इनमें से एक की पहचान चंदेरिया उपनगरीय बस्ती निवासी हरकेश सिंह (30) पुत्र सरदार सिंह राजपूत के रूप में हुई है, जबकि दूसरे युवक की अब तक शिनाख्त नहीं हो सकी है। जानकारी के अनुसार भारी बारिश के कारण नदी में तेज बहाव था। इसी दौरान बाइक सवार दोनों युवकों ने बिलिया से नगरी की ओर पुलिया पार करने की कोशिश की, लेकिन संतुलन बिगड़ने से दोनों बाइक सहित बह गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की टीमों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सोमवार शाम अंधेरा होने के कारण तलाशी रोकनी पड़ी, जिसे मंगलवार सुबह दोबारा शुरू किया गया। आज सवेरे सर्च ऑपरेशन शुरू होने के करीब डेढ़ घंटे बाद हरकेश सिंह का शव पुलिया से दो किलोमीटर दूर मिला। कुछ देर बाद दूसरा शव भी उसी इलाके से बरामद हुआ। दूसरे मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। उसके एक हाथ पर अंग्रेजी में एसएस लिखा हुआ है।

शावकों को जन्म देने के बाद सड़क पर नजर आई मादा तेंदुआ

करौली-मंडरायल रोड पर घूमते दिखे दो लैपर्ड

करौली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। करौली-मंडरायल मार्ग पर ग्राम पंचायत लांगरा के पास स्थित गढ़ी का गांव के मुख्य मार्ग पर दो तेंदुओं के दिखाई देने से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है। यह दृश्य रात करीब 10 से 10:30 बजे के बीच देखा गया, जब वाहन चालकों और ग्रामीणों ने सड़क किनारे दो तेंदुओं को घूमते हुए देखा।

घटना की प्रत्यक्ष पुष्टि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लांगरा में कार्यरत कर्मचारी पुष्पेंद्र गुर्जर ने की। उन्होंने बताया कि जब वे रात को किसी कार्य से अपने कार्यस्थल

जा रहे थे, तो गढ़ी गांव के पास उन्हें एक मादा तेंदुआ सड़क पर घूमती हुई नजर आई। उन्होंने यह भी बताया कि मादा तेंदुए के शरीर से प्लेसेंटा लटक रहा था, जो प्रसव के बाद निकलता है। इससे यह संभावना जताई जा रही है कि मादा तेंदुए ने हाल ही में शावकों को जन्म दिया है। पुष्पेंद्र ने बताया कि रात करीब 10:30 बजे सीएचसी के पीछे एक अन्य तेंदुए की दहाड़ने की आवाज सुनाई दी। इसके बाद उन्होंने तुरंत इस घटना की जानकारी लांगरा वन विभाग चौकी को दी। स्थानीय वाहन चालकों ने सड़क किनारे घूमते तेंदुओं का वीडियो भी बनाया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना के बाद से ग्रामीणों और वाहन चालकों में भय और सतर्कता का माहौल है। घटना की जानकारी मिलने पर उपवन संरक्षक सुमित बंसल ने बताया कि मौके पर तुरंत टीम को भेजा गया है।

बैंक से निकलते ही युवक का अपहरण, साढ़े 9 लाख की लूट

पुलिस ने जताई आपसी रंजिश की संभावना

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के दुर्गापुरा क्षेत्र में शुक्रवार को दिनदहाड़े एक चौंकाने वाली वारदात हुई। खुद को पुलिसकर्मी बताकर चार युवकों ने एक युवक का अपहरण कर लिया और उससे साढ़े 9 लाख रुपये लूट लिए। घटना दोपहर करीब 12 बजे एसएल कट के पास स्थित एक बैंक के बाहर की है, जहां पीड़ित युवक कैश निकालने आया था। पीड़ित युवक जोधपुर का रहने वाला है और हाल ही में जयपुर आया था। वह जब बैंक से 9 लाख 50 हजार रुपये निकालकर बाहर निकला, उसी दौरान एक कार में सवार चार युवक पहुंचे और उसे जबरन कार में बैठा लिया। कार में बैठाकर आरोपी उसे करीब दो किलोमीटर दूर ले गए और रास्ते में सारा कैश छीनकर उसे कार से धक्का देकर नीचे फेंक दिया। पुलिस को मौके के सीसीटीवी फुटेज मिले हैं, जिसमें पीड़ित युवक आरोपियों के साथ पहले हंसते हुए बातचीत करता नजर आ रहा है। फिर पैसे निकालने के बाद आपसी कहासुनी होती है और युवक को जबरन कार में बैठाया जाता है। पुलिस को शक है कि यह कोई सीधा लूट या अपहरण का मामला नहीं, बल्कि किसी पुराने आर्थिक लेनदेन या रंजिश का परिणाम हो सकता है। शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी युवक पीड़ित के परिचित और साथी हैं। फिलहाल पीड़ित युवक की ओर से थाने में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस इस पूरे मामले को संदिग्ध मानते हुए जांच में जुटी है।

पुलिस कस्टडी में युवक की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

एसएचओ सहित 23 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

बारां, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के बारां जिले के किशनगंज थाने में पुलिस हिरासत में हत्या के आरोपी लोकेश सुमन की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। इस घटना ने पुलिस प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मृतक के परिजनों ने पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाते हुए हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। परिजनों ने शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही रखा है और एक करोड़ रुपये मुआवजे व सरकारी नौकरी की मांग की है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंडासु ने किशनगंज थाने के एसएचओ विनोद मीणा सहित 23 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है।

दरअसल, लोकेश सुमन को 26 जुलाई को हत्या के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। उसे न्यायालय में पेश करने के बाद 5 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा गया था। रिमांड अवधि के दौरान ही 28 जुलाई को उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के भाई राजेंद्र माली ने आरोप लगाया कि लोकेश पूरी तरह स्वस्थ था और उसे कोई बीमारी नहीं थी।

राजेंद्र ने बताया कि 26 जुलाई को वे लोकेश से मिलने गए थे, लेकिन पुलिस ने मिलने नहीं दिया। उन्होंने पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाते हुए कहा कि इसी के चलते लोकेश की मौत हुई। परिजनों ने भंवरगढ़ और किशनगंज थाने के पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए SP अभिषेक अंडासु ने त्वरित कार्रवाई करते हुए किशनगंज थाने के पूरे स्टाफ को लाइन हाजिर कर दिया। इसमें SHO विनोद मीणा सहित 23 पुलिसकर्मी शामिल हैं। बता दें, जूडिशियल मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में सोमवार को शव का पोस्टमार्टम हो चुका है, लेकिन परिजनों ने इसे उठाने से इनकार कर दिया।

पहले परिजनों ने देर रात होने का हवाला देकर शव मंगलवार को उठाने की बात कही थी, लेकिन मंगलवार सुबह उन्होंने मुआवजा और नौकरी की मांग रख दी, जिससे गतिरोध बना हुआ है। जिला कलेक्टर रोहिताश्व तोमर और एसपी अभिषेक अंडासु मौके पर पहुंचे और परिजनों से बातचीत की, लेकिन मामला सुलझा नहीं है।

पुलिस के अनुसार, 23 जुलाई को किशनगंज के रामगढ़ रोड पर बबलू मीणा का शव लहूलुहान हालत में मिला था। जांच में सामने आया कि बारां निवासी लोकेश सुमन ने बबलू से पैसे उधार लिए थे और उन्हें चुकाने में आनाकानी कर रहा था। इसके अलावा, उसने एक अन्य व्यक्ति की कार गिरवी रखवाकर पैसे उधार दिलाने की कोशिश की थी। इसी विवाद में लोकेश ने बबलू के साथ शराब पी और फिर पत्थर व लकड़ी से उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद वह सांवरिया सेठ घूमने चला गया था। पुलिस ने शनिवार को उसे गिरफ्तार किया था।

75 वर्ष के बुजुर्ग से ठगे 23.56 लाख

डिजिटल अरेस्ट करने वाला मास्टरमाइंड गोवा में मिला

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान साइबर थाना पुलिस ने 75 वर्षीय बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट के जरिए 23.56 लाख रुपए की साइबर ठगी के मामले में एक और आरोपी को गोवा से गिरफ्तार किया है। एसपी शांतनु कुमार ने बताया कि आरोपी रेहान मकंदर (23), निवासी गोवा को ट्रांजिट रिमांड पर जयपुर लाया गया है। आरोपी ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर वीडियो कॉल पर नकली कोर्ट सीन दिखाकर डराया गया था। पुलिस ने इस मामले में पहले ही सुरेश कुमार, प्रहलाद कुमावत, ओमप्रकाश, भूपेश, वशुल और सन्नी कुमार को गिरफ्तार किया था। आरोपियों ने जयपुर निवासी एक बुजुर्ग को मोबाइल पर 'डिजिटल अरेस्ट' कर अदालत का दृश्य दिखाया और गिरफ्तारी का भय दिखाकर उनसे 23.56 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। साइबर गिरोह ठगी की रकम को छिपाने और आगे बढ़ाने के लिए क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग कर रहा था। आरोपी रेहान को इस अंतरराज्यीय साइबर अपराध गिरोह का मास्टरमाइंड माना जा रहा है, जिसने कई शहरों में इसी तरह लोगों को ठगा है। आरोपियों ने पीड़ित को खुद को पुलिस अधिकारी बताकर झांसे में लिया और डरा धमकाकर 23.56 लाख रुपए ऐंठ लिए। कॉलर ने बुजुर्ग पर मनी लॉन्ड्रिंग केस में शामिल होने का आरोप लगाकर डराया था।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स पर धमाका ऑफर को मिल रही ऐतिहासिक प्रतिक्रिया

100% फ्लैट ऑफर ने खींचा दूर-दराज से ग्राहकों का सैलाब

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स के 14 वर्षों से लगातार चल रहे "धमाका ऑफर" ने इस बार भी ग्राहकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई है। 100% फ्लैट ऑफर का लाभ लेने के लिए न केवल हैदराबाद बल्कि महाराष्ट्र और कर्नाटक के कई हिस्सों से भी ग्राहक बड़ी संख्या में पहुँचे।

आज तीसरे दिन भी शो-रूम में ग्राहकों का भारी उत्साह और अपार जनसमूह देखने को मिला। लातूर, परभणी, शोरापुर, तांडूर जैसे शहरों और कस्बों से ग्राहक विशेष रूप से खरीदारी के लिए पहुँचे। हल्के वज़न की ज्वेलरी पर खासा ज़ोर रहा, जिससे युवा और ऑफिस गोइंग महिलाओं में विशेष आकर्षण देखा गया।

अब तक 75 से अधिक शादी-ब्याह वाले परिवार सेल का लाभ ले चुके हैं, जिनके घरों में आगामी सितंबर, अक्टूबर और दिसंबर में विवाह प्रसंग हैं।

ब्राइडल ज्वेलरी, राजस्थानी डिज़ाइंस, और डेली वियर सेट्स को खास पसंद किया गया। सेल में आए ग्राहकों ने न सिर्फ डिज़ाइन और रेटिंग की तारीफ की, बल्कि स्टाफ की विनम्रता और व्यवस्था को भी सराहा।

शोरूम निदेशक ने कहा:

"हमारा लक्ष्य सिर्फ बिक्री नहीं, ग्राहक के विश्वास को मजबूत करना है। यह ऑफर हमारे 50 वर्षों की यात्रा का सम्मान है, जो ग्राहकों के प्यार और भरोसे से संभव हुई है।"

इस धमाका सेल में आने वाले ग्राहकों को न केवल 22 कैरेट शुद्ध सोने पर लाभ मिल रहा है, बल्कि उन्हें ट्रेंडी और पारंपरिक डिज़ाइनों का भी शानदार संगम देखने को मिल रहा है।

सीएम रेवंत रेड्डी के खिलाफ ईडी में शिकायत

बीआरएस ने 423 करोड़ रुपये के धान खरीद घोटाले में की है शिकायत

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस सरकार में हुए लगभग 423 करोड़ रुपये के कथित धान खरीद टेंडर घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी और नागरिक आपूर्ति विभाग के कई अधिकारी इसमें शामिल हैं। पार्टी सीबीआई और खुफिया निदेशालय में भी इसी तरह की शिकायत दर्ज कराने की योजना बना रही है। मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए, पूर्व विधायक पेड्डी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने लगभग 35 लाख टन धान खरीद के लिए निविदाएँ आमंत्रित की थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि बोली लगाने वालों ने बोली की राशि के अतिरिक्त धन इकट्ठा किया, जिसके परिणामस्वरूप मनी लॉन्ड्रिंग के ज़रिए 423 करोड़ रुपये निजी खातों में जमा कर दिए गए।

उन्होंने कहा, 'हमने 700 से अधिक पृष्ठों के साक्ष्य एकत्र किए हैं, जिनमें उन खातों का विवरण भी शामिल है, जिनमें चावल मिल मालिकों से 2,230 रुपये प्रति टन का अवैध भुगतान जमा किया गया था।' पूर्व मंत्री गंगुला कमलाकर ने कहा कि इन अनियमितताओं के कारण राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ। उन्होंने कहा, 'पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन में बीआरएस की शिकायतें दर्ज नहीं की गईं, जबकि सोशल मीडिया पोस्ट के लिए भी बीआरएस कार्यकर्ताओं के खिलाफ खुलेआम एफआईआर दर्ज की जा रही हैं।' उन्होंने यह भी दावा किया कि इस मुद्दे पर भाजपा की चुप्पी ने घोटाले में कांग्रेस-भाजपा की संभावित मिलीभगत पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस द्वारा विधानसभा के अंदर और बाहर बार-बार इस मुद्दे को उठाने के बावजूद, कांग्रेस सरकार चुप रही और उच्च न्यायालय में दायर मामले में जवाब दाखिल करने से बच रही है।

जनभागीदारी से विशेष मानसून अभियान को सफल बनाया जाए : आयुक्त

एल.बी. नगर और चारमीनार क्षेत्रों में निरीक्षण करने के निर्देश

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त आर.वी. कर्णन ने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद के लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक विशेष मानसून अभियान शुरू किया गया है। आयुक्त ने शहर में स्वच्छता में सुधार के उद्देश्य से ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) द्वारा मंगलवार से शुरू किए गए एक विशेष स्वच्छता अभियान के लिए चारमीनार और एल.बी. नगर क्षेत्रों के विभिन्न क्षेत्रों का क्षेत्रीय निरीक्षण किया। इस अभियान के तहत, सफाई कर्मचारियों ने सड़कों, कॉलोनियों और सार्वजनिक स्थानों पर जमा कचरा हटाया। सीवरों की सफाई और पानी जमा होने से रोकने के लिए कदम उठाए गए। कीट विज्ञान अधिकारियों ने मच्छरों के प्रकोप को रोकने के लिए फॉगिंग और लार्वा-रोधी अभियान गंभीरता से चलाए। क्षेत्रीय निरीक्षण के बाद, आयुक्त ने अधिकारियों को अभियान को प्रभावी ढंग से चलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त आर.वी. कर्णन ने सभी से स्वच्छता को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सड़कों पर कचरा न फेंककर कूड़ेदान में ही डालें। उन्होंने स्पष्ट किया कि कचरा घर आने वाले स्वच्छ वाहनों को ही दिया जाना चाहिए और अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखकर बीमारियों से बचा जा सकता है।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और कॉलोनी कल्याण संघों के सदस्यों से भी इस अभियान में भाग लेने, सहयोग प्रदान करने और कॉलोनी की स्वच्छता में योगदान देने की अपनी ज़िम्मेदारी लेने की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि चूँकि चालू मानसून के मौसम में बीमारियाँ फैलने की संभावना है, इसलिए सभी को इस स्वच्छता अभियान को बेहतर बनाने में सहयोग करना चाहिए।

साइबर जालसाजों ने ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग में बुजुर्ग व्यक्ति से 19 लाख रुपये ठगे

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एक 80 वर्षीय व्यक्ति को एक फर्जी समाचार लेख में दिए गए भ्रामक लिंक पर क्लिक करने के बाद ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग घोटाले में 19 लाख रुपये से अधिक की ठगी का शिकार होना पड़ा।

यह घटना 18 जुलाई को घटी, जब टॉलीचौकी निवासी एक बुजुर्ग व्यक्ति ने ब्राउजिंग करते समय एक डिजिटल तमिल चैनल द्वारा कथित तौर पर प्रसारित एक साक्षात्कार देखा। कार्यक्रम में 'साधु सद्गुरु' नाम के एक व्यक्ति को दिखाया गया था, जो ऑनलाइन शेयर बाजार में निवेश के ज़रिए अच्छा-खासा मुनाफ़ा कमाने का दावा करता था। लेख में एक लिंक भी था जो पाठकों को निवेश करने और इसी तरह का मुनाफ़ा कमाने के लिए प्रोत्साहित करता था।

लिंक पर क्लिक करने के बाद, पीड़ित से एक कॉलर ने संपर्क किया, जिसने खुद को एक कंपनी में अकाउंट मैनेजर सैम बताया। कॉलर ने पीड़ित को स्टॉक ट्रेडिंग में निवेश करने के लिए राजी किया और उसे अच्छे रिटर्न का वादा किया।

वैध प्रस्ताव पर भरोसा करते हुए, वरिष्ठ नागरिक ने कई लेन-देन में कुल 19.9 लाख रुपये हस्तांतरित कर दिए। बाद में, सैम ने 10 लाख रुपये और मांगे, यह दावा करते हुए कि लगभग 80 लाख रुपये का मुनाफा जारी करना ज़रूरी है। जब पीड़ित ने और पैसे देने से इनकार कर दिया, तो उसे साफ़-साफ़ कहा गया कि इससे उसका पिछला निवेश डूब जाएगा। शिकायत दर्ज कर ली गई है और साइबर अपराध पुलिस जांच कर रही है।

तेरापंथ शासन की 108 वर्षीय साध्वी श्री बिदामांजी की गुणानुवाद सभा संपन्न

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साध्वी श्री डा. गवेषणा श्री जी के सानिध्य में, तेरापंथ सभा सिकंदराबाद के तत्वावधान में तेरापंथ शासन की सुदीर्घजीविता साध्वी श्री बिदामांजी की गुणानुवाद सभा संपन्न हुई। जिन्होंने 108 वें वर्ष में पूरी जागरूकता के साथ समाधिपूर्वक देवलोक गमन किया।

इस अवसर पर साध्वी श्री डॉ गवेषणा श्री जी ने बताया कि भैक्षव शासन में दीक्षित - शिक्षित एवं तीन-तीन आचार्यों द्वारा परीक्षित स्वनाम धन्या शासनश्री दीर्घजीविता साध्वी बिदामांजी वीरभूमि मेवाड़ की वीरांगना थी। जो स्वर्गीय विरधीचंदजी हंजाबाई चावल की बाड़ूली थी। उन्होंने बताया कि ठाणं सूत्र में चार प्रकार के व्यक्तियों की चर्चा हुयी है - नारीयल के समान दाख के सामान बिदाम के समान। साध्वी श्री बिदामा श्री जी दाख के समान थी। युगप्रधान आचार्य श्री तुलसी के कर कमलों दीक्षित साध्वी थी जो चढ़ते यौवन में संयम रत्न को ग्रहण किया था। आचारनिष्ठा, संयमनिष्ठा मोक्षनिष्ठा, आज्ञानिष्ठा एवं गुरुनिष्ठा आप में रमी हुयी थी। तेरापथ धर्मसंघ में आपने दीर्घसंयमपर्याय और दीर्घजीविता के क्षेत्र में एक नया इतिहास आचार्य श्री महाश्रमण -जी के युग में रचा है। आप %9 साल एक ही ग्रुप में जमकर अपने समर्पण, विनम्रता का परिचय दिया है। अन्त में भी संयम पर कलश चढाकर अपने जीवनयात्रा को धन्य बनाया है। साध्वी मेरुप्रभाजी, साध्वी मयंकप्रभा, साध्वी दक्षप्रभा ने सामूहिक गितिका के द्वारा साध्वी बिदामांजी के जीवन दर्शन प्रस्तुत किया। उपासिका सरलाबाई भूतोडिया, तेरापंथ महिला की अध्यक्ष नमिता सिंघी, पूर्व अध्यक्ष चंद्रा सुराणा, बदामां श्रीजी की संसारपक्षीय प्रपौत्र विकास दक, ने कविता के द्वारा अपनी भावांजलि अर्पित की। सिकंदराबाद सभा के अध्यक्ष सुशील संचेती ने भी अपने विचार रखें। शांतीलाल दक ने साध्वीश्री का परिचय दिया।

दुख में भी साथ निभाने वाला होता है सच्चा मित्र

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हमारे जैसे मित्र होते हैं वैसा ही हमारा चरित्र बनता है। चरित्र को अगर अच्छा बनाना है तो हम कुछ न करें केवल अच्छे लोगों को अपना मित्र बनाएँ हमारा चरित्र अपने आप अच्छा बन जाएगा। जैसे पानी की एक बूँद मिट्टी में गिरे तो मिट्टी बन जाती है, गर्म लोहे पर गिरे तो भस्म हो जाती है, साँप के मुँह में गिरे तो जहर बन जाती है, केले के गर्भ में गिरे तो कपूर बन जाती है और सीप के मुँह में गिरे तो सच्चा मोती बन जाती है ठीक वैसे ही इंसान को जैसी संगत मिलती है उसकी वैसी ही रंगत बन जाती है। व्यक्ति पर माता-पिता, घरवालों से भी बढ़कर अगर किसी का प्रभाव पड़ता है तो वह उसका मित्र होता है। इसलिए व्यक्ति मित्र बहुत ही सोच-समझकर बनाए। मित्र सैकड़ों हों यह जरूरी नहीं, पर भला मित्र तो एक भी बहुत होता है।

उक्त उद्गार राष्ट्र-संत महोपाध्याय ललितप्रभ सागर के हैं। वे मंगलवार को नामपल्ली के एग्जिबिशन ग्राउंड में मित्र बनाते समय क्या ध्यान रखें विषय पर प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इंसान को तीन चीजें नसीब से मिलती हैं - अच्छी पत्नी, अच्छी संतान और अच्छा दोस्त। पत्नी का चयन परिवार वाले करते हैं, पुत्र का चयन भाग्य करता है, पर मित्र का चयन इंसान स्वयं करता है इसलिए पत्नी या संतान गलत निकल जाए तो इसका पूरा दोष आपको नहीं है, पर दोस्त गलत निकल जाए तो इसका जिम्मेदार व्यक्ति स्वयं होता है। अगर पत्नी या पुत्र सही नहीं निकले तो हमारा जीवन बर्बाद होगा, पर मित्र सही निकला तो सात पीढियाँ बर्बाद हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी दोस्ती सरोवर-पंछी जैसी न हो कि प्यास लगी तो पानी पिया और उड़ गए। दोस्ती मोम और धागे की तरह हो कि धागा जला तो मोम भी पिघलने लगा। हमारा दोस्त किसी ढाल जैसा हो जो सुख में तो पीछे रहे, पर दुख में हमारी रक्षा के लिए आगे आ जाए। केवल बातें करने वाले, मौज-शौक उड़ाने वाले मित्र ज्यादा काम के नहीं होते। जो सुख-दुख में साथ निभाते हैं वहीं सच्चे मित्र कहलाते हैं।

विपदा में काम आने वाले होते हैं सही मित्र-संतप्रवर ने कहा कि यूँ तो आपके सौ-दौ सौ मित्र होंगे, पर उनमें से सच्चे मित्र कितने हैं यह जानना हो तो एक दिन सबके पास जाना और कहना कि मुझे दो लाख रुपयों की तत्काल जरूरत है। अगर आपका मित्र बहाने बनाए तो समझ लेना यह केवल दिखावटी मित्र है और जो रुपये निकालकर दे दे समझ लेना वह आपका सही मित्र है।

संतप्रवर ने कहा कि हमें तीन तरह के मित्रों से सदा बचकर रहना चाहिए - स्वार्थी, मूर्ख एवं चापलूस। ये अपने भले के लिए औरों को मित्र बनाते हैं और एक दिन अपने मित्र को विपदा में डालकर खुद गायब हो जाते हैं। गधे के पीछे और सांड के आगे से बचना चाहिए, पर ऐसे गलत मित्रों से चारों और बचने की जरूरत हुआ करती है। संतप्रवर ने युवाओं को प्रेरणा दी कि वे इधर-उधर के फालतू लड़कों को मित्र बनाने की महापुरुषों को अपना मित्र बनाएँ। इस अवसर पर डॉ. मुनि शांतिप्रिय सागर जी महाराज ने नवकार महामंत्र की सामूहिक प्रार्थना करवाई।

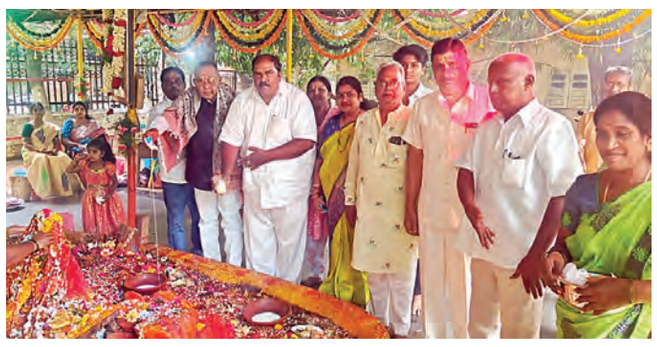

नागपंचमी पर चिरागअली लेन स्थित नागदेवता मंदिर में पूजा करते एएमसी के सरकारी सलाहकार सदस्य ए. गौतम जैन. कांग्रेस नेता पी. राजेंद्र यादव. गजानन चौधरी, एम. नरसिंग राव , किशन शर्मा आदि।

राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा ने लिटिल फ्लावर डिग्री कॉलेज में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में उभरते रुझान पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। इसमें बडी संख्या में शहर के विद्वतजन उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

पीएम मोदी की...'

पीएम मोदी ने कहा कि एक तरफ भारत 'आत्मनिर्भरता' की ओर तेजी से बढ़ रहा है और दूसरी तरफ कांग्रेस अब भी मुद्दों के लिए पाकिस्तान पर निर्भर होती जा रही है। दुर्भाग्य से कांग्रेस को मुद्दे भी पाकिस्तान से 'इम्पोर्ट' करने पड़ रहे हैं! जब पायलट अभिनंदन पकड़े गए, तो पाकिस्तान में खुशी का माहौल होना स्वाभाविक था, क्योंकि उनके हाथ भारतीय सेना का पायलट लगा था, लेकिन यहां पर भी कुछ लोग थे जो कानों-कान कह रहे थे - अब मोदी फंसा, अब देखते हैं, मोदी क्या करता है। डंके की चोट पर अभिनंदन वापस आया।

उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के बाद जब हमारे बीएसएफ का एक जवान पाकिस्तान के कब्जे में गया, तो इन्हें लगा कि अब मोदी फंस जाएगा। अब तो मोदी की फजीहत जरूर होगी। इनके इकोसिस्टम ने सोशल मीडिया पर तमाम कथाएं वायरल कीं- बीएसएफ जवान का क्या होगा, उसके परिवार का क्या होगा? बीएसएफ का वो जवान भी आन, बान और शान के साथ वापस आया।

पीएम मोदी ने कहा कि सेना का विरोध और सेना के प्रति नकारात्मकता- ये कांग्रेस का पुराना रवैया रहा है। अभी देश ने कारगिल विजय दिवस मनाया, लेकिन देश जानता है कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में और आज तक न तो कारगिल की विजय को अपनाया है, न ही कारगिल विजय दिवस मनाया है, और न ही कारगिल का गौरव किया है। कांग्रेस का भरोसा पाकिस्तान के रिमोट कंट्रोल से बनता है& और बदलता भी है। कांग्रेस अपने नए सदस्य से कहलवाती है कि "ऑपरेशन सिंदूर' तमाशा था। जिस भीषण आतंकी घटना में 26 लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। उस पर ये तेजाब छिड़कने वाला पाप है।

उन्होंने कहा कि कल हमारे सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन 'महादेव' को अंजाम दिया और पहलगाम हमले के तीनों आतंकियों को मार गिराया, लेकिन कल यहां पूछा गया कि आज ही क्यों हुआ, क्या ऑपरेशन के लिए सावन महीने का सोमवार ढूंढा गया था। पिछले कई सप्ताह से पूछा जा रहा था कि पहलगाम के आतंकियों का क्या हुआ और जब आतंकियों को मार गिराया गया तो कल ही क्यों हुआ, क्या हाल है इन लोगों का। कांग्रेस के शासन के दौरान सेनाओं को आत्मनिर्भर बनाने के संबंध में सोचा तक नहीं जाता था, आज भी आत्मनिर्भर शब्द का मजाक उड़ाया जाता है। हर रक्षा सौदे में कांग्रेस अपने मौके खोजती थी। हर छोटे छोटे हथियारों के लिए विदेशों पर निर्भरता, ये इनका कार्यकाल रहा है।

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in के माध्यम से)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सीई/सी-III/एससी, कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशन, द.म.रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित हैं।

एनआयटी सं. इपीसी-06-सीएओ-सी-एससी-2025 दि.25-07-2025 कार्य विवरण: दक्षिण मध्य रेलवे(द.म.रे.) (कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशन)-- दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाडा डिवीजन में, राजमण्ड्री रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए, इंजीनियरिंग, प्रोक्यूरमेन्ट तथा कंस्ट्रक्शन(इपीसी) ठेका। अनुमानित लागत:रु.252,74,74,973.00, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.1,26,37,400.00, कार्य पूरा करने की अवधि: 36(छत्तीस महिने), खोलने की तिथि: 30-09-2025 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज या बिड डाक्यूमेंट तथा अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइट: https://ireps.gov.in** पर लागिन करें।

निविदादातागण अपने आफर्स को आनलाइन में, निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान, अर्थात् निविदा बंद करने की तिथि से पहले, पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत करना चाहिए।

निविदादातागण, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाइन द्वारा जारी) को, निविदा प्रस्तुति की अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्य प्रशासकीय अधिकारी, निर्माण, सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना सं. सी-एसजी-पीटी-टावर्स-01 दि.26-7-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय.सीएसटीइ/ परियोजनाएं/टेलि./एससी द्वारा निम्न कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. व दि. सी-एसजी-पीटी-टावर्स-01 दि.26-07-2025 कार्य विवरण: दक्षिण मध्य रेलवे में गुंटकल व गुंटूर डिवीजन में कवच के प्रावधान के लिए ग्राउण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर वर्क्स या भू संचरना कार्य। अनुमानित परियोजना मूल्य: रु.63,40,88,208.80, बोली सुरक्षा राशि:रु.33,20,500.00, कार्य पूरा करने की अवधि: 720 दिन, बोली बंद करने की तिथि(बोली या बिड की नियत तिथि) -27-08-2025 के 15.00 बजे, बोली खोलने की तिथि -27.08.2025 के 15.00 बजे के पश्चात्, आफर वैधः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 120 दिन, निविदा पुस्तिका मूल्य: रु.शून्य।

समस्त बिड्डिंग या बोली, भारतीय रेलवे ई-टेन्डरिंग पोर्टल: **www.ireps.gov.in** पर ही होगी। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं। अधिक जानकारी www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।

उप मुख्य सिग्नल व दूर संचार अभियंता/परियोजनाएं/ टेलि./ सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना सं. सी-एसजी-पीटी-एमएसडीएसी-01 दि.21-07-2025 (शुध्दिपत्र सं.-01 दि.25-07-2025)

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय.सीएसटीइ/परियोजनाएं/टेलि./एससी द्वारा निम्न कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. व दि. सी-एसजी-पीटी-एमएसडीएसी-01 दि.21-07-2025(शुध्दिपत्र सं.-01 दि.25-07-2025)

कार्य विवरण: I) नांदेड, परभणी, पूर्णा, मुदखेड स्टेशन पर मौजूदा ट्रैक सर्कूट्स के ड्यूएल डिटेक्शन में मल्टि सेक्शन डिजीटल एक्सल काउन्टर (एमएसडीएसी) कम्प्लीट सिस्टम का प्रावधान। II) नांदेड डिवीजन के सिवनीशिवापुर, वाशीम व मड्केडी स्टेशन पर मौजूदा ट्रैक सर्कूट्स गुड्स साइडिंग/लूप लाइन के ड्यूल डिटेक्शन में मल्टि सेक्शन डिजीटल एक्सल काउन्टर (एमएसडीएसी) कम्प्लीट सिस्टम का प्रावधान। अनुमानित परियोजना मूल्य: रु.26,62,69,653.70 बोली सुरक्षा राशि:रु.14,81,400.00, कार्य पूरा करने की अवधि: 12 महिने, बोली बंद करने की तिथि(बोली या बिड की नियत तिथि) -22-08-2025 के 15.00 बजे, बोली खोलने की तिथि -22.08.2025 के 15.00 बजे के पश्चात्, आफर वैधः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 120 दिन, निविदा पुस्तिका मूल्य: रु.शून्य। शुध्दिपत्र सं.01 को जारी करने का कारण: शेड्यूल वैल्यू के टिपोग्राफिक चूक या एर्रर को अपडेट करने हेतु

समस्त बिड्डिंग या बोली, भारतीय रेलवे ई-टेन्डरिंग पोर्टल: www.ireps.gov.in पर ही होगी। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं। अधिक जानकारी www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।

उप मुख्य सिग्नल व दूर संचार अभियंता/ परियोजनाएं/टेलि./सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं.2-सीडब्ल्यूएमएलजीडीआरबीके-इटी-2025-26 दि.25-07-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, सीडब्ल्यूएम/एलजीडीएस द्वारा तत्संबंधित निविदा सं. 2-सीडब्ल्यूएमएलजीडीआरबीके-इटी-2025-26 दि.25-07-2025, बंद करने की तिथि 16-08-2025 के 11.00 बजे तक, ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाताओं द्वारा अपने मूल/संशोधित बोलियों को मात्र बंद करने की तिथि एवं समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं।इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अस्वीकार्य हैं एवं इस मामले में तत्संबंधित किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

निविदा सं. 2-सीडब्ल्यूएमएलजीडीआरबीके-इटी-2025-26 कार्य विवरण: रेल बोगी कारखाना, द.म. रेलवे, यादगिर जिला, कर्नाटक राज्य 585221 पर वेल्डिंग टार्च कन्जुमेबुल्स सहित एलएचबी फियाट बोगी फ्रेम्स का फैब्रिकेशन एवं पेन्टिंग कार्य। मात्रा(सं.) 1000, अवधि: 12 महिने, निविदा मूल्य जीएसटी सहित रु. 2,85,00,950.00 (रु. दो करोड पिच्यासी लाख नौ सौ पचास मात्र), पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.2,92,500.00, बंद करने की तिथि: 16-08-2025 के 11.00 बजे

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थान: चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद-500017

निविदा शर्ते/विवरण (निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों, शुध्दिपत्रों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट:**http://www.ireps.gov.in/** का अवलोकन करें।

चीफ वर्कशाप मैनेजर, लालागुडा, सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं. 05-मेका.-इपीपीएफएस-एसएचआयएफटी-25-26 दि.26-07-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए डीवाय.सीएमइ/सीआरएस/टीपीटीवाय द्वारा तत्संबंधित निम्नलिखित निविदा संख्या, बंद करने की तिथि के 11.00 बजे तक, ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाताओं द्वारा अपने मूल/संशोधित बोलियों को मात्र बंद करने की तिथि एवं समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं।इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अस्वीकार्य हैं एवं इस मामले में तत्संबंधित किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

निविदा सं. 05-मेका.-इपीपीएफएस-एसएचआयएफटी -25-26 दि.26-07-2025 कार्य विवरण: द.म. रेलवे के वर्कशाप्स तथा डिवीजनों पर अन्डरस्लंग से आनबोर्ड तक, इपीपीएफएस की शिफ्टिंग करना। अनुमानित मूल्य: रु.3,35,30,880.00 बोली सुरक्षा राशि:रु.3,17,700.00, कार्य पूरा करने की अवधि: 12 महिने, बंद करने की तिथि: 16-08-2025 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थान: चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

निविदा शर्ते/विवरण (निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों, शुध्दिपत्रों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट https://www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

सं. एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू.II/निविदा सूचना/2025-26 दि.28-07-2025

निविदा के विवरण को पहले ही **www.ireps.gov.in** पर अपलोड किया गया है

क्रम सं.1 निविदा सं. टी-202526-3-044 एथारिटि:को-आर्ड. कार्य विवरण:डीइएन/डब्ल्यू/एनडी सेक्शन-नवीनतम दिशानिर्देशों नुसार, दिव्यांगजन सुविधाओं(सिविल) का (एबीएसएस तथा स्टेशन विकास के अतिरिक्त) तत्संबंधित स्टेशनों का सुधार कार्य। निविदा मूल्य:रु. 57935611.14 पूर्व धरोहर राशि:रु.439700.00 कार्य पूरा करने की अवधि:9 महिने निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक)-कोई भी सिविल इंजिनियरिंग कार्य(ट्रैक कार्य/ झोनल कार्य रहित)।

क्रम सं.2 निविदा सं. टी-202526-2-045 एथारिटि:को-आर्ड. कार्य विवरण:डीइएन/एनइ/एनइडी सेक्शन- नवीनतम दिशानिर्देशों नुसार, दिव्यांगजन सुविधाओं(सिविल) का (एबीएसएस तथा स्टेशन विकास के अतिरिक्त) तत्संबंधित स्टेशनों का सुधार कार्य। निविदा मूल्य:रु. 40391713.91 पूर्व धरोहर राशि:रु.3,52,000.00 कार्य पूरा करने की अवधि:9 महिने निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक)-कोई भी सिविल इंजिनियरिंग कार्य(ट्रैक कार्य / झोनल कार्य रहित)।

उपरोक्त निविदा दि.19-08-2025 के 15.00 बजे बंद होगी।

सीनि. डीइएन/को-आर्ड. /नान्देड

ई-निविदा सूचना सं. एन-एसजी-36-2025-26-एचबीएल-11 दि.25-7-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए एसआर.डीएसटीइ/एनइडी द्वारा निम्न कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. व तिथि: एन-एसजी-36-2025-26-एचबीएल-11 दि.25-7-2025 कार्य विवरण: दो वर्ष की अवधि के लिए, नान्देड डिवीजन में, 25 स्थानों पर एचबीएल मेक के, इंटिग्रेटेड पावर सप्लाइ (आइपीएस) का वार्षिक रखरखाव ठेका(एएमसी)। अनुमानित परियोजना मूल्य:रु.80,00,000.00

बोली सुरक्षा राशि:रु. 1,60,000.00 कार्य पूरा करने की अवधि: 24 महिने, बोली बंद करने की तिथि(बोली नियत तिथि) 18-08-2025 के 15.00 बजे, बोली खोलने की तिथि: 18-08-2025 के 15.00 बजे के पश्चात् निविदा पुस्तिका मूल्य:रु.शून्य

समस्त बिड्डिंग या बोली, भारतीय रेलवे ई-टेन्डरिंग **पोर्टल: www.ireps.gov.in** पर ही होगी। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं। अधिक जानकारी **www.ireps.gov.in** पर देख सकते हैं।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूर संचार अभियंता/नान्देड

A1115

निविदा नियम शर्तें अधिक जानकारी/निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्स:www.ireps.gov.in अथवा http://www.scr.indianrailways.gov.in का अवलोकन करें।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ओवल टेस्ट में टीम इंडिया की प्लेइंग 11 मे 3 खिलाडी बदले जायेंगे

ओवल, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच लंदल के द ओवल स्टेडियम में 31 जुलाई से खेला जाएगा। ये मैच सीरीज का निर्णायक मुकाबला हो सकता है। इस मैच को जीतकर इंग्लैंड की टीम सीरीज को जीतना चाहेगी तो वहीं भारतीय टीम ओवल टेस्ट को जीतकर सीरीज को 2-2 की बराबरी पर खत्म करना चाहेगी। अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि इस मैच में टीम इंडिया की प्लेइंग इलवेन कैसी होने वाली है? क्योंकि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पांचवें टेस्ट से बाहर हो सकते हैं, इसके अलावा जसप्रीत बुमराह के भी सीरीज के 3 मैच पूरे हो चुके हैं। अब टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है।

इस सीरीज के लिए कुलदीप यादव को टीम इंडिया में तो शामिल किया गया है, लेकिन उनको अभी तक एक भी मैच की प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया है। जिसको लेकर लगातार कोच गौतम गंभीर पर भी सवाल उठ रहे हैं, लेकिन अब रिपोर्ट सामने आ रही है कि ओवल टेस्ट में कुलदीप यादव खेलते हुए दिखाई दे सकते हैं। इसके अलावा आकाश दीप की भी पांचवें टेस्ट में वापसी हो सकती है। इसके अलावा अर्शदीप सिंह ओवल टेस्ट में अपना डेब्यू करते हुए दिखाई दे सकते हैं।

सीरीज का चौथा टेस्ट मैच मैनचेस्टर के ओल्ड टैफर्ड में खेला गया था। वैसे तो ये मैच ड्रॉ रहा था, लेकिन इस ड्रॉ में भी टीम इंडिया की एक तरह से जीत मानी जा रही है।

दरअसल एक समय मैच पर इंग्लैंड ने पूरी तरह से शिकंजा कस लिया था और भारतीय टीम की हार चौथे मैच लगभग तय मानी जा रही थी।

दूसरी पारी में जिस तरह से कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने बल्लेबाजी करके इंग्लैंड घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया उससे मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ। दूसरी पारी में गिल, जडेजा और वाशिंगटन ने शतक लगाए थे। फिलहाल सीरीज में टीम इंडिया 1-2 से पीछे चल रही है।

फिनलैंड के महेश तांबे का टी-20 में वर्ल्ड-रिकॉर्ड

8 बॉल में 5 विकेट लिए; 2022 में बहरीन के जुनैद ने 10 गेंद में कारनामा किया था

खेल डेस्क, 29 जुलाई (एजेंसियां)। फिनलैंड के महेश तांबे ने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे कम बॉल में 5 विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। ताबें ने एस्टोनिया के खिलाफ मैच में 8 गेंदों में 5 बैटर्स को पवेलियन भेजा।

इससे पहले यह रिकॉर्ड बहरीन के जुनैद अजीज के नाम था, जिन्होंने 2022 में जर्मनी के खिलाफ केवल 10 गेंदों में 5 विकेट लिए थे। तांबे ने यह उपलब्धि रविवार को फिनलैंड और एस्टोनिया के बीच खेले गए तीसरे टी-20 मुकाबले में हासिल की।

इस मैच में फिनलैंड ने पहले गेंदबाजी करते हुए एस्टोनिया को 19.4 ओवर में 141 रनों पर समेट दिया। एक समय एस्टोनिया ने 2 विकेट पर 104 रन बना लिए थे और बड़ा स्कोर बनता दिख रहा था, लेकिन महेश तांबे ने

शानदार गेंदबाजी से उनकी पारी को तहस-नहस कर दिया।

तांबे ने स्टेफन गूच, साहिल चौहान, मुहम्मद उस्मान, रुपम बरुआ और प्रणय गीवाला के विकेट चटकाए। तांबे ने इन पांच बल्लेबाजों को मात्र 1.2 ओवर (8 गेंदों) में आउट किया। उन्होंने 2 ओवर में 19 रन देकर 5 विकेट लिए।

फिनलैंड ने 5 विकेट से जीता मैच

फिनलैंड ने 142 रनों का लक्ष्य 18.1 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया और यह मैच 5 विकेट से जीत लिया। फिनलैंड की ओर से अरविंद मोहन ने सर्वाधिक 67 रन बनाए। उन्होंने 60 गेंदों की नाबाद पारी में फराज मेहती अब्बास (19) और जॉर्डन ओ'ब्रायन (18) के साथ महत्वपूर्ण साझेदारियां निभाकर टीम को जीत दिलाई। इस जीत के साथ फिनलैंड ने टी-20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

साहिल चौहान के नाम सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड

एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड है। उन्होंने पिछले साल साइप्रस के खिलाफ मात्र 27 गेंदों में शतक जड़ा था। अब महेश तांबे ने एस्टोनिया के खिलाफ सबसे तेज 5 विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

पंत चोट के कारण पांचवें टेस्ट से बाहर

नारायण जगदीशन को मौका

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के विकेटकीपर-बल्लेबाज नारायण जगदीशन यूनाइटेड किंगडम में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में शामिल होने के लिए तैयार हैं. 29 साल के जगदीशन चोटिल ऋषभ पंत की जगह लेंगे क्योंकि भारत 5 मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे चल रहा है. टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार जगदीशन को वीजा मिल गया है और इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे. रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि विकेटकीपर-बल्लेबाज को गुरुवार दोपहर को कॉल मिला.

सोर्स ने कहा, "जगदीशन के चयन को लेकर शुरुआत में अनिश्चितता थी, क्योंकि ईशान किशन जैसे हाई-प्रोफाइल क्रिकेटर भी उसी भूमिका के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे. हालांकि, किशन से आगे चुने जाने का श्रेय जगदीशन को जाता है, और यह काफी अविश्वसनीय है कि वह भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे."

रिपोर्ट में एक स्रोत ने कहा, "जगदीशन ने लगातार दोहरे और तिहरे शतक बनाए हैं और उनके नाम कई विश्व रिकॉर्ड हैं. जगदीशन एक संतुलित खिलाड़ी हैं जिनके पास मजबूत मानसिक दृढ़ता है. यही कारण है कि वह भारतीय टीम में चुने गए हैं."

संभावना है कि ऋषभ पंत अंतिम टेस्ट को पैर की अंगुली में फ्रैक्चर के कारण मिस करेंगे, जो चौथे टेस्ट के पहले दिन हुआ था. शुरुआत में मैदान से बाहर जाने के बाद, वह अगले दिन 75 गेंदों में 54 रन बनाकर लौटे. बीसीसीआई के अनुसार, भारतीय उप-कप्तान बल्लेबाजी करेंगे लेकिन विकेटकीपिंग नहीं करेंगे. जगदीशन के कोच एजी गुरुस्वामी ने उनके चयन को एक महत्वपूर्ण क्षण बताया और उम्मीद जताई कि अगर उन्हें मौका मिला तो वह प्रभावशाली प्रदर्शन करेंगे.

शुभमन गिल को डॉन ब्रैडमैन का रिकॉर्ड तोड़ने के मिलेंगे मौके

इंग्लैंड से 5वें टेस्ट में ऐसे होगा हैरतअंगेज कमाल!

लंदन, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में शुभमन गिल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. उन्होंने अब तक खेले 4 टेस्ट की 8 पारियों में 722 रन बनाए हैं. और, देखा जाए तो डॉन ब्रैडमैन का 95 साल पुराना टेस्ट रिकॉर्ड भी ज्यादा दूर नहीं है. आखिरी टेस्ट में 2 बेहतरीन पारियां शुभमन गिल को वहां पहुंचा सकती हैं, जहां उनसे पहले आज तक कोई नहीं पहुंचा. डॉन ब्रैडमैन को पीछे कर वो किसी एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं. कमाल की बात ये है कि इंग्लैंड के खिलाफ ओवल पर खेले जाने वाले आखिरी टेस्ट में शुभमन गिल एक नहीं बल्कि 4 बार डॉन ब्रैडमैन को पीछे छोड़ते दिख सकते हैं. ये हैरतअंगेज कमाल होगा कैसे, आइए जानते हैं.

95 साल से बरकरार है डॉन ब्रैडमैन का रिकॉर्ड

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक सीरीज में सबसे ज्यादा 974 रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के डॉन ब्रैडमैन के नाम है. इस रिकॉर्ड को उन्होंने साल 1930 में इंग्लैंड की जमीन पर खेली एशेज सीरीज में बनाया था. शुभमन गिल 95 साल से कायम इस रिकॉर्ड को तोड़ने से 253 रन दूर हैं. इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज के आखिरी टेस्ट में वो ये कारनामा कर सकते हैं. शुभमन गिल ने ऐसा किया तो ओवल टेस्ट में कुल 4 बार डॉन ब्रैडमैन का रिकॉर्ड तोड़ते दिखेंगे.

शुभमन गिल 4 बार तोड़ेंगे ब्रैडमैन का रिकॉर्ड!

974 रन एक टेस्ट सीरीज में किसी बल्लेबाज के बनाए अब तक के सबसे ज्यादा रन हैं. डॉन ब्रैडमैन ने ये रन बनाए थे मगर, शुभमन गिल को उसने तोड़ने तक पहुंचने से पहले डॉन ब्रैडमैन के ऐसे ही 3 और रनों के पहाड़ से दो-चार होना पड़ेगा. डॉन ब्रैडमैन ने साल 1934 में खेली एशेज सीरीज में इंग्लैंड की जमीन पर ही

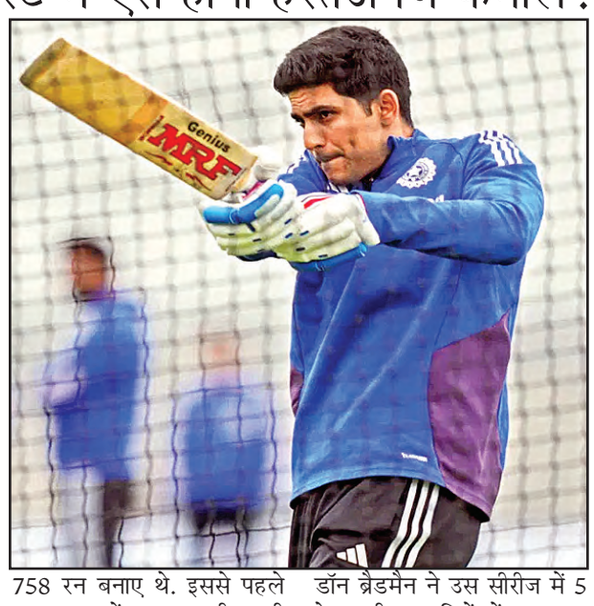

758 रन बनाए थे. इससे पहले 1931-32 में साउथ अफ्रीका की टीम जब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आई थी तो डॉन ब्रैडमैन ने उसमें 806 रन बनाए थे. फिर जब 1936-37 में इंग्लैंड की टीम एशेज खेलने ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर आई तो डॉन ब्रैडमैन ने उस सीरीज में 5 टेस्ट की 9 पारियों में 810 रन जड़े थे.

बेशक, शुभमन गिल को डॉन ब्रैडमैन के 974 रनों की दीवार लांघनी है. दुनिया भर के क्रिकेट फैंस भी उन्हें ऐसा ही करते देखना चाहेंगे. लेकिन, जब वो ऐसा कर रहे होंगे तो डॉन ब्रैडमैन के 3 और रिकॉर्डों को भी तोड़ रहे होंगे.मतलब, इंग्लैंड के खिलाफ ओवल पर खेले जाने वाले आखिरी टेस्ट में वो खेलेंगे तो 2 ही पारी मगर वो 4 बार ब्रैडमैन के रनों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए दिख सकते हैं.

इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में शुभमन गिल

शुभमन गिल ने फिलहाल 4 टेस्ट की 8 पारियों में 722 रन 90.25 की औसत से बनाए हैं, जिसमें 4 शतक शामिल हैं. अगर उनकी बाकी 4 इनिंग फीकी नहीं रहती तो वो ब्रैडमैन के वर्ल्ड रिकॉर्ड वाले 974 रन के आंकड़े को तोड़ने के और करीब होते. लेकिन, अभी भी मौका है. देखना दिलचस्प रहेगा कि एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रनों की रेस में खुद से 4 बार आगे खड़े ब्रैडमैन को वो कितनी बार पीछे छोड़ते हैं. एक, दो, तीन या फिर पूरे 4 बार ऐसा कर वो 95 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हैं.

जसप्रीत बुमराह से नफरत, टीम इंडिया के हेड कोच रहे रवि शास्त्री ने किया खुलासा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने एक इंटरव्यू के दौरान कई खुलासे किए. इस दौरान उन्होंने जसप्रीत बुमराह से नफरत से लेकर खुद को मिली सबसे बड़ी सलाह तक जैसी कई बड़ी बातों का जिक्र किया. रवि शास्त्री ने विराट कोहली के बारे में भी एक ऐसी बात बताई, जिससे शायद ज्यादातर लोग इत्तेफाक भी रखें. रवि शास्त्री 2017 से लेकर 2021 तक टीम इंडिया के कोच रहे थे. उनकी कोचिंग में भारतीय टीम ने कई उपलब्धियां हासिल की थी.

रवि शास्त्री ने जसप्रीत बुमराह पर क्या बोला?

जसप्रीत बुमराह की बात करें तो वो इन दिनों इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज खेल रहे हैं. रवि शास्त्री भी कमेंट्री करने के मकसद से इंग्लैंड में ही हैं. इसी दौरान रवि शास्त्री के एक इंटरव्यू की क्लिप सामने आई है, जिसमें वो एक सवाल के जवाब में जसप्रीत बुमराह का नाम ले रहे हैं. स्टिक टू क्रिकेट ने ये वीडियो पोस्ट किया है, जिसे रवि शास्त्री ने रिपोस्ट भी किया है.

बुमराह को फेस करने से नफरत करूंगा- शास्त्री

रवि शास्त्री से पूछा गया कि अभी के समय में वो किस एक गेंदबाज को फेस करने से नफरत करेंगे? यानी कि उसका सामना करने से बचना चाहेंगे? इसके जवाब में भारतीय टीम के पूर्व हेड कोच ने जसप्रीत बुमराह का नाम लिया.

'विराट कोहली बेस्ट और प्रभावशाली खिलाड़ी'

रवि शास्त्री से एक सवाल मॉडर्न डे क्रिकेट के बेस्ट बल्लेबाज को लेकर भी हुआ, जिसके जवाब में उन्होंने विराट कोहली का नाम लिया. शास्त्री ने कहा कि विराट बीते एक दशक से बेस्ट प्लेयर ही नहीं हैं बल्कि सबसे ज्यादा प्रभावशाली खिलाड़ी भी हैं.

रवि शास्त्री ने इंटरव्यू के दौरान खुद को मिली अपनी बेस्ट सलाह के बारे में भी बताया. उन्होंने कहा कि बेहतरीन सलाह मुझे रिची बेनो से मिली थी, जब मैंने कमेंट्री करना शुरू किया था. शास्त्री के मुताबिक रिची बेनो ने उनसे कहा था कि तुम्हें इस बात के पैसे नहीं मिल रहे कि कितने ज्यादा शब्द बोलते हो बल्कि इस बात के रहे हैं कि क्या बोल रहे हो.

काफा नेशंस कप खेल सकता है भारत

ताजिकिस्तान-उजबेकिस्तान में होना है टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल टीम ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान में 28 अगस्त से आठ सितंबर के बीच काफा नेशंस कप खेल सकती है। चूंकि मलेशिया के विकल्प के तौर पर मध्य एशियाई फुटबॉल संघ ने भारत को खेलने का न्योता दिया है। आठ टीमों के टूर्नामेंट से मलेशिया ने खिलाड़ियों की उपलब्धता और लॉजिस्टिक्स का हवाला देकर 15 जुलाई को नाम वापिस ले लिया था। यह टूर्नामेंट फीफा की अंतरराष्ट्रीय विंडो में नहीं पड़ता जो एक से नौ सितंबर के बीच है।

ओमान को भी इसमें भाग लेने के लिये न्योता मिला है। टूर्नामेंट का पहला सत्र 2023 में हुआ था जिसमें ईरान विजयी रहा था। समझा जाता है कि एआईएफएफ ने न्योता स्वीकार कर लिया है, लेकिन आयोजकों की ओर से अंतिम पुष्टि का इंतजार है। एआईएफएफ के एक अधिकारी ने कहा, 'अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है लेकिन हम इंतजार कर रहे हैं।'

अगर भारत खेलता है तो नए मुख्य कोच के साथ यह पहला टूर्नामेंट होगा। नए कोच की नियुक्ति एक अगस्त को होने वाली है। इस टूर्नामेंट में ईरान, अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान, किर्गीस्तान और तुर्कमेनिस्तान भाग ले रहे हैं।

एशिया कप 2025 में भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर असमंजस की स्थिति

मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 की तारीख सामने आ चुकी है। 9 सितंबर से टूर्नामेंट का आगाज होगा। जिसके सभी मुकाबले यूएई में खेले जाएंगे। शेड्यूल के मुताबिक एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान का मैच 14 सितंबर को होना है, जिसपर काफी बवाल छिड़ा है। सोशल मीडिया पर इस मैच को रद्द करने की मांग उठ रही है। क्योंकि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के लोगों में पाकिस्तान के खिलाफ काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है। संसद में भी इस मैच का मुद्दा काफी चर्चा में है। वहीं अब भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है।

क्या रद्द हो जाएगा भारत-पाकिस्तान मैच?

शीर्ष सूत्रों ने बताया कि "यह कोई द्विपक्षीय मुकाबला नहीं, बल्कि एक बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट का मैच है। अगर भारत यह मैच नहीं खेलता या छोड़ देता है, तो इससे

पाकिस्तान को भारी बढ़त मिल जाएगी। यह उन्हें वॉकओवर देने जैसा होगा, जो सही नहीं है।"

इन दिनों इंग्लैंड में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 टूर्नामेंट खेला जा रहा है। जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच 20 जुलाई को मुकाबला खेला जाना था, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के साथ खेलने से मना कर दिया था। शिखर धवन ने तो यहां तक भी कह दिया था कि अगर सेमीफाइनल में उनका मैच पाकिस्तान के साथ होता है तो वे नहीं खेलेंगे।

आईपीएल 2025 के बीच 26 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने मासूम पर्यटकों को अपना निशाना बनाया था, इस आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद से पाकिस्तान के खिलाफ भारत के लोगों में काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है। इस आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में घुसकर कई आतंकवादी ठिकानों को उड़ाया था।

ऑस्ट्रेलिया ने 5-0 से क्लीन स्वीप किया

वेस्टइंडीज को पांचवें टी-20 में 3 विकेट से हराया

बारबाडोस, 29 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें टी-20 में वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराकर सीरीज में 5-0 से क्लीन स्वीप किया। बासेटेरे में खेले गए पांचवें और अंतिम मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टिम डेविड, मिशेल ओवेन और कैमरन ग्रीन की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत जीत हासिल की। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.4 ओवर में 170 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 16 ओवर में 7 विकेट खोकर 173 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। 14 रन पर सलामी बल्लेबाज शाई होप आउट हो गए। इसके बाद दूसरे सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग 22 रन पर पवेलियन लौटे। पावरप्ले में वेस्टइंडीज ने 3 विकेट खोकर 49 रन बनाए। 10 ओवर (ड्रिंक्स) तक स्कोर 4 विकेट पर 84 रन था। शिमरन हेटमायर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए तीन महत्वपूर्ण साझेदारियां कीं। उन्होंने पहले शेरफेन रदरफोर्ड के साथ चौथे विकेट के लिए 18 गेंदों में 32 रन जोड़े। इसके बाद जेसन होल्डर के साथ पांचवें विकेट के लिए 30 गेंदों में 47 रन और सातवें विकेट के लिए 15 गेंदों में 32 रन की साझेदारी की।

दिव्या के कोच को उनमें दिखी धोनी की झलक

कहा- दबाव वाले मैच में वह माही की तरह मजबूती से खेली

बातुमी, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर और विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख को उनके प्रारंभिक कोच श्रीनाथ नारायणन ने बेहद प्रतिभाशाली करार देते हुए कहा कि वह कठिन परिस्थितियों में भी अविश्वसनीय रूप से शांत रहती हैं। उन्होंने कहा कि इस 19 साल की खिलाड़ी की धैर्य की तुलना महान क्रिकेट महेंद्र सिंह धोनी से की जा सकती है। दिव्या जॉर्जिया के बातुमी में अपनी से दोगुनी उम्र की प्रतिद्वंद्वी कोनेरू हम्पी को हराकर फिडे महिला विश्व कप का खिताब जीतकर भारतीय शतरंज में युवा उपलब्धि हासिल करने वालों की बढ़ती सूची का हिस्सा बन गईं। इस खेल में भारत की बढ़ती पैठ का प्रमाण इससे ही लगाया जा सकता है कि फाइनल में दोनों भारतीय खिलाड़ी थे और मुकाबले का परिणाम टाई-ब्रेकर से निकला। 38 साल की हम्पी सबसे कुशल और सुलझी हुई शतरंज खिलाड़ियों में से एक हैं। वह दो दशकों से भी अधिक समय से भारतीय महिला शतरंज की ध्वजवाहक रही हैं। उन्होंने दो विश्व रैपिड चैंपियनशिप, दो एशियाई खेल स्वर्ण पदक सहित अनगिनत खिताब जीते हैं और शतरंज ओलंपियाड की स्वर्ण पदक विजेता टीम का भी हिस्सा रही हैं। दिव्या का उनके खिलाफ जीतना भारतीय शतरंज के लिए एक शानदार क्षण था।

श्रीनाथ ने चेन्नई से फोन पर पीटीआई से कहा, 'दिव्या काफी आक्रामक खिलाड़ी है। बीतते समय के साथ वह अधिक हरफनमौला और बहुमुखी बन गई है। मुझे लगता है कि वह सभी प्रारूपों (क्लासिकल, रैपिड और और ब्लिट्ज) में समान रूप से अच्छी है। मुझे लगता है कि मुश्किल परिस्थितियों में उसके खेल में और परिपक्वता आ जाती है।

मकाऊ ओपन में सात्विक-चिराग की निगाहें खिताब पर

फॉर्म में वापसी करना चाहेंगे लक्ष्य और प्रणय

मकाऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी शुरू हो रहे मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने अच्छे प्रदर्शन को जारी रखते हुए सत्र का पहला खिताब जीतने के इरादे से कोर्ट पर उतरेगी। एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग ने पिछले सप्ताह चाइना ओपन सुपर 1000 में एक बार फिर सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां उन्हें मलयेशिया के दूसरे वरीय आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा। दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी ने इस सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन वह अभी तक खिताब नहीं जीत पाए हैं। उन्होंने इंडिया ओपन, सिंगापुर ओपन और मलयेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के अलावा इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी जगह बनाई। मकाऊ ओपन के शुरुआती दौर में उनका सामना लो हैंग यी और एनजी इंग चियोंग की मलयेशियाई जोड़ी से होगा।

एमएलसी कविता तीन दिन की भूख हड़ताल करेंगी

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष और बीआरएस विधान परिषद सदस्य कल्वाकुंतला कविता ने स्थानीय निकायों, शिक्षा और रोज़गार में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण जल्द लागू करने की मांग को लेकर 72 घंटे की भूख हड़ताल की घोषणा की है।

मंगलवार को सोमाजीगुडा प्रेस क्लब में यूनाइटेड फुले फ्रंट और पिछड़े वर्गों के संगठनों के नेताओं के साथ एक मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए, कविता ने कहा कि भूख हड़ताल 4 अगस्त को सुबह 11 बजे से 7 अगस्त को सुबह 11 बजे तक इंदिरा पार्क के धरना चौक पर होगी। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि तेलंगाना जागृति और यूपीएफ के प्रयासों से राज्य सरकार ने विधानसभा और विधान परिषद में पिछड़े वर्गों के आरक्षण के लिए दो अलग-अलग विधेयक पेश किए और पारित किए। बीआरएस विधान परिषद सदस्य ने कहा कि राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के पास एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ले जाने का वादा किया था, लेकिन अभी तक ऐसा कोई प्रयास नहीं किया गया है।

कांग्रेस सरकार पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा विधेयक पारित कराने के लिए कोई ठोस कदम उठाए बिना केवल बयानबाजी का सहारा लेने का आरोप लगाते हुए, उन्होंने आलोचना की कि दिल्ली में कांग्रेस नेताओं द्वारा दिए गए पिछले धरने को उनके नेता राहुल गांधी ने भी नज़रअंदाज़ कर दिया। उन्होंने कांग्रेस पर बिहार चुनावों में राजनीतिक लाभ के लिए दिल्ली में एक और धरने की योजना बनाने का आरोप लगाया, जिससे पिछड़ा वर्ग समुदाय को धोखा दिया जा रहा है। राज्य सरकार के इस दावे का उल्लेख करते हुए कि वह उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार सितंबर के अंत तक स्थानीय निकायों के चुनाव करा देगी, कविता ने ज़ोर देकर कहा कि पिछड़ा वर्ग आरक्षण कोटा बढ़ाना समय सीमा के भीतर चुनाव कराने जितना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने सवाल किया कि अगर राष्ट्रपति ने विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को तीन महीने से ज़्यादा समय तक मंज़ूरी नहीं दी, तो राज्य सरकार ने क़ानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की? इसी तरह, राज्यपाल ने राज्य मंत्रिमंडल द्वारा पारित अध्यादेश को मंज़ूरी नहीं दी है। बीआरएस एमएलसी ने तमिलनाडु का उदाहरण दिया, जहाँ राज्य सरकार ने उच्च आरक्षण कोटा हासिल करने के लिए क़ानूनी लड़ाई लड़ी, और पूछा कि तेलंगाना ऐसा क्यों नहीं कर रहा है।

उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्रपति इन विधेयकों को मंज़ूरी देते हैं तो इसका स्वागत होगा। अगर इन्हें अस्वीकार कर दिया जाता है, तो विधानसभा और विधान परिषद आरक्षण लागू करने के लिए इन्हें दूसरी बार मंज़ूरी दे सकती हैं। कविता ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर अपने "बड़े भाई" नरेंद्र मोदी को बचाने के लिए इस मुद्दे पर केंद्र सरकार पर दबाव न डालने का आरोप लगाया और आरोप लगाया कि भाजपा के साथ एक गुप्त समझौते के कारण राज्य अदालतों का रुख नहीं कर पा रहा है। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार पर दबाव बनाने के लिए उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में तुरंत याचिकाएँ दायर की जाएँ। कविता ने मंत्री पोन्नम प्रभाकर द्वारा विधायकों और विधान पार्षदों से दिल्ली में स्वेच्छा से धरने में शामिल होने के आह्वान पर सवाल उठाया। लोकतंत्र में स्थापित परंपरा यह है कि सरकार सभी राजनीतिक दलों के प्रमुखों को पत्र लिखकर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में उनकी भागीदारी की मांग करती है। संयुक्त आंध्र प्रदेश में अंबेडकर प्रतिमा की स्थापना के लिए अपनी 72 घंटे की भूख हड़ताल को याद करते हुए, जिसके कारण तत्कालीन किरण कुमार रेड्डी सरकार को भी इसे स्वीकार करना पड़ा था, कविता ने दोहराया कि वह बीसी विधेयक को वास्तविकता बनाने के लिए इसी तरह की भूख हड़ताल करेंगी।

बलात्कार और शादी का झांसा देकर महिला को धोखा देने का मामला दर्ज

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला ने आरजीआईए पुलिस से संपर्क कर आरोप लगाया कि एक व्यक्ति ने उससे शादी का वादा करके उसके साथ धोखा किया और बलात्कार किया। पुलिस के अनुसार, शमशाबाद की 26 वर्षीय महिला और कर्नाटक के वीरैया नामक संदिग्ध की मुलाकात एक रिश्तेदार की शादी में हुई थी और वे दोस्त बन गए। इसके बाद, उसने उसे प्रपोज़ किया, जिसे उसने स्वीकार कर लिया। तब से, वे कई मौकों पर मिले हैं। पीड़िता का आरोप है कि 22 जुलाई को, वीरैया ने शादी का वादा करके महिला को शमशाबाद के एक लॉज में ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। हाल ही में जब उसने उससे शादी के लिए कहा, तो वह टालमटोल करने लगा और शादी से इनकार कर दिया। वीरैया ने धमकी दी कि अगर उसने इस बारे में किसी को बताया तो वह उनकी निजी तस्वीरें और वीडियो सार्वजनिक कर देगा। महिला की शिकायत के आधार पर आरजीआईए पुलिस ने बलात्कार और धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है और संदिग्ध को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

18 वर्षों के बाद नागार्जुन सागर बाढ़ का पानी छोड़ा गया

नलगोंडा, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने मंगलवार को ऊपरी नदी से भारी जल प्रवाह के बाद नागार्जुन सागर परियोजना के शिखर द्वारों के औपचारिक उद्घाटन का नेतृत्व किया। नलगोंडा जिले में स्थित यह परियोजना, लगातार बारिश के बाद एक लबालब जलाशय में बदल गई, जिससे 18 वर्षों के बाद जुलाई में पहली बार बाढ़ का पानी छोड़ा गया।

मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने स्थानीय विधायकों और वरिष्ठ सिंचाई अधिकारियों के साथ, द्वार खोलने से पहले कृष्णम्मा की विशेष पूजा-अर्चना की। शुरुआत में, द्वार संख्या 13 और 14 को खोला गया, उसके बाद आठ और द्वारों को 8 फीट की ऊँचाई तक खोला गया। कुल मिलाकर, 14 द्वार 5 फीट की ऊँचाई तक खोले गए, जिससे 78,060 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। बाद में, उठाए गए द्वारों से 68,000 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ा गया। मंगलवार तक, नागार्जुन सागर का जल स्तर 587.20 फीट था, जो पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) 590 फीट से थोड़ा कम था, और 312.04 टीएमसी की पूर्ण क्षमता के मुकाबले 305.62 टीएमसी पानी का भंडारण था। अंतर्वाह 2,28,900 क्यूसेक दर्ज किया गया, जबकि बहिर्वाह 1,18,790 क्यूसेक तक पहुँच गया। अधिकारियों ने निचले और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को अलर्ट जारी कर सावधानी बरतने और बाढ़ संभावित क्षेत्रों में प्रवेश प्रतिबंधित करने की सलाह दी है। स्थिति पर लगातार नज़र रखी जा रही है। मौके पर मीडिया को संबोधित करते हुए, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने इस आयोजन को बेहद प्रतीकात्मक बताया। उन्होंने कहा, "यह सिर्फ़ एक बाँध नहीं, बल्कि सिंचाई का एक आधुनिक मंदिर है।

यह हमारे राष्ट्रीय नेताओं के दृष्टिकोण और लाखों किसानों की आशाओं को दर्शाता है। इन द्वारों को खोलना और कृष्णम्मा को उनकी पूरी महिमा में देखना एक गौरवशाली क्षण है।" उत्तम कुमार रेड्डी ने याद दिलाया कि नागार्जुन सागर की आधारशिला भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 10 दिसंबर 1955 को रखी थी और इस परियोजना का उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1967 में किया था। शिखर द्वार 1974 में पूरे हुए और परियोजना ने 2005 में अपनी स्वर्ण जयंती मनाई।

"नागार्जुन सागर बाँध भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और कृषि संबंधी दूरदर्शिता का प्रमाण है। यह कुल 22.12 लाख एकड़ भूमि की सिंचाई करता है, जिसमें तेलंगाना में 6.30 लाख एकड़ और आंध्र प्रदेश में 4.08 लाख एकड़ भूमि शामिल है,।" उत्तम कुमार रेड्डी, जो नागार्जुन सागर आयाकट क्षेत्र से छह बार विधायक और एक बार सांसद चुने गए हैं, ने कहा कि अंतिम खेत तक पानी पहुँचाना उनका मिशन है। उन्होंने कहा, "इस धरती के सपूत होने के नाते, मैंने किसानों को आखिरी छोर पर पानी का इंतज़ार करते देखा है। आज, मैं यहाँ सिर्फ़ एक मंत्री के रूप में नहीं, बल्कि उनमें से एक के रूप में खड़ा हूँ - जो हर बूँद पानी पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।" बाँध मुख्य संयंत्र की सात इकाइयों के माध्यम से %00 मेगावाट (MW) बिजली और बाईं नहर की दो इकाइयों के माध्यम से अतिरिक्त 60 मेगावाट बिजली भी पैदा कर रहा है, जो पिछले चार दिनों से लगातार 30,000 क्यूसेक पानी के प्रवाह से संचालित हो रही है।मंत्री ने बताया कि खरीफ सीज़न से पहले, राज्य सरकार ने जल्दी बुवाई के लिए, औपचारिक समय से पहले ही, बाईं नहर के माध्यम से 3,000 क्यूसेक पानी छोड़ दिया है। मंत्री ने कहा कि यह राज्य की व्यापक सिंचाई रणनीति का हिस्सा है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि अगले कुछ दिनों तक पानी का प्रवाह जारी रहने की उम्मीद है और बाढ़ के स्तर को नियंत्रित करने के लिए गेट संचालन को तदनुसार समायोजित किया जाएगा।

मंत्री कोमटिरेड्डी ने एनएसपी जल छोड़ने के कार्यक्रम का बहिष्कार किया

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी मंगलवार को नलगोंडा ज़िले में बांध स्थल पर नागार्जुन सागर परियोजना (एनएसपी) से बाढ़ का पानी छोड़ने के कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। यह परियोजना पूरी तरह भर चुकी है और अपने पूर्ण जलाशय स्तर 590 फीट के करीब पहुँच गई है। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के आचरण पर अपनी नाराजगी व्यक्त की और कार्यक्रम का बहिष्कार करने का फैसला किया। शुरुआत में उन्हें परियोजना स्थल पर सुबह 10 बजे निर्धारित जल छोड़ने के कार्यक्रम में मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और ज़िला प्रभारी मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार के साथ उपस्थित होना था। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी सुबह 9 बजे हेलीकॉप्टर से कार्यक्रम स्थल पर जाने के लिए बेगमपेट हवाई अड्डे पर पहुँचे और 10 बजे तक इंतज़ार किया, लेकिन उत्तम कुमार रेड्डी उस समय के बाद भी हवाई अड्डे पर नहीं पहुँचे। उत्तम कुमार रेड्डी की समय की पाबंदी की कमी से निराश होकर, मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट बेगमपेट हवाई अड्डे से रवाना हुए और मंत्री आवास की ओर चल पड़े। बाद में, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, जिला प्रभारी मंत्री अदलुरी लक्ष्मण के साथ, कार्यक्रम में भाग लेने के लिए हेलीकॉप्टर से नागार्जुन सागर गए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.